राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण

पटना और रांची से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 9 अंक : 228 पटना (बिहार) गुरुवार 19 जून 2025 पेज - 12 मूल्य: 1 R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

तेजस्वी यादव ने बताया एनडीए का फुल फॉर्म, कहा- सीएम नीतीश कुमार अचेत अवस्था में हैं

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

बिशेष प्रतिनिधि द्वारापटना :नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने फिर से नीतीश सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सबसे पहले एनडीए का फुलफॉर्म समझाया। और, बिहार के विभिन्न आयोगों में एनडीए नेताओं के करीबियों को सदस्य बनाए जाने पर तंज कसा। तेजस्वी यादव ने कहा कि अब एनडीए का मतलब नेशनल दामाद आयोग हो गया है। इतना ही नहीं तेजस्वी यादव ने बढ़ते अपराध पर भी सरकार को घेरा। कहा कि बिहार का कोई ऐसा जिला या प्रखंड नहीं है, जहां प्रतिदिन 200 राउंड गोलियां नहीं चलतीं। बिहार में अपराधियों का बोलबाला है और मुख्यमंत्री पूरी तरह से अचेत अवस्था में हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार में नीतीश और भाजपा की सरकार में अपराधी पूरी तरह से बेलगाम हो चुके हैं। परिवार न्याय मांग रहा है, लेकिन सरकार सोई हुई है। यदि सरकार की तरफ से कोई भी व्यक्ति आता और पीड़ितों की बात सुनता तथा न्याय का भरोसा दिलाता, तो ऐसा लगता कि चलो कोई सुन रहा है। लेकिन इस राज्य में सुनवाई और कार्रवाई नीतीश जी के शासन में खत्म हो चुकी है। हम विपक्ष के नेता होने के नाते

लगातार हर घटना में पहुंचते हैं। चाहे 11 साल की बच्ची का रेप हुआ हो, या शहीद परिवार की बात हो, चाहे बिजली के हादसे में मौत हो, जहां मर्डर हो रहा हो या गोलियां चल रही हों। आज भी हम बक्सर इसलिए आए हैं कि जहां अन्याय हुआ है, उन्हें हम न्याय दिलवाएं। बता दें कि बिहार के मुख्य प्रतिपक्ष दल के नेता और राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बक्सर पहुंचे हुए थे, जहां उन्होंने जिले के चौसा में ऑपरेशन सिंदूर में शहीद जवान सुनिल सिंह के घर परिजनों से मिलने के लिए गए। इसके साथ ही उन्होंने राजद नेता अर्जुन यादव और आकाशीय बिजली से हुई मौत के पीड़ित परिवारों से भी मुलाकात की।

'महागठबंधन की जीत हुई तो तेजस्वी होंगे मुख्यमंत्री', भाकपा (माले) के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना :भाकपा (माले) लिबरेशन के महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा है कि अगर बिहार में अगला विधानसभा चुनाव महागठबंधन जीतता है, तो तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री बनेंगे। उन्होंने यह बात एक इंटरव्यू में कही। दीपंकर भट्टाचार्य ने बताया कि तेजस्वी यादव महागठबंधन का चेहरा हैं और जनता उन्हें ही मुख्यमंत्री के रूप में देखती है। उन्होंने यह भी कहा कि भाकपा (माले) इस बार 40 से 45 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में पार्टी को 19 सीटें मिली थीं, जिनमें से उसने 12 पर जीत दर्ज की थी। जब उनसे पूछा गया कि पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, तो उन्होंने कहा कि पिछले चुनाव में अगर भाकपा (माले) को ज्यादा सीटें मिलतीं, तो महागठबंधन सरकार बना सकता था। कांग्रेस को 70 सीटें मिली थीं, लेकिन वह

सिर्फ 19 पर जीती। हमें 19 सीटें मिलीं और हमने 12 पर जीत हासिल की। दीपंकर ने कहा कि जहां भाकपा (माले) मजबूत है, वहां आरजेडी और कांग्रेस को भी फायदा मिलता है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी अब 24 से 25 जिलों में मजबूत उपस्थिति रखती है और अगर इन जगहों से चुनाव लड़ती है तो परिणाम में बदलाव ला सकती है। क्या भाकपा (माले) को कांग्रेस के बराबर सीटें मिलनी चाहिए? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि सभी जानते हैं कि कांग्रेस की जमीन पर पकड़ बिहार में कमजोर है, लेकिन वह राष्ट्रीय पार्टी है और विपक्ष की मुख्य ताकत भी। वहीं, भाकपा (माले) बिहार में जमीनी संगठन के लिए जानी जाती है। हम चाहते हैं कि महागठबंधन के सभी घटक दलों की ताकत का सही इस्तेमाल हो। तेजस्वी यादव को महागठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित करने को लेकर उन्होंने कहा कि तेजस्वी का चेहरा जनता के लिए पहले ही घोषित है। अब घोषित और अघोषित में फर्क नहीं रह गया है। महागठबंधन की जीत हुई तो मुख्यमंत्री तेजस्वी ही होंगे। दीपंकर भट्टाचार्य ने यह भी कहा कि एनडीए की ओर से मुख्यमंत्री का चेहरा फिर से नीतीश कुमार ही होंगे और कहा कि बीजेपी के लिए नीतीश एक मजबूरी हैं। अगर वो मजबूरी में नहीं होते तो बीजेपी के हाथों लोकसभा चुनाव से पहले ह्वहाईजैकह्व नहीं होते। प्रशांत किशोर और उनकी पार्टी जन सुराज पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि वह अब बीजेपी की ह्वबी टीमह्व की तरह काम कर रहे हैं और लोगों में अब उनके लिए पहले जैसा उत्साह नहीं बचा है। जनगणना को लेकर केंद्र सरकार की घोषणा पर उन्होंने कहा कि बीजेपी पहले तो जातिगत जनगणना के खिलाफ थी, लेकिन अब बिहार चुनाव को देखते हुए यह ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि लोग जानते हैं कि बीजेपी कहती कुछ है, करती कुछ और है। उन्होंने यह भी कहा कि जातिगत जनगणना के साथ-साथ आरक्षण की सीमा बढ़ाई जानी चाहिए

संक्षिप्त समाचार

मुजफ्फरपुर में 'हर घर नल का जल की टंकी से शराब बरामद

संवाददाता द्वारा

मुजफ्फरपुरः बिहार में शराब माफियाओं ने नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट हर घर नल जल योजना को नहीं छोड़ा। मुजफ्फरपुर पुलिस ने नल जल योजना की टंकी से शराब बरामद किया है। पुलिस ने पांच हजार लीटर से अधिक मात्रा में अवैध शराब को बरामद किया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।मुजफ्फरपुरः जिले में प्रतिबंधित शराब के तस्करी और अवैध कारोबार पर नकेल कसने के लिए उत्पाद विभाग की टीम लगातार छापेमारी अभियान चला रही है। इसी क्रम में मद्य निषेध थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कुढ़नी थाना क्षेत्र के बसंत खरौना गांव में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। टीम ने शराब माफिया मुकेश कुमार के घर पर छापेमारी कर घर के अंदर बने अर्धनिर्मित शौचालय की टंकी से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। पानी की टंकी में शराबःइतना ही नहीं, घर के पास 'हर घर नल का जल' योजना के तहत बनी पानी टंकी से भी शराब के कई कार्टन जब्त किए गए। इस कार्रवाई में कुल 569.37 लीटर विदेशी शराब बरामद की गई और कारोबारी मुकेश कुमार को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि उसका एक साथी अखिलेश पासवान फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। वही उत्पाद विभाग की दूसरी टीम ने कुढ़नी थाना क्षेत्र के केरमा गांव में अशोक सहनी के घर पर छापेमारी कर 5.300 लीटर अवैध शराब जब्त की और मौके से अशोक सहनी को भी गिरफ्तार कर लिया। अवैध शराब बरामदःउत्पाद थानाध्यक्ष दीपक कुमार सिंह ने बताया कि अशोक सहनी शराब के अवैध धंधे में पूर्व में भी कई बार जेल जा चुका है। फिलहाल, उत्पाद विभाग की टीम पूरे मामले की जांच में जुटी है और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। पुलिस इस मामले में आरोपी से पूछताछ करने में जुटी है। उत्पाद पुलिस को उस समय आश्चर्य हुआ, जब जल की टंकी से शराब की बरामदगी हुई। पुलिस ने सोचा भी नहीं था कि नल जल योजना की टंकी को लोग शराब का अवैध शराब का स्टोर करने के लिए प्रयोग कर रहे हैं।

जन सुराज में शामिल होंगे मनीष कश्यप ! बोले- 'मुझे अपनों ने ट्रैप किया था

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटना : "हां बिल्कुल मैं चुनाव में उतरूंगा. मैं जिस पार्टी में जाऊंगा वह विचारधारा वाली पार्टी होगी. मैं पलायन पर बात करता हूं, रोजगार पर बात करता हूं. मैं इस हफ्ते में अपना निर्णय ले लूंगा." ये कहना है बिहार के प्रसिद्ध यूटूबर मनीष कश्यप का. जब उनसे पूछा गया कि क्या आप जन सुराज में शामिल हो रहे हैं, तो उनका जवाब था, आप लोगों को तो पता ही है.

मनीष कश्यप एक बार फिर से सुर्खियों में है. इस बार मनीष भारतीय जनता पार्टी (BJP) से इस्तीफा देकर सुर्खियां बटोर रहें है. दरअसल, अपने सोशल मीडिया और यूट्यूब वीडियो के जरिए प्रसिद्ध हो चुके मनीष कश्यप ने 2024 में चुनाव लड़ने का मन बनाया, फिर भोजपुरी अभिनेता और बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने उन्हें भाजपा में शामिल कराकर चुनाव लड़ने से रोक दिया.

बाद में मनीष कश्यप ने बिहार के स्वास्थ्य महकमे पर सवाल उठाए. पीएमसीएच में उनके साथ मारपीट की गयी. तब बीजेपी ने उनका साथ नहीं दिया. इसके बाद उन्होंने बीजेपी से इस्तीफा दिया. मनीष कश्यप ने कहा कि उनके साथ धोखा किया गया है. इमोशनल

अत्याचार किया गया. ईटीवी भारत ने मनीष कश्यप से जाना कि अब आगे क्या करेंगे? 'मैं पत्रकार नहीं हूं' : मनीष कश्यप से पूछा गया कि आप पत्रकार हैं, यूट्यूबर है, नेता है, क्या है? उन्होंने कहा कि मैं पत्रकार कभी रहा ही नहीं. मैं अपने आप को यूट्यूबर बोलता हूं. किसी पत्रकार को समस्या हुई है तो उसके लिए मैंने कैंपेनिंग की है. मैं यूट्यूब के माध्यम से लोगों के लिए आवाज उठाता हूं. इस आवाज को उठाते उठाते अब मुझे महसूस हो रहा है कि हम जैसे लोग सदन में नहीं पहुंचे तो यह नेता लोग बिहार को चौपट कर देंगे. 'मैं नेताओं का ऑडिट करता हूं' : मनीष से जब पूछा गया कि आप लगातार काम करते रहे, अचानक राजनीति में आने की क्यों सोची? इसपर मनीष कश्यप ने कहा कि बिहार में आये दिन पत्रकारों को गोली मार दी जाती है. कोई पूछने वाला नहीं रहता है. हम जब समस्याओं के लिए आवाज उठाते हैं तो, नेताओं को लगता है कि हम उनके खिलाफ हैं. नेताओं को यह समझना चाहिए कि हम बिना सैलरी लिए आपके लिए ऑडिट कर रहे हैं. नेताओं की जहां तक नजर नहीं जाती है वहां तक नजर हम ले जाते हैं. हम बताते हैं ताकि उस समस्या का समाधान हो सके, इससे उनका फायदा होता कि आप लोगों से कनेक्ट होते और उनको वोट देते. पीएमसीएच में जिस बच्चे का इलाज कराने का प्रयास किया था, उसका पूरा परिवार भाजपाई है. अगर बच्ची का इलाज हो जाता तो उसका पूरा परिवार भाजपा को ही वोट देता. सरकार को यह लगता है कि जब हम यह सब बातें उठाते हैं तो हम सरकार विरोधी हो गए. बिहार में यदि पुल गिर गया, हमने उसकी खामी बताई और फिर वह दुरुस्त हो गया तो यह तो सरकार को धन्यवाद देना चाहिए कि उन्होंने काम कर लिया और उस पर कोई एक्सीडेंट नहीं हुआ. हम सरकार की तीसरी आंखें हैं. जहां सरकार की जहां तक नजर नहीं जाती है वहां तक हम लोग लेकर जाते हैं. हमने कुछ कड़े शब्दों का इस्तेमाल कर दिया तो, सरकार को लगा मनीष कश्यप उनके खिलाफ है. तमिलनाडु प्रकरण हुआ उसके बाद मुझे 9 महीने का जेल हुआ था. उसके बाद मुझे लगा कि नहीं, राजनीतिक गलियों में घुसकर हमें देखना चाहिए. आखिर यह लोग किस प्रकार से बिहार को चलाते हैं? कैसे यह लोग बिहार की मदद की बात करते हैं? इसलिए मैंने सोचा कि मुझे राजनीति ज्वाइन करना चाहिए. 'जिन्हें अपना माना उन्होंने धोखा दिया' : ईटीवी भारत ने सवाल किया कि 2020 में आप चुनाव लड़े थे, उसके बाद तमिलनाडु प्रकरण हुआ, उसके बाद आप भाजपा में शामिल हो गए उसमें एक कहानी है, क्या कहानी है? मनीष ने बताया कि यह विश्वास की कहानी है. मैंने आप पर विश्वास किया, आपने विश्वास को तोड़ दिया. आपको ट्रैप किया गया था? तो मनीष कश्यप ने कहा कि मैंने उसे अपना माना, मेरे घर पर जो भी आए, मैंने उन्हें अपना माना, मैं दिल की जगह पर दिमाग से सोच लेता तो शायद ट्रैप नहीं होता, मेरा डिसीजन गलत था और मैं कह सकता हूं कि मैं ट्रैप हो गया था.

'मुझे ट्रैप किया गया था' : क्या मनोज तिवारी ने आपको ट्रैप किया तो, मनीष कश्यप ने कहा कि बहुत सारे लोग थे जिन्होंने मुझे ट्रैप किया, हम किसी का नाम नहीं लेंगे, सवाल किया गया कि क्या एक सीट बचाने के लिए मनीष कश्यप को ट्रैप किया गया? मनीष कश्यप ने कहा आपकी आंखों के सामने मैंने दो सीट ऐसे ही बचा दिया, एक तो पश्चिम चंपारण का, दूसरा कन्हैया कुमार जो मनोज तिवारी के खिलाफ लड़ रहे थे. मैंने आंखों के सामने बचा दिया. उसके बाद मनोज तिवारी का स्टेटमेंट है

शिवहर में विजिलेंस ने मारा छापा, भू-अर्जन लिपिक 70,000 रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार

क्राइम संवाददाता द्वारा

शिवहरः शिवहर में जिला भू-अर्जन कार्यालय में निगरानी विभाग की टीम ने छापेमारी की है. इसी बीच लिपिक विजय कुमार श्रीवास्तव को 70 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है. मुआवजे की एवज में मांगी थी रिश्वतः लिपिक विजय कुमार श्रीवास्तव पर बभनटोली गांव निवासी पप्पू कुमार तिवारी से रेलमार्ग में भूमि अधिग्रहण का मुआवजे देने की एवज में 70 हजार रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है. इस संबंध में पप्पू तिवारी ने निगरानी विभाग में एफआईआर दर्ज कराई थी. जिसके बाद आज ये कार्रवाई की गई है. निगरानी विभाग को मिली थी लिखित शिकायतः उपाधीक्षक सुजीत कुमार सागर ने बताया कि इस मामले में पप्पू कुमार तिवारी नाम के व्यक्ति की तरफ से एक आवेदन दिया गया था, जिसमें बताया गया था कि भूमि अधिग्रहण के मुआवजे के बदले पैसों की मांग की जा रही है. शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने जांच शुरू की, जिसमें पीड़ित पप्पू कुमार तिवारी द्वारा लगाए आरोप सही पाए. "मुआवजे की एवज में रिश्वत मांगने के मामले में आज निगरानी की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है. लिपिक विजय कुमार श्रीवास्तव को 70,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है". सुजीत कुमार सागर, उपाधीक्षक, निगरानी विभाग लिपिक को पटना लेकर रवाना हुई विजिलेंस टीमः सुजीत कुमार सागर ने बताया कि इतनी बड़ी रकम लिपिक अकेले नहीं ले सकता है. इसमें भू अर्जन विभाग के छोटे से लेकर बड़े अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं, जिससे इस संबंध में और जांच की जा रही है. निगरानी विभाग की टीम लिपिक को पटना लेकर रवाना हो गई है. "रेलमार्ग में मेरी 25 डिसमिल जमीन गई है. जमीन का मूल्य लगभग 35 लाख रुपए है. भू अर्जन के कर्मचारी 35 लाख रुपए में से 2% हिस्सा देने के लिए कह रहे थे. साथ ही कहते थे कि जब तक आप पैसा नहीं देंगे, तब तक आपका पैमेंट नहीं होगा." पप्पू तिवारी, पीड़ित

बिहार में 'दामाद' पर राजनीति, NDA सरकार के फैसले से क्यों छिड़ी सियासी जंग

राजनीतिक संवाददाता द्वारा

पटनाः बिहार में अबतक परिवारवाद की राजनीति होती थी, लेकिन इसबार बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले बिहार में दामादवाद की राजनीति का जन्म हो गया है. इसको लेकर पक्ष-विपक्ष में सियासी जंग छिड़ गयी है.

बिहार में 'दामाद' यानि बैकुंठ से पधारे नाथ के समान होते हैं. खासकर मिथिलांचल में दामाद (बेटी का पति) की खूब इज्जत होती है. ये तो घर-परिवार की बात हो गयी, लेकिन इसबार दामाद घर परिवार से निकल कर राजनीति में पहुंच गए हैं. इसका उदाहरण एनडीए सरकार में लिए गए फैसले में दिख रहा है. सरकार के इस फैसले का विपक्ष कड़ा विरोध भी कर रहा है. बिहार में आयोग का गठनः दरअसल, बिहार में बहुत जल्द ही विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा हो सकती है. इससे पहले नीतीश सरकार ने राज्य में कई आयोग का गठन किया है. इस आयोग में कई ऐसे लोगों को जगह दी गयी है, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है. तीन आयोग में 'दामाद': अनुसूचित जाति आयोग, राज्य महिला आयोग और पहले से गठित राज्य धार्मिक न्याय बोर्ड को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है. दरअसल, इसमें ऐसे लोगों को जगह दी गयी है जिनके परिवार के सदस्य पहले से सरकार में बड़े पदों पर रह चुके हैं. सायन कुणालः पहले सायन कुणाल की बात करते हैं. व्यक्तिगत जीवन में इंटरनेट पर एक युवा व्यवसायी और लेखक के रूप में जाने जाते हैं. बीबीए, एलएलबी (एच), सुम्मा कम लाउड डिग्री के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की. महावीर मंदिर न्यास समिति के पूर्व सचिव दिवंगत किशोर कुणाल के बेटे हैं. किशोर कुणाल राज्य धार्मिक न्याय परिषद के अध्यक्ष और एक आईपीएस अधिकारी भी रह चुके थे. अशोक चौधरी के दामादः सायन कुणाल बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी के दामाद और उनकी बेटी शांभवी चौधरी के पति हैं. शांभवी चौधरी भी समस्तीपुर लोकसभा से सांसद हैं. हाल में इन्हें नीतीश सरकार ने राज्य धार्मिक न्याय बोर्ड के सदस्य की जिम्मेदारी दी है. मृणाल पासवानः नीतीश सरकार ने मृणाल पासवान को अनुसूचित जाति आयोग में अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है. मृणाल पासवान चिराग पासवान के बहनोई और बिहार के जाने माने दिवंगत नेता रामविलास पासवान के दामाद हैं. चिराग पासवान के एक और बहनोई अरुण भारती लोकसभा चुनाव 2024 में जमुई से सांसद निर्वाचित हुए हैं. इनके चाचा और चचेरा भाई पहले से राजनीति में हैं, हालांकि पार्टी अलग होने के कारण ये लोग चिराग पासवान के साथ नहीं हैं.

देवेंद्र मांझीः नीतीश सरकार ने देवेंद्र मांझी को अनुसूचित जाति आयोग में उपाध्यक्ष बनाया गया है. देवेंद्र मांझी केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के दामाद हैं. देवेंद्र मांझी खुद को एक इंजीनियर बताते हैं. देवेंद्र मांझी विपक्ष के आरोप पर पलटवार करते हुए कहते हैं कि वे 15 साल से समाज सेवा में हैं. बेटा, बहू और समधन भी बड़े पदों परः जीतन राम मांझी का एक पुत्र संतोष कुमार सुमन बिहार सरकार में मंत्री हैं. बहू दीपा मांझी इमामगंज से विधायक हैं. जीतन राम मांझी की समधन भी बाराचट्टी पटनाः

पटनाः बिहार में अबतक परिवारवाद की राजनीति होती थी, लेकिन इसबार बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले बिहार में दामादवाद की राजनीति का जन्म हो गया है. इसको लेकर पक्ष-विपक्ष में सियासी जंग छिड़ गयी है.

बिहार में 'दामाद' यानि बैकुंठ से पधारे नाथ के समान होते हैं. खासकर मिथिलांचल में दामाद (बेटी का पति) की खूब इज्जत होती है. ये तो घर-परिवार की बात हो गयी, लेकिन इसबार दामाद घर परिवार से निकल कर राजनीति में पहुंच गए हैं. इसका उदाहरण एनडीए सरकार में लिए गए फैसले में दिख रहा है. सरकार के इस फैसले का विपक्ष कड़ा विरोध भी कर रहा है. बिहार में आयोग का गठनः दरअसल, बिहार में बहुत जल्द ही विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा हो सकती है. इससे पहले नीतीश सरकार ने राज्य में कई आयोग का गठन किया है. इस आयोग में कई ऐसे लोगों को जगह दी गयी है, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है. तीन आयोग में 'दामाद': अनुसूचित जाति आयोग, राज्य महिला आयोग और पहले से गठित राज्य धार्मिक न्याय बोर्ड को लेकर सियासी बवाल मचा हुआ है. दरअसल, इसमें ऐसे लोगों को जगह दी गयी है जिनके परिवार के सदस्य पहले से सरकार में बड़े पदों पर रह चुके हैं.

बिहार में अबतक परिवारवाद की राजनीति होती थी, लेकिन इसबार बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले बिहार में दामादवाद की राजनीति का जन्म हो गया है. इसको लेकर पक्ष-विपक्ष में सियासी जंग छिड़ गयी है.

बिहार में 'दामाद' यानि बैकुंठ से पधारे नाथ के समान होते हैं. खासकर मिथिलांचल में दामाद (बेटी का पति) की खूब इज्जत होती है. ये तो घर-परिवार की बात हो गयी, लेकिन इसबार दामाद घर परिवार से निकल कर राजनीति में पहुंच गए हैं. इसका उदाहरण एनडीए सरकार में लिए गए फैसले में दिख रहा है. सरकार के इस फैसले का विपक्ष कड़ा विरोध भी कर रहा है. बिहार में आयोग का गठनः दरअसल, बिहार में बहुत जल्द ही विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा हो सकती है. इससे पहले नीतीश सरकार ने राज्य में कई आयोग का गठन किया है. इस आयोग में कई ऐसे लोगों को जगह दी गयी है, जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया है. विधानसभा सीट से विधायक हैं. सरकार के फैसले से विपक्ष हमलावरः आयोग में तीन नेताओं के दामाद को जगह देने पर विपक्ष हमलावर है. महागठबंधन सरकार में दो बार डिप्टी सीएम और वर्तमान में बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी ने ठऊअ को नेशनल दामाद आयोग करार दिया है. तेजस्वी यादव ने किया विरोधः तेजस्वी यादव कहते हैं कि सीएम नीतीश कुमार बिहार में दामाद आयोग का गठन किए हैं. अब बिहार में जीजा और मेहरारू आयोग का भी गठन कर देना चाहिए. उन्होंने सरकार के इस फैसले का कड़ा विरोध किया है. उन्होंने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि 'हमने पिछली बार दामाद आयोग की मांग की थी. अब जीजा और मेहरारू आयोग बनाने की भी मांग करते हैं.' अशोक चौधरी का पलटवारः तेजस्वी यादव के बयान पर मंत्री अशोक चौधरी कहते हैं कि सायन कुणाल डेढ़ साल पहले दामाद बने हैं. उससे पहले आचार्य किशोर कुणाल के बेटे हैं. उनके पिता ने लालू यादव की सरकार से मंदिर को बचाया था. उन्होंने तेजस्वी यादव और उनके परिवार पर भी सवाल उठाया. ₹राबड़ी देवी किस योग्यता से मुख्यमंत्री बनी थीं. नौवीं तक पढ़ाई करने वाले तेजस्वी यादव कैसे दो बार डिप्टी सीएम बन गए. भाई मंत्री, मामा सांसद, बहन सांसद, लालू यादव ने एक बेटी को लोकसभा चुनाव में टिकट दिया.₹ -अशोक चौधरी, मंत्री, बिहार सरकार मांझी हुए आग बबूला : तेजस्वी यादव के दामाद आयोग की बात पर केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने भी लालू परिवार पर तंज कसा. उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए पूरे परिवार पर निशाना साधा. कहा कि तेजस्वी जी आखिर कब तक आप और आपका परिवार मुसलमान भाइयों को अपना गुलाम समझेगा? मेहरारू आयोग की चर्चा क्यों?: तेजस्वी यादव मेहरारू आयोग की बात करते हैं. बिहार में मेहरारू पत्नी को कहा जाता है.

जी-7 में बनी बात : भारत और कनाडा ने नए उच्चायुक्तों को नियुक्त करने पर जताई सहमति

दोनों नेताओं ने नागरिकों और व्यवसायों को नियमित सेवाएं बहाल करने के उद्देश्य से नए उच्चायुक्तों को नामित करने पर सहमति व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने आपसी सम्मान, कानून के शासन और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित कनाडा-भारत संबंधों के महत्व की पुष्टि की। वहीं, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी की मुलाकात के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के प्रमुख इस महत्वपूर्ण रिश्ते में स्थिरता बहाल करने के लिए संतुलित कदम उठाने पर सहमत हुए। इनमें से पहला कदम जो तय हुआ वह था एक दूसरे की राजधानियों में जल्द से जल्द उच्चायुक्तों की बहाली। उन्होंने बताया कि अन्य कूटनीतिक कदम भी समय के साथ उठाए जाएंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी की बैठक पर कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापार, लोगों के बीच संपर्क और कनेक्टिविटी से संबंधित कई क्षेत्रों में वरिष्ठ और कार्यकारी स्तर के तंत्र और चर्चाओं को फिर से शुरू करने पर भी सहमति व्यक्त की। उन सभी का उद्देश्य संबंधों को और अधिक गति प्रदान करना था।

शिव शुक्ला

पीएम मोदी और मार्क कार्नी की मुलाकात के दौरान भारत और कनाडा ने नए उच्चायुक्तों को नियुक्त करने पर सहमति जताई है। दोनों देश फिर से सामान्य राजनयिक सेवाएं शुरू करने के लिए नए उच्चायुक्त नियुक्त करेंगे। इससे दोनों देशों के नागरिकों और व्यापारियों को फायदा होगा। कनाडा के प्रधानमंत्री के कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि कार्नी और मोदी ने आपसी सम्मान, कानून के शासन और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्धता के आधार पर कनाडा-भारत संबंधों के महत्व की पुष्टि की। दोनों नेताओं ने नागरिकों और व्यवसायों को नियमित सेवाएं बहाल करने के उद्देश्य से नए उच्चायुक्तों को नामित करने पर सहमति व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने आपसी सम्मान, कानून के शासन और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांत के प्रति प्रतिबद्धता पर आधारित कनाडा-भारत संबंधों के महत्व की पुष्टि की। वहीं, विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने भी प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी की मुलाकात के बारे में जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के प्रमुख इस महत्वपूर्ण रिश्ते में स्थिरता बहाल करने के लिए संतुलित कदम उठाने पर सहमत हुए। इनमें से पहला कदम जो तय हुआ वह था एक दूसरे की राजधानियों में जल्द से जल्द उच्चायुक्तों की बहाली। उन्होंने बताया कि अन्य कूटनीतिक कदम भी समय के साथ उठाए जाएंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी की बैठक पर कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापार, लोगों के बीच संपर्क और कनेक्टिविटी से संबंधित कई क्षेत्रों में वरिष्ठ और कार्यकारी स्तर के तंत्र और चर्चाओं को फिर से शुरू करने पर भी सहमति व्यक्त की। उन सभी का उद्देश्य संबंधों को और अधिक गति प्रदान करना था। दोनों नेताओं ने स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, अक् खाद्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों और आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित कई मुद्दों पर संभावित सहयोग पर भी चर्चा की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी की बैठक पर कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने व्यापार, लोगों के बीच संपर्क और कनेक्टिविटी से संबंधित कई क्षेत्रों में वरिष्ठ और कार्यकारी स्तर के तंत्र और चर्चाओं को फिर से शुरू करने पर भी सहमति व्यक्त की। उन सभी

का उद्देश्य संबंधों को और अधिक गति प्रदान करना था। दोनों नेताओं ने स्वच्छ ऊर्जा, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, अक् खाद्य सुरक्षा, महत्वपूर्ण खनिजों और आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित कई मुद्दों पर संभावित सहयोग पर भी चर्चा की। इससे पहले, अपने कनाडाई समकक्ष के साथ वार्ता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मार्क कार्नी को चुनाव में शानदार जीत के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत और कनाडा के संबंध कई मायनों में बहुत महत्वपूर्ण हैं। कनाडा की अनेक कंपनियों का भारत में निवेश है। भारत के लोगों का भी कनाडा की धरती पर बहुत बड़ा निवेश है। लोकतांत्रिक मूल्यों को समर्पित कनाडा और भारत को मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करना होगा, मानवता को मजबूत करना होगा। पीएम मोदी ने कहा कि उन्हें भरोसा है कि दोनों नेता मिलकर भारत-कनाडा संबंधों को और आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने कहा, 'भारत-कनाडा के बीच संबंध बहुत अहम हैं, और हमें कई क्षेत्रों में मिलकर ऐसे कदम उठाने चाहिए जिनसे दोनों देशों को लाभ हो। गौरतलब है कि मई 2025 में कार्नी के पदभार ग्रहण करने के बाद से दोनों नेताओं के बीच यह पहली मुलाकात थी। बैठक से पहले कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा कि जी7 सम्मेलन में पीएम मोदी की मेजबानी करना सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि भारत 2018 से जी-7 सम्मेलनों में भाग लेता आ रहा है, जो भारत की भूमिका और नेतृत्व को दर्शाता है। कार्नी ने कहा कि वे ऊर्जा सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, बदलाव, आतंकवाद और दूसरे मुद्दों पर भारत के साथ मिलकर काम करने को तैयार हैं। गौरतलब है कि बीते साल कनाडा में सिख चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद से दोनों देशों के संबंधों में खटास आ गई थी। उस समय के कनाडाई पीएम जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के लिए भारत पर आरोप लगाए थे। दोनों देशों में स्थिति तब और बिगड़ गई जब कनाडा ने भारतीय उच्चायुक्त और अन्य राजनयिकों को खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की कथित हत्या की जांच से जोड़ा। इसके बाद कनाडा ने उच्चायुक्त संजय वर्मा तथा अन्य राजनयिकों को "पर्सन ऑफ इंटरेस्ट" घोषित किया। इसके बाद भारत ने भी प्रतिक्रिया देते हुए बीते वर्ष अक्तूबर में छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया। और अपने उच्चायुक्त संजय वर्मा तथा अन्य लक्षित अधिकारियों को कनाडा से वापस बुला लिया था। भारत ने ओटावा के उन आरोपों को दृढ़तापूर्वक खारिज कर दिया था, जिनमें उच्चायुक्त को सिख चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की जांच से जोड़ा गया था। इससे दोनों देशों के बीच पहले से ही खराब चल रहे संबंधों में और गिरावट आई थी।

छोटे शहर से निकल खड़ा कर दिया हजारों करोड़ का साम्राज्य, कैसे खुला 0 का ताला?

अमित शुक्ला

नई दिल्ली : हरियाणा के करनाल के एक साधारण परिवार में पले-बढ़े आशीष कुकरेजा ने बचपन के सपने को सच कर दिखाया है। उन्होंने सिर्फ 10 लाख रुपये से शुरुआत करके हजारों करोड़ रुपये का जीएमवी (ग्रॉस मर्चेंडाइज वैल्यू) प्रॉपर्टी वेंचर खड़ा किया है। पिता की कैंसर से मौत के बाद आशीष ने खुद को बिखरने नहीं दिया। उन्होंने बीकॉम और एमबीए की डिग्री हासिल की। फिर वित्तीय सेवा क्षेत्र में सात साल तक काम किया। 2011 में उन्होंने होम्सफाई की शुरुआत की, जो रियल एस्टेट सेक्टर में वित्तीय सलाह देने वाली कंपनी है। होम्सफाई का मकसद प्रॉपर्टी खरीदने को उतना ही आसान बनाना है, जितना कि ऑनलाइन खाना ऑर्डर करना या कैब बुक करना। आज, होम्सफाई रियल एस्टेट बिल्डरों और खरीदारों दोनों को सेवाएं प्रदान करती है। कंपनी एनएसई इमर्ज पर लिस्टेड है। लोढ़ा, गोदरेज, प्रेस्टीज जैसे बड़े बिल्डरों के साथ काम करती है। आइए, यहां आशीष कुकरेजा की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। आशीष कुकरेजा की कहानी करनाल के एक साधारण परिवार से शुरू होती है। उनके पिता सरकारी नौकरी करते थे। जब वह पांचवीं कक्षा में थे, तब पिता को कैंसर हो गया। मां ने उनका इलाज कराने की पूरी कोशिश की। लेकिन, उन्हें बचा नहीं सकीं। यह मानसिक और

आर्थिक रूप से बहुत मुश्किल समय था। आशीष के परिवार की बचत पिता के इलाज में खर्च हो गई। लेकिन, आशीष की मां ने एक स्कूल चलाकर परिवार को संभाला। वह छठें से कक्षा 6 तक के बच्चों को पढ़ाती थीं। स्कूल से ज्यादा पैसे नहीं मिलते थे। यह एक तीन मंजिला इमारत में था। स्कूल ग्राउंड फ्लोर और टॉप फ्लोर पर था। बीच वाले फ्लोर में परिवार रहता था। आशीष अपने पिता की देशभक्ति से प्रेरित थे। वह सेना में भर्ती होना चाहते थे। लेकिन, किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। एक पड़ोसी ने उन्हें शेयर बाजार के बारे में बताया। इससे आशीष पर गहरा प्रभाव पड़ा। उनके पड़ोसी के पास रिलायंस के शेयर थे। पड़ोसी ने बताया कि उन्होंने कैसे निवेश किया और इससे उन्हें कैसे मदद मिली। तब वह लगभग 10 या 11 साल के थे। उन्हें समझ में आया कि कोई भी छोटे से शुरुआत करके बड़ा बन सकता है। इससे जीवन के प्रति उनका नजरिया बदल गया। आशीष ने करनाल के सेंट टेरेसा कॉन्वेंट स्कूल से कक्षा 12 की पढ़ाई पूरी की। फिर उन्होंने कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से बीकॉम ऑनर्स (1999-2002) किया। वह आगे की पढ़ाई के लिए हैदराबाद चले गए। उन्होंने क्डाअकसे 2002 से 2004 के बीच फाइनेंस में एमबीए किया। एमबीए के बाद उन्होंने मुंबई में नौकरी कर ली। परिवार से दूर रहने से वह अपने करियर के प्रति अधिक जिम्मेदार हो गए। आशीष ने 2004 में कोटक सिक्योरिटी में मैनेजर के रूप में काम किया। उन्होंने वहां स्टॉक ब्रोकिंग में अनुभव प्राप्त किया। 2006 तक आशीष ने वहां काम किया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली में यूनिकॉर्न इंवेस्टमेंट सॉल्यूशंस में वाइस प्रेसिडेंट के रूप में काम किया। 2010 तक वहां उन्होंने चार साल तक काम किया। वित्तीय सेवाओं में सात साल का अनुभव होने के बाद आशीष ने 2011 में होम्सफाई की शुरुआत की। कंपनी ने तब से विस्तार किया है। यह Mymagnet.io जैसी अतिरिक्त सेवाएं प्रदान करती है। प्रॉपर्टी एजेंटों को यह तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करती है। होम्सफाई ने सिर्फ चार लोगों के साथ शुरुआत की थी। आज, कंपनी में 500 कर्मचारी हैं। इसका मुख्यालय ठाणे में है। इसके ऑपरेशंस कई स्थानों पर हैं। आज यह कंपनी हजारों करोड़ की बन चुकी है। आशीष कुकरेजा की कहानी हमें सिखाती है कि अगर हम अपने सपनों को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करें तो हम कुछ भी हासिल कर सकते हैं।

पायलटों पर उठने लगती हैं उंगलियां कामकाज के हालात पर बात नहीं होती

मनोज हाथी

हर हवाई हादसा पायलटों की भूमिका पर तीखे सवाल खड़े कर देता है, लेकिन कभी इस पर चर्चा नहीं होती कि पायलटों का काम कितना जटिल और चुनौती भरा होता है। उन्हें इंसानी दक्षता और तकनीकी उलझनों की कैसी मुश्किल रस्साकशी के बीच सेकंड के भी एक छोटे से हिस्से में वे फैसले करने पड़ते हैं, जिन पर सैकड़ों जिंदगियां निर्भर करती हैं।

कॉकपिट तक का सफर : किसी एयरलाइन के कॉकपिट तक की यात्रा सच पूछिए तो सबसे कठिन और थका देने वाली प्रफेशनल यात्राओं में आती है। बड़े विमानों तक पहुंचने के लिए कमर्शल पायलटों को 1500 से 4000 घंटों की उड़ान का अनुभव लेना होता है। लेकिन उसके बाद भी सीखने की यह प्रक्रिया समाप्त नहीं होती। नियमों के मुताबिक, छह से 12 महीनों के अंतराल पर उन्हें विस्तृत प्रशिक्षण से अनिवार्य तौर पर गुजरना होता है। एक तो एविएशन टेक्नॉलजी लगातार उन्नत होती रहती है और दूसरे इंसानी दक्षता को भी निरंतर मांजते रहने की जरूरत होती है।

कल्पना से परे हालात : सिमुलेटर सेशंस यानी अभ्यास सत्रों के दौरान पायलटों को खराब मौसम से लेकर मल्टिपल सिस्टम फेल्यर और मेडिकल इमर्जेंसी तक - हर तरह की चुनौतियों से सामना कराया जाता है। मकसद होता है कि अत्यधिक तनाव

की स्थितियों में सही फैसले करने और प्राथमिकताएं तय करने की उनकी क्षमता को परखा जाए। फिर भी, वास्तविक जिंदगी में पायलटों को इन सिमुलेटर सेशंस से बहुत आगे की और कई बार अकल्पनीय स्थितियों से निपटना पड़ता है।

रोटेशन का मसला : 1993 में एक बार जब मैं एयर इंडिया बोइंग 747 पर कमांडर था, ऐसी ही एक घटना हुई। एक पूरी तरह भरे बोइंग 737-200 ने टेक-ऑफ रन शुरू किया और रनवे के आखिरी सिरे पर कॉटन लदी एक लॉरी से टकराकर हाई टेंशन इलेक्ट्रिक वायर की चपेट में आ गया। इस दुर्घटना में 55 लोग मारे गए, 63 किसी तरह बचाए गए। अंतिम जांच रिपोर्ट में रोटेशन शुरू करने में हुई देरी और फ्लाइट आवर्स के दौरान रनवे पर ट्रैफिक रोकने में ग्राउंड टीम की नाकामी को संभावित कारण बताया गया था।

दो सेकंड की देर : रिपोर्ट के मुताबिक, 'लॉरी पर ध्यान जाने के बाद पायलट हड़बड़ा गया, उसने दो सेकंड तक कुछ नहीं किया और उसके बाद तेजी से ओवर-रोटेशन शुरू कर दिया।' पायलट की दृष्टि से यह 'तेज ओवर-रोटेशन' का मामला नहीं था। दो सेकंड की देर बहुत ज्यादा होती है। हर पायलट यह जानता है कि सही समय पर रोटेट करना है। हम सब ऐसा करते ही हैं। लेकिन, एक छोटी सी चूक और 55 जिंदगियां खत्म।

कामयाबियां कम नहीं : ऐसे नायक भी कम नहीं, जिन्होंने इन चंद सेकंड्स का बेहतरीन इस्तेमाल किया। मिसाल के तौर पर सिचुआन एयरलाइंस के कैप्टन लिउ चुआन्चियान को लीजिए। 2018 में उनकी एयरबस ए 319 की खिड़की का शीशा 32000 फीट की ऊंचाई पर उखड़ गया था। उस विषम स्थिति में उन्होंने मैनुअली संचालित करते हुए 119 यात्रियों वाले उस विमान को सुरक्षित उतार लिया।

फ्लाइट में टूटी खिड़की : ऐसा ही एक और मामला कैप्टन टैमी जो शुल्ज का है। बोइंग 737 का एक इंजन फैन ब्लेड टूट गया और बाईं तरफ विमान के धड़े और एक खिड़की से टकराया। टूटी खिड़की से एक यात्री आंशिक रूप से बाहर खिंच गया, जिसे बाद में अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। इन सबके बीच असामान्य कुशलता का परिचय देते हुए लेडी कैप्टन शुल्ज ने विमान की सेफ लैंडिंग कराई।

कड़वी हकीकत : ऊपरी चमक-दमक के पीछे छिपी इस पेशे की कड़वी हकीकत यह है कि 78 फीसदी पायलट खुद को बुरी तरह थका हुआ बताते हैं, 22 फीसदी डिप्रेशन से जूझ रहे हैं और 12 फीसदी में एंग्जाइटी के लक्षण हैं। अनियमित ड्यूटी आवर्स के चलते शरीर की आंतरिक लय बिगड़ जाती है और साल-दर-साल उनकी थकान बढ़ती चली जाती है। कई पायलट रात को नींद न आने की समस्या से जूझते रहते हैं। उड़ान के दौरान हुई गड़बड़ या जैसे-तैसे टाले गए हादसों के संभावित नतीजों की कल्पना उनका पीछा करती रहती है, उन्हें रातों को सोने नहीं देती।

प्रो. रविकांत पर मुक़दमा चलाने की मंजूरी देने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी पर सवाल क्यों?

ब्यूरो

लखनऊ यूनिवर्सिटी द्वारा प्रो. रविकांत पर मुक़दमा चलाने की मंजूरी देने पर विवाद गहराया। क्या यह अकादमिक स्वतंत्रता पर हमला है या कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा? लखनऊ विश्वविद्यालय अपने हिंदी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रविकांत चंदन को लेकर विवादों में है। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनके ख़िलाफ़ मुक़दमा चलाने की मंजूरी दिए जाने पर सवाल उठ रहे हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर तोड़े जाने को लेकर पट्टाभि सीता रमैया की पुस्तक से कुछ उद्धरण पेश किए जाने को लेकर 2022 में उनके ख़िलाफ़ केस दर्ज किया गया था। अब प्रो. रविकांत ने दावा किया है कि उनको पता चला है कि विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच कमिटी ने उन्हें पहले ही 'क्लीनचिट' दी थी, फिर भी विश्वविद्यालय प्रशासन ने उनके ख़िलाफ़ मुक़दमा चलाने की अनुमति दी। प्रो. रविकांत ने विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद की मंजूरी के बिना की गई इस कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद अली अनवर अंसारी ने कहा है कि इस मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस इतने लंबे समय बाद चार्जशीट दायर कर प्रो.

रविकांत को जेल भेजने की तैयारी कर रही है और उनकी आवाज़ को दबाने की कोशिश कर रही है। यह मामला प्रो. रविकांत की काशी विश्वनाथ मंदिर को लेकर टिप्पणी से जुड़ा है। पूर्व सांसद अली अनवर अंसारी ने मंगलवार को लखनऊ में एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि प्रो. रविकांत आंबेडकरवादी और प्रखर दलित चिंतक हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश सरकार और उसकी पुलिस द्वारा उनकी आवाज़ को दबाने के लिए यह प्रयास किया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि प्रो. रविकांत 7 मई 2022 को एक डिबेट शो में शामिल थे। इस डिबेट में उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर तोड़े जाने को लेकर पट्टाभि सीता रमैया की पुस्तक से कुछ उद्धरण पेश किए थे। उन्होंने कहा कि इसी खुन्नस में 10 मई 2022 को कुछ लोगों ने झुंड बनाकर प्रो. रविकांत पर हमला करने का प्रयास किया और उनके साथ गाली-गलौज की। इसके ख़िलाफ़ प्रो. रविकांत ने स्थानीय थाना में एक तहरीर दी थी, जिसपर आज तक एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई है। बयान में कहा गया है कि जहाँ लखनऊ पुलिस को ऐसे अराजक तत्वों के खिलाफ कारवाई करने की ज़रूरत थी, उसके उलट उसी दिन प्रो. रविकांत के ख़िलाफ़ धारा 153 ए, 504, 505 और आईटी एक्ट 66 में मुक़दमा दर्ज कर दिया। अनवर ने एक बयान मे कहा, 'तीन वर्षों बाद अब जाकर उत्तर प्रदेश पुलिस प्रो. रविकांत के खिलाफ़ चार्जशीट दायर कर उन्हें जेल भेजने का प्रयास कर रही है। उत्तर प्रदेश सरकार के इस गैर जनतांत्रिक कदम में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने भी इसकी अनुमति दे दी है। प्रो. रविकांत ने इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि विश्वविद्यालय की आंतरिक जांच कमिटी ने उनकी टिप्पणियों की जाँच की थी और उन्हें पता चला है कि इस मामले में 'क्लीनचिट' दी गई है। हालाँकि, समिति की जाँच रिपोर्ट अब तक सामने नहीं हुई है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह कार्रवाई विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद यानी एग्जीक्यूटिव काउंसिल की मंजूरी के बिना की गई, जो विश्वविद्यालय के नियमों का उल्लंघन है। विश्वविद्यालय के नियमों के अनुसार, इस तरह के महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए कार्यकारी परिषद की मंजूरी ज़रूरी होती है। रविकान्त कहते हैं कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मुकदमा चलाने की मंजूरी देना उनके लिए आश्चर्यजनक और अन्यायपूर्ण है। प्रो. रविकांत ने कहा, 'मुझे जानकारी मिली है कि आंतरिक जांच कमिटी ने मुझे क्लीनचिट दी थी। अगर ऐसा है तो फिर कुलपति ने बिना कार्यकारी परिषद की मंजूरी के मुकदमा चलाने की अनुमति कैसे दी? यह न केवल नियमों का उल्लंघन है, बल्कि यह मेरे खिलाफ़ पक्षपातपूर्ण कार्रवाई भी दिखाता है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने इस मामले में आधिकारिक तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया है। हालांकि, खबरों के अनुसार, कुलपति ने शासन के एक पत्र के आधार पर प्रो. रविकांत के ख़िलाफ़ मुक़दमा चलाने की मंजूरी दी है। मीडिया रिपोर्टों में विश्वविद्यालय सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि यह कार्रवाई प्रो. रविकांत के विवादित बयानों के कारण उत्पन्न स्थिति को देखते हुए की गई, क्योंकि उनके बयानों ने कथित तौर पर सामाजिक और राजनीतिक विवाद को जन्म दिया। प्रो. रविकांत ने पहले ही अपने बचाव में कहा है कि उनके बयानों को ग़लत संदर्भ में पेश किया गया और उनकी मंशा किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने की नहीं थी। उन्होंने यह भी कहा कि एक दलित शिक्षक होने के नाते उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। प्रो. रविकांत ने इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ने की बात कही है। उनके वकील का कहना है कि वे इस कार्रवाई को अदालत में चुनौती देंगे और यह साबित करेंगे कि विश्वविद्यालय ने नियमों का उल्लंघन किया है।

संयुक्त सचिव संथाल परगना प्रमंडल के अंतर्गत तीन जिलों के आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का समीक्षा बैठक किया

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

विद्यानंद शर्मा पंकज संयुक्त सचिव स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग सह राज्य अभियान निदेशक आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन द्वारा आज देवघर सदर अस्पताल के सभागार में संथाल परगना प्रमंडल अंतर्गत तीन जिलों का आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का समीक्षा बैठक लिया गया।इस बैठक की अध्यक्षता राज्य अभियान निदेशक द्वारा की गई।सिविल सर्जन देवघर डॉ युगल किशोर चौधरी द्वारा बुके दे कर विद्यानंद शर्मा पंकज का अभिनंदन किया गया जबकि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के संयुक्त निदेशक राजन कुमार एवं मोनिका राणा को क्रमश उपाधीक्षक डॉ प्रभात रंजन एवं जिला नोडल पदाधिकारी डॉ शरद कुमार द्वारा बुके दे कर सम्मानित किया गया। बैठक में राज्य अभियान निदेशक द्वारा बताया गया कि इस योजना का लक्ष्य है कि पूरी तरह से स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटलाइजेशन किया जाएगा यह भारत सरकार की महत्वकांशी योजना है जिसको राज्य सरकार पूरी निष्ठा के साथ इस योजना को लागू करने जा रही है।उन्होंने सभी सिविल सर्जन को निदेशित किया कि डीपीसी सहिया और परियोजना समन्वयक के सहयोग से प्रतिमाह कम से कम 15000 लोगो का आभा कार्ड बनाने का लक्ष्य निर्धारित करे और जो इस

लक्ष्य की प्राप्ति नहीं करेंगे उनका वेतन रोका जाएगा।सभी नागरिकों का आभा कार्ड बनाना अनिवार्य है ,जबकि सभी सरकारी,गैर सरकारी चिकित्सको,नर्सेज और पाराकर्मी का हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री एवं सभी सरकारी गैर सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्री पोर्टल पर होना जरूरी है।साथ ही उन्होंने कहा कि जिन भी चिकित्सकों और नर्सेज का रजिस्ट्रेशन नवीकरण होना अनिवार्य है।देवघर जिले में इस योजना अंतर्गत हो रहे कार्यों पर राज्य अभियान निदेशक द्वारा संतोष व्यक्त किया गया,सिर्फ आभा कार्ड बनाने में गति धीमी है उसके लिए उनके द्वारा आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।उनके द्वारा यह भी कहा गया कि इस योजना को पूर्णतः लागू करने के लिए जो भी मानव बल या उपकरण चाहिए सिविल सर्जन के पास जो भी राशि उपलब्ध है उससे उसे पूरा करें। विद्यानंद शर्मा पंकज द्वारा यह भी बताया गया कि अगले दो से तीन महीनों में मुख्यमंत्री डिजिटल योजना का शुभारंभ हो रहा है जिसमें स्वास्थ्य से जुड़े हुए सभी लोगो का उपस्थिति पोर्टल भी लॉन्च होगा और जिला में सिविल सर्जन जबकि राज्य मुख्यालय से भी सभी लोगो की उपस्थिति मॉनिटर की जाएगी।इस बैठक में मुख्य रूप से दुमका के सिविल सर्जन डॉ बी पी सिंह,दुमका मेडिकल कॉलेज,अस्पताल के अधीक्षक डॉ ए के चौधरी,जामताड़ा सिविल सर्जन डॉ आनंद मोहन सोरेन,उपाधीक्षक डॉ आलोक विश्वकर्मा,राज्य के टेक्निकल सेल से प्रभात गिरी,जिला कार्यक्रम प्रबंधक समरेश सिंह,जिला कार्यक्रम समन्वयक सहिया प्रवीण सिंह,परियोजना समन्वयक सुधांशु रंजन,प्रभारी अस्पताल प्रबंधक अनिमेष घोष,लिपिक चितरंजन विश्वकर्मा, विजय प्रसाद,भंडारपाल मुजफ्फर सहित कई स्वास्थ्यकर्मी मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने पंचायती राज विभाग से संबंधित समीक्षा की बैठक

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ जिला पंचायत राज पदाधिकारी प्रीतिलता मुर्मू की अध्यक्षता में पंचायती राज विभाग से संबंधित निम्न बिंदुओं पर समीक्षा की बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी ने 15 वें वित्त आयोग, पंचायत सचिवालय के प्रतिदिन खुलने और रोस्टर के अनुरूप कर्मियों के उपस्थिति की स्थिति, पंचायत से निर्गत जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के अभिलेख संधारण की स्थिति, पंचायत ज्ञान केंद्र के संचालन की स्थिति,पंचायत द्वारा संधारित सभी पंजियों के अद्यतन की स्थिति, पी० ए० आई० अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतों में इंडेक्स के प्रदर्शन की स्थिति,धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान, नशा मुक्ति अभियान, आदर्श पंचायत सचिवालय, ग्राम पंचायत समन्वय समिति की बैठक की स्थिति, ग्राम पंचायत के कार्यकारिणी के बैठक की स्थिति, स्थायी समिति के बैठक की स्थिति, ग्राम पंचायतों में माइग्रेशन एवं शादी से संबंधित रिकॉर्ड संधारण की स्थिति की समीक्षा कर संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। उक्त बैठक में प्रभारी परियोजना प्रबंधक,ई० पंचायत, सभी प्रखंडों के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, सभी प्रखंड समन्वयक, पंचायत राज स्वशासन परिषद,सभी कनीय अभियंता एवं सभी लेखालिपिक-सह-कंप्यूटर ऑपरेटर एवं अन्य उपस्थित थें।

बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स को मिला प्रशिक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देश पर देवीपुर प्रखंड सभागार में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी राजेश बारला अध्यक्षता में देवीपुर प्रखंड क्षेत्र में पड़ने वाला मधुपुर और देवघर विधानसभा क्षेत्र में कार्यरत सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स को मतदान केंद्रों का नजरी नक्शा तैयार करने को लेकर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि विधानसभा क्षेत्र में जितने भी बूथ है सभी का मैप तैयार करना है। मैप में सभी बिंदुओं सड़क, घर, सरकारी भवन को दशार्ना है। ताकि मैप के माध्यम से कोई भी व्यक्ति आसानी से मतदान केंद्र तक पहुंच सके। वहीं मतदाताओं को मतदान केंद्र तक जाने के लिए विभिन्न सड़कों को मार्क करना है। नजरी नक्शा तैयार कर टाइम लाइन के साथ प्रखंड कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया गया। ये कार्य के लिए सुपरवाइजर की बहुत बड़ी जिम्मेवारी है। एक-एक सुपरवाइजर के अंदर करीब दस दस बीएलओ है। कहा कि नजरी नक्शा बनाने के समय अक्षांतर और देशांतर का विशेष ख्याल रखें। इसको लेकर ऑपरेटर सौरभ कुमार ने प्रोजेक्टर के माध्यम से सबों को हर एक बिंदु पर जानकारी दिया। दो पाली में सभी बीएलओ को प्रशिक्षण दिया गया। सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह बीडीओ राजेश बारला ने बीएलओ को निर्देश दिया कि मतदान का कार्य काफी महत्वपूर्ण होता है। इसलिए आदेश का पालन करें. नजरी नक्शा जमा करने का अंतिम तिथि 28 जून तक है। लेकिन इससे पहले नक्शा तैयार कर कार्यालय में 26 जून को ही जमा कर दें ताकि उसका जांच कर जिला भेजा जा सके। मौके पर एसडीओ कार्यलय कर्मी राजेश झा, अभिनाश गिरी, अंचल अमीन संतोष कुमार, सभी सुपरवाइजर और बीएलओ मौजूद थे।

संताल परगना चैंबर चुनाव 2025-27: नामांकन के तीसरे दिन तीन और नामांकन दाखिल

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

संताल परगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, देवघर के आगामी सत्र 2025-27 के लिए चल रही चुनावी प्रक्रिया में आज नामांकन के तीसरे दिन कार्यकारिणी सदस्य के लिए कुल तीन नए नामांकन प्राप्त हुए हैं । अध्यक्ष, महासचिव सहित 13 कार्यकारिणी सदस्यों के पदों के लिए यह नामांकन प्रक्रिया 19 जून तक जारी रहेगी। चुनाव पदाधिकारी विभूति ठाकुर ने जानकारी दी कि आज दिनांक 18 जून 2025 को उमेश राजपाल, लक्ष्मण भाई पटेल एवं आलोक ने नामांकन किया। उमेश राजपाल के नाम को आनंद ड्रोलिया ने प्रस्तावित और अरुण साह द्वारा समर्थित किया गया। लक्ष्मण भाई पटेल के नामांकन को अनिल गुप्ता द्वारा प्रस्तावित एवं आनंद कुमार साह द्वारा समर्थित किया गया। वहीं आलोक के नामांकन को संजय कुमार सिंह द्वारा प्रस्तावित एवं नवीन जायसवाल द्वारा अनुमोदित किया गया। चुनाव कार्यालय, जो शिक्षा सभा चौक में स्थित है, प्रतिदिन शाम 5 बजे से 7 बजे तक नामांकन प्रक्रिया के लिए खुला है। नामांकन की अंतिम तिथि 19 जून 2025 है, जिसके बाद किसी प्रकार का नामांकन स्वीकार नहीं किया जाएगा। चुनाव पदाधिकारी ने सभी सदस्यों से अपील की है कि वे एक उत्तरदायी, अनुभवशील और नवोन्मेषी कार्यकारिणी के गठन के लिए आगे आएं और इस लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सफल बनाएं।

बिजली ट्रांसफार्मर के चपेट में आने से एक किसान का बैल की मौत

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सिमराडीह गांव में बिजली ट्रांसफार्मर के चपेट में आने से एक किसान का बैल की मौत हो गई. जानकारी हो कि सिमराडीह निवासी कार्तिक सिंह का बेस कीमती बैल बिजली ट्रांसफार्मर के पास विद्युत प्रभावित होने के कारण उसके चपेट में आ गया और मौके पर ही मौत हो गई. जिससे पीड़ित किसान को हजारों रुपये के कीमत का बैल था जो मर गया. पीड़ित किसान ने बताया कि मानसून आने से अब खेती शुरू ही होता कि उसका बैल मर जाने से उसे गहरा क्षति हुआ है. लोगों ने बताया कि बिजली ट्रांसफार्मर के पास तार काफी जर्जर हो गया है. जिससे आगे भी मवेशी उसके चपेट में आ सकता है.

30 दिवसीय ड्राइविंग प्रशिक्षण का हुआ समापन, दीदियों के बीच प्रमाणपत्र का किया वितरण

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ बुधवार को भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में पलाश जेएसएलपीएस के सखी मंडल के दीदियों का 30 दिवसीय लाइट मोटर व्हीकल ड्राइविंग प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को समापन हुआ।इस समापन समारोह में डीसी मनीष कुमार, निदेशक आरसेटी पाकुड़ राजेश कुमार मिश्रा, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, जेएसएलपीएस प्रवीण मिश्रा और वरिष्ठ संकाय सह कार्यक्रम समन्वयक अमित कुमार बर्धन* ने संयुक्त रूप से सफल प्रतिभागियों के बीच प्रमाणपत्र का वितरण किया। डसी मनीष कुमार ने अपने संबोधन में दीदियों को प्रशिक्षण के महत्व के बारे में जानकारी दी। उन्होंने आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित किया। छोटी गाड़ी और पिंक टोटो चलाकर महिलाएं अच्छी आय कर सकती है। साथ ही सभी को स्वरोजगार स्थापित कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने की सलाह दी, ताकि प्रशिक्षण का उद्देश्य पूरा हो सके। मंच का संचालन करते हुए वरिष्ठ संकाय अमित कुमार बर्धन ने दीदियों को शुभकामनाएं देते आर्थिक समृद्धि होने की बात कही। किसी भी कार्य को सुनियोजित तरीके से करने के लिए आवश्यक जानकारी होना चाहिए, जो प्रशिक्षण से ही संभव है। पाकुड़ जिला की युवाओं और सखी मंडल की महिलाएं स्वरोजगार कर अच्छी आय प्राप्त कर रहे हैं। प्रशिक्षुओं की ओर से मकलू सोरेन, जोबना पानो मरांडी और आरनेश सोरेन ने अपना अनुभव साझा किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मूल्यांकन नेशनल एकेडमी ऑफ रूडसेटी द्वारा प्रतिनियुक्त अधिकारी अरूणनाथ तिवारी और शिवशंकर तिवारी द्वारा किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रशिक्षक विरेंद्र कुमार पाण्डे हैं।

कृषि योजनाओं की प्रगति को लेकर आत्मा के तहत समीक्षात्मक बैठक आयोजित

साहिबगंज:

आत्मा सभागार में जिला कृषि पदाधिकारी-सह-परियोजना निदेशक, आत्मा, साहेबगंज प्रमोद एक्का की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिले के सभी प्रखंड कृषि पदाधिकारी, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक (BTM) एवं सहायक तकनीकी प्रबंधक (ATM) उपस्थित रहे। बैठक में श्री एक्का द्वारा कृषि विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं यथा बीज विनिमय एवं वितरण योजना, बिरसा फसल विस्तार योजना, ब्लॉकचेन में किसानों का निबंधन, किसान क्रेडिट कार्ड (KCC), मिट्टी नमूना संग्रहण, झारखंड कृषि ऋण माफी योजना आदि की प्रगति की गहन समीक्षा की गई।सभी BTM एवं ATM को निदेशित किया गया कि दिनांक 15.06.2025 से 30.06.2025 तक आयोजित धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियानह्व के अंतर्गत अपने-अपने प्रखंडों के PVTG एवं ST समुदाय के किसानों को चिन्हित कर विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। इस अभियान में KCC, पीएम-किसान, फसल बीमा से संबंधित कार्यों को गति देते हुए प्रतिदिन डाटा अद्यतन करने तथा छूटे हुए किसानों का ब्लॉकचेन में निबंधन करवाने का भी स्पष्ट निदेश दिया गया।साथ ही सभी प्रखंडों को विभिन्न बीज वितरण की पूर्व तैयारी करने तथा बिरसा फसल विस्तार योजना अंतर्गत संकुल चयन में ST/PVTG किसानों को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया।बैठक में आत्मा योजना के अंतर्गत संचालित राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, किसान समृद्धि योजना समेत अन्य योजनाओं की जानकारी साझा की गई। साथ ही लाभुकों का शीघ्र चयन करने एवं रटअए योजना के अंतर्गत ब्लॉक एक्शन प्लान दो दिनों के भीतर बनाकर समर्पित करने के निर्देश दिये गये।जिला कृषि पदाधिकारी ने सभी कर्मियों को यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसानों को आत्मा एवं कृषि विभाग से संचालित सभी योजनाओं का लाभ मिले, ताकि वे कृषि क्षेत्र से जुड़कर आत्मनिर्भर बन सकें।वहीं आगामी हूल दिवस के मद्देनजर किसान समृद्धि योजना के अंतर्गत सोलर पंप सेट एवं बीज वितरण हेतु प्रखंड पतना एवं बरहेट के लाभुकों का चयन करने का निर्देश भी दिया गया।बैठक में मुख्य रूप से जिला कृषि अभियंता राम प्रकाश कुमार, जिला योजना एवं मूल्यांकन पदाधिकारी अरुण कुमार भोक्ता, उप परियोजना निदेशक आत्मा मंटू कुमार सहित संबंधित प्रखंडों के प्रखंड कृषि पदाधिकारी, BTM एवं ATM उपस्थित थे।

जेएसएलपीएस ने जिलेभर में मनाया सखी दिवस, डीसी हुए सामिल

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़:पाकुड़ सखी दिवस के अवसर पर बुधवार को पाकुड़िया प्रखंड के सीएमटीसी केन्द्र में आयोजित सखी दिवस कार्यक्रम में उपायुक्त मनीष कुमार उपस्थित होकर सभी जेएसएलपीएस के सखी मंडल के दीदियों को बधाई दिया। उपायुक्त ने सीएमटीसी केन्द्र से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडकर सभी दीदियों को संबोधित किया। उपायुक्त ने उपस्थित सभी सखी दीदियों को सखी दिवस की बधाई दिया और सभी दीदी अच्छे तरीके से कार्य करने को कहा। उपायुक्त ने बताया कि प्रत्येक माह 20 तारीख को जिला के सभी विद्यालय में तिथि भोज सह जन्मोत्सव का आयोजन किया जाता है। इस बार तिथि भोज का नोडल जेएसएलपीएस है। सखी समूह मिलकर एक एक स्कूल को गोद लेंगे। सभी दीदी अगल बगल के स्कूलों में जाकर बच्चों को अच्छा खाना खिलाएंगे। साथ ही जिस बच्चे का जन्मदिन जून में उस बच्चे के साथ केक कटिंग करायेंगे। इस तिथि भोज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दीदियों को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। साथ ही 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पूरे जिले में मनाया जाएगा। योग दिवस के दिन सभी जगह से योग करते हुए फोटो ग्रुप में आना चाहिए। 24 जून को सभी प्रखंडों में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। आप सभी दीदी भी रक्तदान जरूर करें। वही 28 जून को अबुआ आवास योजना का गृह प्रवेश कराया जाता है। उस दिन आप सभी का सकारात्मक भूमिका रहे। उपायुक्त ने बताया कि 16 जून से पूरे जिले में डोर टू डोर अभियान चलाकर एक्टिव केस सर्च अभियान चलाया जा रहे हैं। इस सर्च अभियान में एक ही बार में सभी तरह के एक्टिव केस सर्च किया जा रहा है। आप सभी इसकी मॉनिटरिंग करें। एक भी घर छूटने नहीं चाहिए। इसके अलावा उपायुक्त ने बताया कि एक पेड़ मां के नाम अभियान एवं प्रोजेक्ट प्रकृति के तहत पाकुड़ जिले में पौधारोपण का कार्य लगातार जारी है। उपायुक्त ने सभी दीदियों से पर्यावरण संरक्षण के लिए कम से कम दो पौधा लगाने हेतु अपील किया। उपायुक्त ने सभी दीदियों से कहा कि अपने बच्चों को रोजाना स्कूल जरूर भेजें। साथ ही दीदियों को घर मे बकरी पालन, मशरूम उत्पाद, स्टोबेरी, सहित अन्य सब्जी का खेती करने को लेकर प्रोत्साहित किया। मौके पर बीडीओ सोमनाथ बनर्जी, जेएसएलपीएस डीपीएम प्रवीण मिश्रा सहित अन्य उपस्थित थे।

विद्यालय में किया मलेरिया एवं डेंगू को लेकर जागरूकता कार्यक्रम

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवीपुर प्रखंड के स्वास्थ्य उपकेंद्र जसियाडीह एवं धबोबा अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, देवीपुर एवं उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, नावाडीह में स्कूली बच्चों के बीच विद्यालय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर मलेरिया एवं डेंगू के साथ साथ अन्य वेक्टर जनित रोगों से संबंधित जागरूकता अभियान कार्यक्रम किया गया जिसमें उपस्थित स्कूली बच्चों को मलेरिया एवम डेंगू आदि बीमारियों से बचाव, लक्षण एवं उपचार के बारे में संपूर्ण जानकारी दिया गया एवम साफ सफाई पर विशेष ध्यान देने के साथ सप्ताह में एक दिन सुखा दिवस मनाने, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग, आस पास जल जमाव नहीं होने देना आवश्यक बताया गया, उक्त कार्यक्रम में दिवाकर प्रसाद यादव, एमपीडब्ल्यू एवं सोमनाथ रमानी, एमपीडब्ल्यू उपस्थित थे।

केरेडारी लबनीया मोड़ पर हाइवा और सवारी गाड़ी में भीषण टक्कर, दर्जनों घायल

केरेडारी संवाददाता रबिन्द्र कुमार पाण्डेय

केरेडारी प्रखंड के लबनीया मोड़ पर बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में ओपेल कोल ट्रांसपोर्टिंग कंपनी की हाइवा और एक सवारी गाड़ी की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सवारी गाड़ी में सवार दर्जनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को त्वरित रूप से केरेडारी स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहाँ डॉक्टरों की टीम ने प्राथमिक उपचार किया। सभी यात्री बड़कागांव क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हादसे की सूचना मिलते ही भाजपा के स्थानीय नेता अस्पताल पहुँचे और घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने चिकित्सकों

को निर्देश दिया कि घायलों को हरसंभव बेहतर इलाज उपलब्ध कराया जाए। साथ ही प्रशासन से अपील की कि पीड़ितों को समुचित मुआवजा और सहायता दी जाए। घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। नाराज लोगों ने लबनीया मोड़ के पास सड़क जाम कर दी और कोयला ढुलाई में लगे ट्रांसपोर्टिंग वाहनों की आवाजाही को रोक दिया। ग्रामीणों ने ट्रांसपोर्ट कंपनी और प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए उचित मुआवजे और सुरक्षा उपायों की माँग की। ग्रामीणों का कहना है कि कोयला ट्रांसपोर्टिंग वाहनों की तेज रफ्तार और सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण इस प्रकार की घटनाएँ लगातार हो रही हैं। उन्होंने प्रशासन से माँग की कि इस पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे दोबारा न हों।

उपायुक्त के निर्देशानुसार विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठान का किया गया निरीक्षण

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी नमन प्रियेश लकड़ा के निर्देशानुसार आज दिनांक 18.06.2028 को विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठान का निरीक्षण किया गया। इस दौरान टावर चौक के पास मेसर्स मधुबन स्वीट्स में अनहाईजिक तरीके से खाद्य पदार्थ का निर्माण, बासी बचा हुआ खाद्य पदार्थ, तथा पानी टंकी में गंदगी के कारण रुपया 15000/ (रुपया पंद्रह हजार) का अर्थदंड लगाया गया। साथ ही होटल माधुरी के कीचन में बहुत ही गंदगी उपभोग की जा रही पानी की टंकी में गंदगी, कीचन में दुर्गंध के कारण 10,000/- (दस हजार रुपये) का अर्थदंड, होटल सिंधु में किचन (खाद्य पदार्थ निर्माण स्थल में) पानी जमा रहने के कारण, पानी की टंकी में गंदगी के कारण रुपया 10,000/- (रुपये दस हजार) का अर्थदंड, होटल नील कमल में पानी की टंकी आदि में गंदगी के कारण रुपया 5000/- (रुपये पाँच हजार) का अर्थदंड, मेसर्स अम्बर होटल, एस०बी०राय रोड पर पानी की टंकी में गंदगी पायी गयी तथा टकी में काई भी थी के कारण रुपया 5000/- (रुपया पाँच हजार) का अर्थदंड लगाया गया। साथ ही इन प्रतिष्ठानों को दस दिनों के अंदर सुधार करने हेतु आदेशित किया गया। खाद्य प्रतिष्ठान का निरीक्षण टीम में प्रभारी अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, देवघर, खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

भाजपा कार्यकर्ता जुनियर बाबू ने पार्टी से दिया त्यागपत्र

देवघर।

भारतीय जनता पार्टी के जिला इकाई से जुड़े सक्रिय कार्यकर्ता जुनियर बाबू बाल मरांडी ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से त्यागपत्र दे दिया है। उन्होंने त्यागपत्र पार्टी जिला अध्यक्ष को सौंपा, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए पार्टी से खुद को अलग करने की जानकारी दी है। पत्र में जुनियर बाबूलाल ने लिखा है कि वह स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ रहे हैं और इसकी सूचना औपचारिक रूप से जिला अध्यक्ष को दे रहे हैं। उन्होंने निवेदन किया है कि उनके द्वारा दिया गया त्यागपत्र स्वीकार किया जाए। बताते चलें कि जुनियर बाबू बाल मरांडी लंबे समय से भाजपा से जुड़े थे और क्षेत्रीय गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनके इस फैसले के बाद स्थानीय राजनीतिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है।

संक्षिप्त समाचार

गोल्डन मैन प्रेम सिंह ने बाबा के दरबार में लगाई हाजिरी

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

देवघर। गोल्डन मैन प्रेम सिंह बुधवार को बाबा बैद्यनाथ के दरबार पहुंचे और उनकी पूजा-अर्चना की। इस दौरान गोल्डन मैन को देखने के लिए मंदिर परिसर में लोगों का तांता लग रहा। प्रेम सिंह करीब 5 किलो सोने पहने हुए थे, जिसकी कीमत 5 करोड़ के आसपास बताई जा रही है। इस दौरान कई लोग उनकी तस्वीर और वीडियो मोबाइल से ले रहे थे। कइयों ने उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। प्रेम सिंह ने बाबा बैद्यनाथ की पूजा अर्चना कर बिहार समेत पूरे देशवासियों के लिए खुशहाली की कामना की।

सिद्धार्थ प्रकाश (बास्केट बॉल खिलाड़ी) हुआ सम्मानित

दिव्य दिनकर संवाददाता

रांची - सैनिक स्कूल नालंदा का पूर्व छात्र सिद्धार्थ प्रकाश बास्केट बॉल खिलाड़ी के रांची आगमन पर छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच ने भव्य स्वागत किया। आज युवा खिलाड़ी सिद्धार्थ प्रकाश मंच एवं क्लब से जुड़े खेलप्रेमियों को बास्केट बॉल खेल के विभिन्न पहलुओं एवं बारीकियों की विस्तृत जानकारी देंगें। अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त हुए सिद्धार्थ प्रकाश ने कहा खेल से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है साथ ही अच्छे प्रदर्शन कारी हुनेरवाज खिलाड़ियों को रोजगार भी मिलता है।अपनी इच्छानुसार खेल का चयन कर अभ्यास करते रहना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संतोष कुमार श्रेयांश ने कहा बास्केटबॉल खेल मे बेहतर प्रदर्शन के लिए बोकारो,जमशेदपुर एवं अंबिकापुर मे सिद्धार्थ प्रकाश को कई मेडल भी प्राप्त हो चुके हैं। इसके पूर्व बास्केट बॉल खिलाड़ी सिद्धार्थ प्रकाश रांची के लोकप्रिय सांसद सह केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ जी से उनके आवास मे मिलकर आशीर्वाद प्राप्त किया जहां मंत्री श्री संजय सेठ जी ने खिलाड़ी सिद्धार्थ प्रकाश को सम्मानित कर हौसला बढ़ाया।इस अवसर पर क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,संरक्षक रवि मेहता,राहुल कुमार चौधरी, शुभम कुमार चौधरी एवं मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश,संरक्षक ओम प्रकाश शर्मा,पिंटू शर्मा, दीपक कुमार राणा,रमेश मिस्त्री,रेखा देवी आदि मौजुद थे।

धरती आबा जन भागीदारी अभियान का हुआ आयोजन, विभिन्न कलस्टरों में लगा शिविर

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ जनजातिय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत बुधवार पाकुड़ सदर प्रखंड अंतर्गत के सोनाजोड़ी कलस्टर, हिरणपुर प्रखंड के धोवाडांगा, लिट्टीपाड़ा प्रखंड के सोनाधनी एवं बांडु कलस्टर, अमड़ापाड़ा प्रखंड के सिंगारसी कलस्टर, महेशपुर प्रखंड चांडालमारा एवं भेटाटोला कलस्टर एवं पाकुड़िया प्रखंड के राजपोखर, फुलझिंझरी कलस्टर में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आदिम जनजाति परिवार के सदस्यों ने बड़ी संख्या में भाग लिया. धरती आबा जन भागीदारी अभियान के तहत प्रखंडों में शिविर के माध्यम लोगों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को लेकर जागरूक किया गया। विशेष रूप में शिविर में पहुंचे आदिम जनजाति परिवार के सदस्यों को सरकार द्वारा उन्हें मिलने वाली योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। साथ ही योजनाओं का लाभ दिया गया।

बाल महोत्सव बच्चों के विकास में सहायक - डीसी

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ डीसी मनीष कुमार की अध्यक्षता में पाकुड़िया प्रखंड स्थित लागडुम पंचायत में बाल महोत्सव का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य बच्चों के विकास में सहायता करना और उनकी प्रतिभा को प्रदर्शित करना है। उपायुक्त मनीष कुमार ने कहा कि जिलास्तर पर बाल संरक्षण ईकाई के माध्यम से बाल विकास की विभिन्न प्रकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इन योजनाओं और कार्यक्रमों को और आगे बढ़ाने से हम बच्चों के विकास के लिए और अधिक कार्य कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चे देश के भविष्य हैं, बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए समाज के समृद्ध और प्रबुद्ध वर्ग को साथ लेकर बाल कल्याण की गतिविधियों को आगे बढ़ाना होगा। साथ ही उपायुक्त ने जिला बाल कल्याण से जुड़े पदाधिकारियों, स्वयं सेवी संगठनों और समाज सेवी संस्थाओं से अपील की है कि वे बाल विकास कार्यक्रमों और योजनाओं को और प्रभावी ढंग से लागू करने में हर सम्भव सहयोग करें।

पू. सी. रेलवे (निर्माण) के महाप्रबंधक ने अररिया - गलगलिया नई ब्रॉड गेज लाइन परियोजना का स्पीड ट्रायल के साथ निरीक्षण किया

मालीगांव, :

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफ आर)/निर्माण के महाप्रबंधक श्री अरुण कुमार चौधरी ने 16 जून 2025 को अररिया-गलगलिया नई ब्रॉड गेज (बीजी) लाइन रेल परियोजना का व्यापक निरीक्षण किया। बिहार स्थित पू. सी. रेलवे के कटिहार मंडल में अररिया और ठाकुरगंज के बीच नई बिछाई गई लाइन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान, अररिया के माननीय सांसद श्री प्रदीप कुमार सिंह और पू. सी. रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। निरीक्षण के दौरान, 120 कि.मी. प्रति घंटे की गति से सफलतापूर्वक हाई-स्पीड ट्रायल रन किया गया, जो नई बिछाई गई पटरी की अवस्था और गुणवत्ता को दशार्ता है। अररिया कोर्ट से ठाकुरगंज तक 110.75 किलोमीटर तक फैली अररिया-गलगलिया बीजी लाइन परियोजना, बिहार और आसपास के क्षेत्रों में रेल कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे 2025 तक पूरा करने की योजना है। विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक ने संपूर्ण परियोजना के बुनियादी संरचना के कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। अररिया-अररिया कोर्ट-रहमतपुर

(8.24 कि.मी.) और पौआखाली- ठाकुरगंज (23.24 कि.मी.) के सेक्शन क्रमशः अप्रैल और नवंबर 2024 में चालू हो चुके हैं। रहमतपुर-पौआखाली (79.27 कि.मी.) के बीच शेष सेक्शन अब चालू होने की प्रतीक्षा में है, जो संपूर्ण परियोजना को पूरा करेगा। इस परियोजना में 64 बड़े पुल, 264 छोटे पुल और 15 रेलवे स्टेशनों का निर्माण शामिल है, जो किए गए इंजीनयरी कार्यों के पैमाने और जटिलता को दशार्ता है। इन संरचनाओं ने इस कॉरिडोर की रीढ़ का निर्माण किया हैं, जो पूरे मार्ग पर निर्बाध कनेक्टिविटी और परिचालन संरक्षा सुनिश्चित करती हैं। इस रेलवे लाइन से बिहार के दूरदराज और वंचित क्षेत्रों को राष्ट्रीय रेलवे ग्रिड से जोड़ने वाली एक महत्वपूर्ण परिवहन कड़ी के रूप में सेवा मिलने की उम्मीद है। इसका उद्देश्य यात्री और माल परिवहन की सुगम आवाजाही, पर्यटन को बढ़ावा तथा व्यापार गतिविधियों को सहयोग प्रदान कर क्षेत्रीय विकास को गति प्रदान करना है। इसके अलावा, नेपाल के साथ सीमा पार कनेक्टिविटी बढ़ाने में इसका रणनीतिक महत्व है। पू. सी. रेलवे इस परिवर्तनकारी परियोजना को समय पर पूरा करने को प्रतिबद्ध होने के साथ-साथ गुणवत्ता और संरक्षा के उच्चतम मानकों को सुनिश्चित करता है।

मिट्टी की रक्षा, जल की रक्षा और बीज की स्वतंत्रता ही भविष्य की कुंजी है डॉ. निशिकांत दुबे

मिट्टी पूजन समारोह धरती को नमन, प्राकृतिक खेती का उत्सव

देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा

चेतना विकास एवं नाबार्ड के संयुक्त तत्वावधान में ‘मिट्टी पूजन समारोह झ धरती को नमन, प्राकृतिक खेती का उत्सव’का भव्य आयोजन किया गया. यह समारोह खक्श्अ परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक खेती से जोड़ना, मिट्टी की उर्वरता को संरक्षित करना, और कृषि को टिकाऊ एवं जीवनदायी बनाना है.

कार्यक्रम में दो प्रमुख अतिथि सम्मिलित हुए:

डॉ. निशिकांत दुबे, माननीय सांसद, गोड्डा लोकसभा क्षेत्र गौतम कुमार सिंह , मुख्य महाप्रबंधक, नाबार्ड, झारखंड

समारोह की शुरूआत पारंपरिक मिट्टी पूजन और दीप प्रज्वलन से हुई. इसके पश्चात प्राकृतिक इनपुट्स जैसे जीवामृत और बीजामृत का प्रदर्शन किया गया. चेतना विकास के सचिव कुमार रंजन ने सभी विशिष्ट अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि उनके आगमन से प्राकृतिक खेती के उत्सव में किसानों का हौसला वर्धन हुआ है.

स्थानीय किसानों ने प्राकृतिक खेती में अपने अनुभव साझा किए.

मुख्य अतिथि गौतम कुमार सिंह ने अपने संबोधन में कहा: ‘प्राकृतिक

खेती केवल एक तकनीक नहीं, बल्कि धरती के साथ हमारे रिश्ते की पुनर्स्थापना है. उन्होंने कहा कि नाबार्ड द्वारा संचालित परियोजनाओं में स्थानीय नवाचारों और मूल्यवर्धन तकनीकों को सम्मिलित कर सरैयाहाट क्षेत्र को कृषि-आधारित मॉडल के रूप में विकसित किया जा सकता है और नाबार्ड इसमें सहयोग की पूर्ण कोशिश होगी.

विशिष्ट अतिथि डॉ. निशिकांत दुबे ने कहा: मिट्टी की रक्षा, जल की रक्षा और बीज की स्वतंत्रता ही आने वाले समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. उन्होंने आदिवासी समुदाय से अपील की कि वे अपने स्वास्थ्य और संस्कृति दोनों पर ध्यान केंद्रित करें और अपनी जड़ें मजबूत करें.

उन्होंने कहा कि अच्छे एनजीओ समाज और सरकार दोनों के लिए आवश्यक हैं, और चेतना विकास तथा नाबार्ड द्वारा किए जा रहे कार्यों की उन्होंने सराहना की.

डॉ. दुबे ने देवघर में निमार्णाधीन प्लास्टिक पार्क का ज़िक्र करते हुए वहां स्थानीय रोजगार की संभावनाओं पर भी प्रकाश डाला.

उन्होंने स्पष्ट कहा, ‘मैं गाँव का नेता हूँ, और शिक्षा, स्वास्थ्य, जल तथा खेती – इन सभी विषयों पर पहले भी काम किया है और आगे भी करता रहूँगा. सरकार और संसद स्तर पर मैं इस दिशा में हर संभव प्रयास करूँगा।

सामुदायिक भागीदारी: समारोह में जिले के विभिन्न गाँवों से आए किसानों, महिला समूहों, युवाओं, पंचायती राज प्रतिनिधियों, एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी की.

चेतना विकास की निदेशिका रानी कुमारी ने जानकारी दी कि नाबार्ड के सहयोग से क्षेत्र में पहले से हअउक्र परियोजना संचालित थी, और उसी की आगामी कड़ी के रूप में खक्श्अ परियोजना प्रारंभ की गई है.

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत किसानों को प्रशिक्षण, फील्ड सपोर्ट और जैविक इनपुट्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिससे न केवल पर्यावरण की रक्षा हो रही है, बल्कि किसानों की आय और आत्मसम्मान में भी वृद्धि हो रही है.

कार्यक्रम में झारखंड राज्य ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक रूपेश कुमार ने बैंक की तरफ से बुजुर्गों के के लिए छाता और बच्चों के लिए पठन-पाठन सामाग्री वितरित कराया. कार्यक्रम में सुबोध कुमार ने प्राकृतिक खेती की इस पहल की सराहना की।

अंत में डॉ निशिकांत दुबे ने सभी लोगों को बीज से मिट्टी तकह्व सामूहिक शपथ के माध्यम से मिट्टी एवं पर्यावरण की रक्षा का संकल्प दिलाया.

कार्यक्रम को सफल बनाने में नाबार्ड के डी.डी.एम सुभेन्दु बेहरा का मंच संचालन एवं अन्य तैयारियों में विशेष सहयोग रहा साथ ही चेतना विकास के कार्यकताओं का महत्वपूर्ण सहयोग रहा.

चतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 2.225 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ तस्कर गिरफ्तार

तस्करों के खिलाफ अभियान तेज, एसपी सुमीत कुमार अग्रवाल के निर्देश पर कार्रवाई

दिव्य दिनकर संवाददाता चतरा

चतरा जिले के गिद्धौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बारीयातु के समीप मंगलवार को पुलिस ने 2.225 किलोग्राम अवैध अफीम के साथ एक युवक को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक सुमीत कुमार अग्रवाल के नेतृत्व में मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। प्रेस वार्ता में एसपी अग्रवाल ने बताया कि एक व्यक्ति के द्वारा अफीम की अवैध खरीद-बिक्री की सूचना प्राप्त हुई थी, जिसके बाद सिमरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शुभम खंडेलवाल के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। तत्पश्चात बारीयातु गांव के पास एक युवक को पकड़ा गया, जिसके पास से भारी मात्रा में अवैध अफीम बरामद हुई। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुखराम हस्सा पूर्ति (उम्र 22 वर्ष), पिता बाली हस्सा पूर्ति, ग्राम केवरा, थाना मुरहू, जिला खुंटी के रूप में की गई है। पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह अफीम को खुंटी से लेकर गिद्धौर क्षेत्र में सप्लाई करने आया था। इस संबंध में गिद्धौर थाना में कांड संख्या 45/25, दिनांक 17 जून 2025 को ठउढर एक्ट की धाराएं 18( )/22( )/27( )/28/29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। अन्य संलिप्त तस्करों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी की जा रही है।

जब्त सामग्रियाँ:-

पुलिस अधीक्षक श्री अग्रवाल ने बताया कि छापेमारी के दौरान अभियुक्त के पास से 2.225 किलोग्राम अवैध अफीम, एक मोबाइल फोन, एक पीठू बैग बरामद किए गए है।

छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी:

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि इस छापेमारी दल में अनुमंडल सिमरिया पुलिस पदाधिकारी शुभम कुमार खंडेलवाल, चतरा पुलिस निरीक्षक सनोज चौधरी, पुलिस अवर निरीक्षक, गिद्धौर थाना प्रभारी कुमार गौतम, पुलिस अवर निरीक्षक सोनी खलखो, सशस्त्र बल के जवान, चौकीदार एवं गिद्धौर थाना के अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

मसमानो: एक बस्ती, जो अब भी विकास से कोसों दूर

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर मांडर प्रखंड की सुरसा पंचायत में बसी एक छोटी-सी बस्ती मसमानो, आज भी विकास की दौड़ में बहुत पीछे छूट गई है। बस्ती राष्ट्रीय राजमार्ग से मात्र 7 किलोमीटर और मांडर मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर है, लेकिन इसकी दुर्दशा देखकर लगता है मानो यह किसी और युग में जी रही हो। मसमानो को बसकी से जोड़ने वाला लगभग 1.5 किलोमीटर लंबा एकमात्र

रास्ता, बस्तीवासियों की तकलीफों का सबसे बड़ा कारण बन गया है। गहरे गड्ढों, रास्ते के किनारे की खाई और जगह-जगह टूटी पगडंडियों के कारण यह रास्ता जानलेवा हो चुका है। बारिश में कीचड़ और फिसलन इसे और भी खतरनाक बना देते हैं। इस मार्ग से गुजरना बच्चों के लिए स्कूल जाना, मरीजों को अस्पताल पहुंचाना और गर्भवती महिलाओं को चिकित्सकीय सुविधा दिलाना झ किसी युद्ध लड़ने से कम नहीं। मजदूर, किसान और आम नागरिक रोज इसी रास्ते से अपनी जिंदगी और रोजी-रोटी का सफर तय करते हैं। यह सिर्फ एक गांव की कहानी नहीं, बल्कि झारखंड और भारत के उन सैकड़ों गांवों की पीड़ा है, जो बुनियादी सड़क जैसी सुविधाओं के बिना जी रहे हैं। जब तक गांवों तक सुरक्षित और पक्की सड़कें नहीं पहुंचेंगी, तब तक ‘विकास’ का सपना अधूरा रहेगा। मसमानो के लोग मेहनती हैं, आत्मनिर्भर हैं। लेकिन क्या उनकी मेहनत का सम्मान तब तक नहीं होगा जब तक वे मुख्यधारा से नहीं जुड़ते!

दंगल पर शुरू हुई एक लड़की के सपने और परम्पराओं के बदलाव के दृण संकल्प की कहानी बड़े घर की छोटी बहू

टीवी की दुनिया में श्रेष्ठ पारिवारिक मनोरंजन की पहचान बन चुका दंगल टीवी अपने नए धारावाहिक बड़े घर की छोटी बहू को दंगल टीवी और दंगल प्ले ऐप के द्वारा दर्शकों तक पहुंचाने के लिए तैयार है। जो की विशुद्ध भारतीय संस्कृति एवं मूल्यों और विचारधारा पर केंद्रित है। बड़े घर की छोटी बहू‘ एक लड़की के पढ़ने की महत्त्वकांक्षा और संकल्प के रूढ़िवादी मानसिकता से होने वाले द्वन्द को बड़े ही भावनात्मक रूप से प्रस्तुत करता है। आज भी हमारे समाज में कई बार लड़की के अरमान को शादी और उसके पश्चात घरेलू जिम्मेदारी के नाम पर अनदेखा कर दिया जाता है।धारावाहिक बड़े घर की छोटी बहू‘ में नारी के इस समसमायिक मुद्दे को उठाया गया है। इस धारावाहिक में सोनल खिलवानी द्वारा नायिका अहाना रॉय का किरदार निभाया गया है। जो अपनी उच्च शिक्षा को जारी रखने की उम्मीद के साथ अपने वैवाहिक जीवन में प्रवेश करती है। हालांकि, उसे जल्द ही अपने ससुराल वालों की उन अपेक्षाओं का

सामना करना पड़ता है, जो उससे अपने सपनों को पूरा करने के बजाय पूरी तरह से एक घरेलू एक कर्तव्यनिष्ठ पत्नी के कर्तव्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए मजबूर करते है। अपने किरदार के बारे में जानकारी देते हुए सोनल खिलवानी ने बताया, अहाना एक ऐसा किरदार है जो हमारे समाज की उन सभी महिलाओं का प्रतिनिधित्व करता है - जिनके पास शादी से परे सपने हैं। मुझे उसकी यात्रा को जीवंत करने का सौभाग्य मिला है और मुझे उम्मीद है कि यह परिवारों को शिक्षा को एक साझा लक्ष्य के रूप में देखने के लिए प्रेरित करेगा, न कि बलिदान के रूप में। कहानी के नायक अर्जुन जिसका किरदार एक्टर अधिक मेहता ने निभाया है खुद को अपने परिवार की परंपराओं को बनाए रखने और अपनी पत्नी के सपनों का साथ देने के बीच फंसा हुआ पाता है। एक्टर अधिक मेहता ने बताया, अर्जुन परंपरा और बदलाव के चौराहे पर खड़ा है। इस किरदार को निभाना एक अलग ही समृद्ध अनुभव रहा है, और मुझे यह देखकर खुशी हुई कि इस शो के प्रोमो ने पहले ही दर्शकों के दिलों को छू लिया है। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि यह परिवारों के भीतर इस तरह के विषयों पर एक सार्थक बातचीत को बढ़ावा देगा। शो में अनिता कुलकर्णी, दुर्गा देवी की भूमिका में हैं, जो सख्त हैं और पितृसत्तात्मक परंपराओं का पालन करती हैं, और रितु चौहान एक महत्वपूर्ण भूमिका में हैं, जो पारिवारिक नाटक को और गहराई प्रदान करती हैं। *मुख्य प्रश्न यह है कि क्या अहाना अपने परिवार की मानसिकता को बदलने और अपनी शिक्षा जारी रखने का अधिकार अर्जित करने में सक्षम होगी? 16 जून से रात 9:30 बजे से बड़े घर की छोटी बहू देखें, यह सोमवार से शनिवार तक केवल दंगल टीवी पर प्रसारित होगा और दंगल प्ले पर कभी भी स्ट्रीम करने के लिए उपलब्ध है।

बीआरबीसीएल में बालिका सशक्तिकरण अभियान का भव्य समापन किया गया

जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री ने बढ़ाया बच्चियों का उत्साह।

रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के सुप्रसिद्ध विद्युत पावर प्लांट बीआरबीसीएल (BRBCL) द्वारा संचालित बालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 का समापन समारोह 18 जून 2025 को सुमंगल सामुदायिक केंद्र में भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर औरंगाबाद (बिहार) के जिला पदाधिकारी श्री श्रीकान्त शास्त्री मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायी संबोधन में बीआरबीसीएल की ऊर्जा उत्पादन में भूमिका के साथ-साथ उसके सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने ह्यबालिका सशक्तिकरण अभियान 2025 को ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए एक सकारात्मक और परिवर्तनकारी पहल बताया। श्री शास्त्री ने इस अभियान में शामिल 40 प्रतिभागी बालिकाओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि ऐसे अभियान समाज को बदलने की दिशा में एक मजबूत नींव रखते हैं। इस अवसर पर बीआरबीसीएल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपक रंजन देहुरी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे और उन्होंने बच्चियों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह में अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। यह 28 दिवसीय अभियान बीआरबीसीएल के आसपास स्थित 16 गांवों से चयनित 40 बच्चियों के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें उन्हें अकादमिक शिक्षा के साथ-साथ जीवन कौशल, आत्मरक्षा, कला, संगीत आदि विविध विषयों में प्रशिक्षित किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जिला भू-अर्जन कार्यालय का उपायुक्त द्वारा किया गया निरीक्षण

साहिबगंज:

उपायुक्त हेमंत सती द्वारा समाहरणालय स्थित जिला भू-अर्जन कार्यालय का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने कार्यालय में संधारित विभिन्न पंजियों का अवलोकन करते हुए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की।उपायुक्त ने पंजी संधारण की अद्यतन स्थिति, लंबित मामलों के निष्पादन एवं मुआवजा वितरण की प्रक्रिया की जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि भू-अर्जन से संबंधित सभी प्रक्रियाएं निर्धारित समय सीमा में पारदर्शिता के साथ पूर्ण की जाएं ताकि प्रभावित लोगों को समय पर लाभ मिल सके।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने कार्यालय परिसर की साफ-सफाई, फाइलों के उचित रख-रखाव एवं कर्मियों की उपस्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभिलेखों का डिजिलाइजेशन भी प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित किया जाए।इस अवसर पर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी छुटेश्वर दास सहित अन्य संबंधित कर्मी उपस्थित थे। उपायुक्त ने सभी को अपने दायित्वों का समुचित निर्वहन सुनिश्चित करने का निर्देश दिए।

चौथा स्तंभ पर सीधा वार किया जा रहा है, स्वतंत्र पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल पर

दिव्य दिनकर

भागलपुरः- अब कैसे एक पत्रकार समाचार संकलन कर सकता है, जी हां एक मामला कहलगांव थाना क्षेत्र का तुल पकड़ते जा रहा है। एक पत्रकार ही है जो की अपनी जान को जोखिम में डालकर जन-जन तक किसी भी खबर को प्रकाशित करता है। वैसे में पत्रकारों पर मुकदमा कर दिया जाता है। कहलगांव अनुमंडल के पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल जो कि निर्भीक और लोगों की गरिमा को देखते हुए किसी भी समाचार को संकलन कर जन-जन तक पहुंचाने का काम अखबार के माध्यम से करने का काम करता है। इस तरह के मामले को लेकर निचले अधिकारी से लेकर बिहार के डीजीपी तक प्रमाण के साथ इन गंभीर मामले से अवगत कराए। चौथे स्तंभ के रूप में जाने वाले पत्रकारो पर षड़यंत्रपूर्वक कई तरह से वार किया जा रहे हैं जिसमें एक पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल पर साजिश रच के एस सी एस टी आरोप लगाया गया, जिले मे इस तरह के घटना से चौथा स्तंभ पर वार किया जा रहा है। जबकि कई वर्षों से जटिल से जटिल समस्या को उजागर करने का हिम्मत उन्होंने दिखाया है। जबकि कई पत्रकारो ने गहरी चिंता जताई है।

मुजफ्फरपुर के सिटी एसपी कोटा किरण ने संभाला कार्यभार

दिव्य दिनकर बिहार डिगनेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्र।

मुजफ्फरपुर जिले की नगर पुलिस अधीक्षक सिटी (एसपी) कोटा किरण ने आज अपने पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर तत्कालीन एसपी ने औपचारिक रूप से उनके बीच पदभार का हस्तांतरण किया। कार्यभार ग्रहण से पहले कोटा किरण को पुलिस जवानों द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पदभार ग्रहण करने के बाद नए एसपी ने जिले में कानून-व्यवस्था को मजबूत करने और अपराध नियंत्रण को अपनी प्राथमिकता बताया।सिटी एसपी कोटा किरण ने कहा कि ह्लमुजफ्फरपुर एक बड़ा और पुराना जिला है, और यहां एसपी के रूप में कार्य करना मेरे लिए गर्व की बात है। जिले में अपराध को नियंत्रित करना मेरी पहली प्राथमिकता होगी। विशेष रूप से स्मैक तस्करी और अन्य अपराधों पर कड़ाई से कार्रवाई की जाएगी।ह्व उन्होंने पूर्व एसपी द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और कहा कि वह उनके प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए जिले में शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करेंगी।

जल अधिग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण कमला नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी

दिव्य दिनकर बिहार डिगनेशन विशेष प्रभारी प्रभात कुमार मिश्र।

मधुबनी जिला के जयनगर में स्थित कमलानदी में गुरुवार को अचानक से जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी जारी है। दोपहर तक कमला नदी सामान्य से 25 से 30 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है। सीमावर्ती क्षेत्र नेपाल के शीशापानी, उदयपुर, सिरहा सहित कमला अधिग्रहण क्षेत्र में हो रही वर्षा के कारण कमला नदी के जलस्तर में वृद्धि होने के कारण नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुआ है। इस संबंध में कमला नहर के अधिकारियों ने बताया कि नदी के जलस्तर में बढ़ोतरी हुई है मगर इसका कोई प्रभाव नहीं होगा। वर्षा के कारण कमला नदी का जलस्तर सामान्य से थोड़ा सा बढ़ा है, जल संसाधन विभाग के द्वारा इस पर मॉनिटरिंग किया जा रहा है। जल संसाधन विभाग के द्वारा कमला नदी पर नजर रखी जा रही है। वर्तमान में स्थिति सामान्य है। जिस ढंग से नदी का जलस्तर यदि बढ़ेगा तो बराज के फाटक खोले जा सकते है। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए जल संसाधन विभाग के द्वारा नदी के जलस्तर पर मॉनिटरिंग की जा रही है। वहीं कमला नदी के जलस्तर के बढ़ने से नदी पर बना रहे बराज निर्माण कार्य पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। नदी के पूर्वी छोर पर बराज निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। जल संसाधन विभाग के द्वारा मानसून व बाढ़ को देखते हुए सतर्क है। नदी से सटे पूर्वी एवं पश्चिमी तटबंध सहित जलस्तर के उतार चढ़ाव पर जल संसाधन विभाग लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है।

पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना

पाटलिपुत्र और गोरखपुर के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस, बिहार के पटना, वैशाली, मुजफ्फरपुर, पूर्वी चंपारण और पश्चिम चंपारण जिलों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कुशीनगर और गोरखपुर से होकर 384 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। इस सेमी हाई-स्पीड ट्रेन के शुरू होने से उत्तर बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, पर्यटन में वृद्धि के माध्यम से क्षेत्रीय संपर्क मजबूत होगा और चिकित्सा, शैक्षिक और व्यावसायिक यात्रा के लिए बेहतर रेल पहुंच प्रदान होगी। यह पाटलिपुत्र-मुजफ्फरपुर-बेतिया-गोरखपुर मार्ग पर पहली सेमी हाई-स्पीड ट्रेन सेवा है।

वैशाली-देवरिया के बीच नई रेल लाइन का उद्घाटन

बिहार

के वैशाली और देवरिया के बीच नई रेल लाइन, 29 किलोमीटर लंबी है और इसका निर्माण 403 करोड़ की अनुमानित लागत से किया गया है। देवरिया को वैशाली से जोड़ने वाली यह लाइन लिच्छवियों की प्राचीन राजधानी और भगवान महावीर की जन्मस्थली है, जो बौद्ध और जैन विरासत का एक महत्वपूर्ण स्थल है - यह प्रतिष्ठित केसरिया बौद्ध स्तूप को भी जोड़ती है, जिससे बौद्ध सर्किट के हिस्से के रूप में पर्यटन को बढ़ावा मिलता है। इसके अतिरिक्त, यह लाइन नेपाल सीमा के पास रक्सौल टर्मिनल तक माल ढुलाई को तेज करेगी और उत्तरी बिहार में कृषि आधारित उद्योगों और पर्यटन के लिए पहुँच में सुधार करेगी।

सामाजिक कार्यकर्ता चंपा सिंह ने नई दिल्ली में मनाया 75वां जन्मदिन

नई दिल्ली, ।

महिलाओं के अधिकार और शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने वाली जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती चंपा सिंह ने मंगलवार को अपना 75वां जन्मदिन नई दिल्ली के अशोक होटल में मनाया। यह अवसर परिवारजनों और चुनिंदा विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जो उनके सामाजिक योगदान को सम्मानित करने के लिए एकत्र हुए। श्रीमती सिंह ने वंचित समुदायों में महिलाओं को सशक्त बनाने और बालिकाओं की शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए वर्षों तक जमीनी स्तर पर कार्य किया है। उनके प्रयासों ने कई बच्चियों को पढ़ाई जारी रखने का हौसला दिया और महिलाओं को कठिन परिस्थितियों में अपनी आवाज उठाने की ताकत दी है। उनकी सेवा भावना की जड़ें उनके पारिवारिक संस्कारों से भी जुड़ी हैं। श्रीमती चंपा सिंह भारत के पहले संसदीय कार्य एवं सूचना-प्रसारण मंत्री सत्य नारायण सिन्हा की भतीजी हैं। श्री सिन्हा ने 1948 से 1969 तक बिहार की समस्तीपुर (तत्कालीन दरभंगा) लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया और बाद में 1971 से 1977 तक मध्य प्रदेश के राज्यपाल भी रहे। इस खास मौके पर केंद्रीय विधि सचिव अंजू राठी राणा और उनके पति आर. एस. राणा (प्रवर्तन निदेशालय और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के लोक अभियोजक) ने भी उपस्थित होकर उन्हें शुभकामनाएं दीं। राकेश कुमार सिंह की पत्नी एवं दिल्ली राज्य पैरा ओलंपिक समिति की अध्यक्ष श्रीमती पारुल सिंह भी समारोह में उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी मेहमानों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दिन श्रीमती सिंह के प्रेरणादायी जीवन की गरिमामयी झलक है। इस दौरान अपने विचार साझा करते हुए श्रीमती चंपा सिंह ने कहा, ह्लमैंने कभी नहीं सोचा था कि मेरे छोटे-छोटे कदम इतने लोगों के जीवन को छू पाएंगे। 75 की उम्र में भी मैं खुद को पहले से कहीं अधिक समर्पित महसूस करती हूं, उन आवाजों के लिए जो अक्सर अनसुनी रह जाती हैं, खासकर महिलाएं और बच्चे, जिन्हें आगे बढ़ने के पूरे अवसर मिलने चाहिए।ह्व इस मौके पर वरिष्ठ पत्रकार राकेश कुमार सिंह ने कहा, ह्लमेरी मां ने अपने धैर्य, अनुशासन और स्नेह से न सिर्फ हमारे परिवार को आकार दिया, बल्कि समाज के कई लोगों के जीवन को भी छुआ। यह जन्मदिन केवल एक उम्र का आंकड़ा नहीं, बल्कि उनके सफर और हमारे लिए उनके मायने की गहरी याद है। समारोह में केक काटने के साथ-साथ अतिथियों के बीच आत्मीय संवाद और एक पारिवारिक रात्रिभोज का आयोजन हुआ।

वैशाली और देवरिया के बीच ट्रेन सेवा

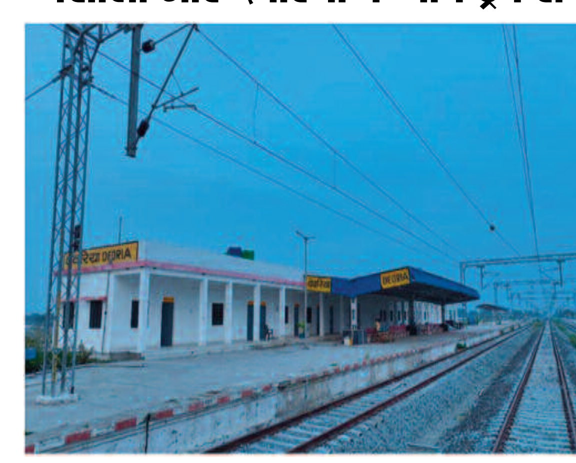

बिहार के वैशाली जिले में 29 किलोमीटर की दूरी तय करने वाली वैशाली और देवरिया के बीच एक नई ट्रेन सेवा की शुरूआत से कृषि उपज के परिवहन में सुधार और रोजगार के अवसरों में वृद्धि के कारण स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। यह क्षेत्रीय संपर्क और सीमा व्यापार गलियारे को भी मजबूत करेगा, साथ ही आंतरिक गांवों तक बेहतर रेल पहुंच सुनिश्चित करेगा, जिससे दैनिक आवागमन और आजीविका को सहारा मिलेगा।

बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंह के जयंती पर निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित अनुग्रह नारायण स्मारक समिति के प्रांगण में भारत माता के अमर सपूत महान स्वतंत्रता सेनानी आधुनिक बिहार निमार्ता, बिहार विभूति अनुग्रह नारायण सिंहा जी की 138वीं जयंती समारोह के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।स्मारक समिति के उपाध्यक्ष अरविंद शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के प्रथम सत्र में अनुग्रह बाबू के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की गई तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा किया गया। औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, पुलिव अधीक्षक अम्बरीष राहुल,उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह,अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह,पुलिस उपाधीक्षक अभिषेक कुमार,जिला परिषद औरंगाबाद के पूर्व अध्यक्ष राघवेंद्र प्रताप नारायण सिंह,संस्था के सचिव अभिषेक प्रताप सिंह उर्फ चुलबुल सिंह,कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह उर्फ पप्पू बाबू,कौशलेंद्र प्रताप नारायण सिंह,शैलेंद्र दुबे,कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष महेंद्र यादव, पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर विजय कुमार सिंह, वरिष्ठ कांग्रेसी श्याम बिहारी सिंह सहित अन्य लोगों ने स्मारक स्थल में स्थापित अनुग्रह बाबू के प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित किया तत्पश्चात उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने कहा कि 1917 ई के बिहार के चंपारण सत्याग्रह में महात्मा गांधी को बिहार में बुलाने में इन्होंने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। संविधान सभा के गठन में योगदान दिया था आधुनिक बिहार के नवनिर्माण में सराहनीय भूमिका निभाई।अ से अनुग्रह नारायण और अ से औरंगाबाद महज संयोग है जो एक दूसरे के साथ अन्योन्याश्रित है। हमें उनके बताएं मार्ग पर चलना चाहिए आरक्षी अधीक्षक महोदय ने कहा कि बिहार के विकास में अनुग्रह बाबू का अप्रतिम योगदान रहा है।डीडीसी अनन्या सिंह ने कहा कि अनुग्रह बाबू के अप्रतिम योगदान के कारण ही औरंगाबाद की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर हैं।उनके पद चिन्हों पर चलकर ही हम नवीन समाज की संरचना कर सकते हैं। संतन कुमार सिंह ने कहा कि बिहार के विकास में अनुग्रह बाबू की अविस्मरणीय भूमिका है। उनके बताएं मार्ग पर चलकर ही हम आगे बढ़ सकते हैं। कार्यक्रम के दूसरे सत्र में निशुल्क चिकित्सा जांच शिविर का आयोजन किया गया।डॉ अभिषेक कुमार के नेतृत्व में लगाए गए शिविर में सैकड़ो मरीजों का निःशुल्क इलाज किया गया। उनकी जांच भी की गई जांचोंपरांत दवाइयां भी दी गई। संस्था के सचिव अभिषेक प्रताप सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।मौके पर विधायक प्रतिनिधि प्रदीप कुमार सिंह,पृथ्वीराज चौहान ट्रस्ट के सचिव स्वर्णजीत कुमार सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष रामप्रवेश सिंह,कोषाध्यक्ष विकास कुमार सिंह,प्रसिद्ध ज्योतिर्विद शिवनारायण सिंह,राम भजन सिंह, प्रोफेसर ज्ञानेश्वर प्रसाद सिंह,कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष मृत्युंजय सिंह एवं अरविंद कुमार सिंह,शाहनवाज रहमान,व्यास राम,रामविलास सिंह,श्याम बली पासवान सहित अन्य उपस्थित थे।

लोकोमोटिव फैक्ट्री, मढ़ौरा, सारण से गिनी को पहला निर्यात लोकोमोटिव

बिहार लोकोमोटिव निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र के रूप में उभर रहा है, जो स्थानीय आबादी के लिए महत्वपूर्ण रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है। यह विकास 'मेक इन इंडिया' पहल को एक बड़ा बढ़ावा देता है और इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देता है। यहाँ उत्पादित किए जा रहे अत्याधुनिक 4500 एचपी लोकोमोटिव में उच्च ईंधन दक्षता, उच्च तापमान वाले वातावरण में विश्वसनीय प्रदर्शन, ब्रेकिंग सिस्टम और एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन किए गए वातानुकूलित ड्राइवर कैब शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, परिचालन उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के लिए रेलवे कर्मचारियों को उन्नत सिमुलेटर और विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जा रहा है ।

भूरकुंडा की सड़क या 'गड्ढों की श्रृंखला

हल्की बारिश में ही उभरा विकास का आईना

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)गोह प्रखंड के भूरकुंडा गांव की ओर जाने वाली मुख्य सड़क की हालत ऐसी हो गई है मानो यह गड्ढों की कोई सरकारी परियोजना हो। हल्की बारिश हुई नहीं कि सड़क की परतों से उखड़ी हुई मिट्टी और टूटी पिच पर पानी भर गया। सड़क का असली चेहरा तब दिखाई देता है जब बाइक या पैदल गुजरने वाला कोई ग्रामीण अचानक छपाक करता हुआ गड्ढे में जा गिरता है। ग्रामीणों के मुताबिक यह सड़क अब ₹सड़क₹ नहीं रही, बल्कि एक परीक्षण स्थल बन चुकी है – जिसमें हर गुजरने वाले को अपनी किस्मत और संतुलन की परीक्षा देनी पड़ती है। जगह-जगह बने गड्ढों में पानी भरने से गहराई का अंदाजा नहीं होता और लोग आए दिन गिरकर घायल हो रहे हैं।

गिनती से बाहर हैं गड्ढे

स्थानीय निवासी राम नरेश सिंह कहते हैं, इस सड़क पर जितने गड्ढे हैं, शायद उतनी जनसंख्या नहीं होगी गांव की।ह्व वहीं, स्कूल जाने वाले बच्चों के अभिभावकों ने बताया कि कई बार बच्चे कीचड़ से लथपथ होकर स्कूल पहुंचते हैं या बीच रास्ते से वापस लौट आते हैं।

बारिश नहीं, सिस्टम बहा रहा है

यह विडंबना ही है कि बारिश तो हल्की हो रही है, लेकिन लोगों की सहनशीलता की बाढ़ आ गई है। जलनिकासी की कोई व्यवस्था नहीं है, सड़क के किनारे न नाली है, न ढलान। ऐसे में हर गड्ढा एक छोटे पोखर में बदल जाता है। प्रशासनिक नजरअंदाजी पर सवाल ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधियों और विभागीय अभियंताओं को कई बार अवगत कराया गया, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं हुआ। फोटो खिंचवाना आता है, पर सड़क की मरम्मत नहीं,– ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों पर कटाक्ष किया। गड्ढा पहचानो प्रतियोगिता की तैयारी आक्रोशित ग्रामीण अब व्यंग्यात्मक तरीके से विरोध करने की सोच रहे हैं। वे गड्ढा पहचानो प्रतियोगिता का आयोजन कर सड़क पर पोस्टर लगाकर सरकार को यह बताना चाहते हैं कि यहां विकास नहीं, केवल उपेक्षा का गड्ढा है।भूरकुंडा की सड़क सिर्फ एक मार्ग नहीं, एक उदाहरण है – कि किस तरह योजनाओं की फाइलों में विकास तो होता है, पर जमीन पर केवल गड्ढे उभरते हैं।

राजस्व विभाग में सुधार की बड़ी पहल, मंत्री संजय सरावगी ने दिए निगरानी प्रणाली को मजबूत करने के निर्देश

पटनाः

राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी की अध्यक्षता में बुधवार को उनके कार्यालय कक्ष में बिहार राजस्व सेवा के अधिकारियों/ अंचलाधिकारियों पर गठित आरोप, परिवाद से संबंधित लंबित वादों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह, सचिव जय सिंह, सचिव गोपाल मीणा भी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान लम्बित वादों की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। मंत्री सरावगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे वादों का निष्पादन प्राथमिकता के आधार पर किया जाए, ताकि गलत करने वालों को सजा मिले और निर्दोष को न्याय। इससे प्रशासनिक पारदर्शिता बनी रहेगी तथा अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। उन्होंने यह भी कहा कि लम्बित मामलों के निपटारे में ढिलाई किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने जिलों से प्राप्त होने वाले प्रतिवेदन की गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही कहा कि ऐसे अधिकारी जिनपर गंभीर प्रकृति के आरोप लगे हों, उनपर त्वरित कार्यवाई सुनिश्चित की जाये। अपर मुख्य सचिव ने मंत्री को लम्बित वादों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराते हुये कहा कि सभी मामलों की लगातार समीक्षा कर पुराने मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निपटारा सुनिश्चित कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अंचल अधिकारी/राजस्व अधिकारी पर कार्रवाई के कुल 544 मामलों का निपटारा किया गया है। इसमें 248 को लघु दंड, 92 को वृहद दंड, 89 की पेंशन कटौती और 135 पर चेतावनी की कार्रवाई की गई। इनमें से 234 मामलों का निष्पादन वर्ष 2024-2025 में किया गया है। राजस्व मंत्री ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि विभागीय निगरानी प्रणाली को और मजबूत कर निष्पादन प्रक्रिया को गति दी जाये और यह सुनिश्चित किया जाये कि लंबित वाद जल्द से जल्द सुलझाए जाएं। मंत्री सरावगी ने ऐसे आवेदन जो मुख्यालय में आते हैं उनके निष्पादन के संबंध में चर्चा की। उन्होंने कहा कि लोग उम्मीदों के साथ विभाग में आकर अपना आवेदन देते हैं, हमें उनका यह विश्वास बनाये रखना है। इसके लिये ऐसी व्यवस्था बनायी जाये कि इन आवेदनों की समुचित जांच के पश्चात त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाये। निष्पादन के क्रम में आवेदनों के अद्यतन स्थिति की जानकारी भी संबंधित अधिकारियों को रहे। ऐसी व्यवस्था का निर्माण किया जाये। समीक्षा बैठक में चकबंदी निदेशक राकेश कुमार, संयुक्त सचिव अनिल कुमार पांडेय, विशेष कार्य पदाधिकारी मणिभूषण किशोर समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

दुनिया में मित्रविहीन क्यों होता जा रहा है भारत

राजेंद्र शर्मा

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि करीब पांच दर्जन सांसदों तथा कूटनीतिज्ञों के सात दलों के 33 देशों के दौरे से भी, कम से कम विदेश नीति के मामले में मोदी सरकार ने कोई सबक नहीं लिया लगता है। यह तब है, जब जैसा कि आम तौर पर सभी जानते भी हैं और मानते भी हैं, 7 से 10 मई के बीच भारत और पाकिस्तान के बीच हुई सैन्य झड़पों की पृष्ठभूमि में मोदी सरकार को, जो राजनीति में उभयपक्षीयता के विचार से सिर्फ कोसों दूर ही नहीं है, एक प्रकार से इस तरह की परंपराओं की शत्रु ही बनी रही है, दुनिया भर में इन बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों को भेजने की जरूरत इसीलिए महसूस हुई थी कि, उक्त टकराव के संदर्भ में भारत की विदेश नीति पूरी तरह से विफल रही थी। जैसा कि सभी ने दर्ज किया था, मोदी राज की विदेश नीति के 11 साल का हासिल यही था कि छोटे से बड़ा तक और विकसित से पिछड़ा तक, दुनिया का एक भी देश इस टकराव में स्पष्ट रूप से भारत का पक्ष लेने के लिए सामने नहीं आया था। और तो और, रूस जैसा भारत का सदाबहार मददगार और समर्थक तक, दुविधाग्रस्त नजर आ रहा था। बाकी सारी दुनिया को छोड़ भी दें, तो हमारा एक भी पड़ौसी देश, दक्षिण एशिया का कोई भी देश, भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ था। अलबत्ता, अफगानिस्तान ही इस मामले में अपवाद साबित हुआ था, जहां की तालिबान सरकार के साथ बढ़ती नजदीकियों के बावजूद, भारत अब तक उसे कूटनीतिक मान्यता देने की हिकमत नहीं जुटा पाया है। इस कूटनीतिक आउटरीच कार्यक्रम के बाद, इन बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों से प्रधानमंत्री मोदी ने बहु-प्रचारित मुलाकात भी की थी। इस मुलाकात के संबंध में प्रेस में आए कुछ ब्यौरों में, प्रतिनिधिमंडलों के सदस्यों द्वारा इन दौरों में बने अपने इंप्रैशन बेलाग तरीके से प्रधानमंत्री से साझा किए जाने के जोर-शोर से दावे किए गए हैं, हालांकि विवरणों पर प्रायः चुप्पी साध ली गयी है। फिर भी यह मानने का कोई कारण नहीं है कि कम से कम राजनीतिक राय के इंद्रधनुष के अधिकांश रंगों का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों ने सारे संकोच के बावजूद, इन विदेश दौरों के अपने वास्तविक इंप्रैशन प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से, कम से कम इशारतन, प्रधानमंत्री से साझा नहीं किए होंगे। इनमें इसे समझने के लिए कुछ-न-कुछ संकेत भी जरूर रहे होंगे कि आंतकवाद जैसे मुद्दे पर भी भारत आज दुनिया में इतना अलग-थलग क्यों है? लेकिन, प्रधानमंत्री की उक्त बैठक के बाद का मोदी सरकार का प्रकट कूटनीतिक आचरण यही दिखाता है कि यह सरकार कुछ भी न सीखने को तैयार है और न ही रत्तीभर बदलने को। उक्त प्रतिनिधिमंडलों की स्वदेश वापसी के फौरन बाद, मोदी सरकार की कूटनीति की महत्वपूर्ण परीक्षा एक नहीं, दो अलग-अलग, किन्तु परस्पर जुड़े हुए मामलों में हुई। इनमें से पहला मामला इजरायली नरसंहार की शिकार गज़ा की जनता की प्राण रक्षा के लिए, तुरंत युद्ध विराम कराने के संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव का था। गज़ा पर दो साल से ज्यादा से जारी इजरायली हमलों में साठ हजार से ज्यादा असैनिक मारे जा चुके हैं, जिनमें बहुमत बच्चों और महिलाओं का ही है। इस नरसंहारकारी युद्ध में इजरायल सिर्फ हवाई हमलों से लेकर जमीनी चढ़ाई तक, सैन्य हथियारों का ही इस्तेमाल नहीं कर रहा है, बल्कि घेरेबंद गज़ा में न्यूनतम आपूर्तियां तक पहुंचने के रास्ते बंद करने के जरिए, भूख को समान रूप से घातक हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है और गज़ावासियों को सामूहिक दंड के रूप में भुखमरी में धकेल रहा है। हैरानी की बात नहीं है कि विश्व न्यायिक मंचों ने इस मामले में इजरायल को युद्ध अपराधों का दोषी तक करार दिया है। स्वाभाविक रूप से संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रचंड बहुमत से गज़ा के खिलाफ जंग बंद किए जाने का प्रस्ताव स्वीकार किया। 149 देशों ने प्रस्ताव के समर्थन में वोट किया, जबकि इजरायल तथा अमेरिका समेत कुल 12 देशों ने प्रस्ताव खिलाफ वोट किया। लेकिन पूरी तरह से अप्रत्याशित न होते हुए भी, बहुतों को हैरान करते हुए, भारत ने उन 18 अन्य देशों के साथ वोट किया, जिन्होंने खुद को इस प्रस्ताव पर मतदान से अलग रखे जाने के लिए मतदान किया था। भारत का यह रुख इसलिए और भी हैरान करने वाला था कि इससे पहले भारत ने, दो साल पहले इसी तरह के जंगबंदी के संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया था। यह समझना वाकई तर्क से परे था कि संयुक्त राष्ट्र संघ के पिछले और इस ताजातरीन प्रस्ताव के बीच ऐसा क्या बदल गया था, जो मोदी का भारत जंगबंदी की मांग का समर्थन करना

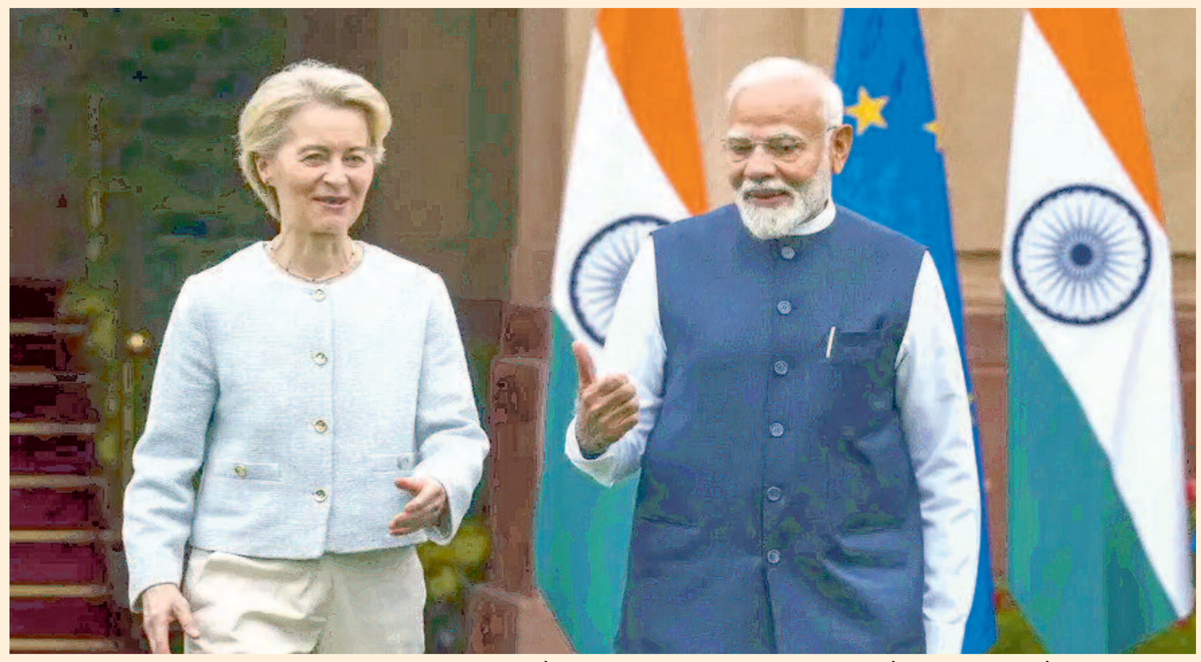

छोड़कर, इस मांग पर तटस्थता का रुख अपनाने पर आ गया था! बेशक, गज़ा के खिलाफ इजरायली सैन्य कार्रवाइयों की शुरूआत से ही मोदी सरकार, फिलिस्तीन के समर्थन के भारत के परंपरागत रुख के विपरीत, जिसकी जड़ें भारत के अपने साम्राज्यवादविरोधी स्वतंत्रता संग्राम में थीं, आमतौर पर इजरायलपरस्त रुख ही अपनाए रही है। लेकिन, गज़ा में नरसंहार रोके जाने पर भी तटस्थ हो जाने की हद तक इजरायलपरस्ती तो, मोदी सरकार के मानकों के हिसाब से भी नयी ही है। कहने की जरूरत नहीं है कि अपनी इस पल्टी से भारत ने खुद को दुनिया भर से, जिसमें जाहिर है कि सबसे बड़ी संख्या विकासशील देशों की ही है, अलग ही कर लिया। यहां तक कि भूटान जैसे देश ने भी भारत से भिन्न रुख अपनाते हुए, प्रस्ताव के पक्ष में वोट दिया। इसके फौरन बाद, मोदी राज की विदेश नीति की दूसरी परीक्षा भी हो गयी। इस परीक्षा का भी संबंध इजरायली आक्रामकता से था, जिसका प्रदर्शन इजरायल पश्चिमी विकसित दुनिया के पूरे-पूरे समर्थन के बल पर ही करता आया है। गज़ा के खिलाफ अपने नरसंहारकारी हमले के बीच, इजरायल ने अचानक ईरान पर सैकड़ों जंगी जहाजों, ड्रोनों और मिसाइलों से हमला कर दिया। इस हमले में ईरानी सेना के कुछ शीर्ष नेताओं तथा देश के कई प्रमुख नाभिकीय वैज्ञानिकों समेत सैकड़ों लोग मारे गए। इनमें से अनेक की टार्गेट कर के हत्याएं की गयी थीं, जिसमें इजरायल को खास महारत हासिल है। स्वाभाविक रूप से, ईरान ने इस हमले का जवाब देने का ऐलान किया है और इससे दोनों के बीच व्यापक लड़ाई छिड़ सकती है। इजरायल ने यह हमला इसके नाम पर किया है कि वह ईरान को नाभिकीय हथियार बनाने से रोकना चाहता है और इसलिए उसके नाभिकीय प्रतिष्ठान पर हमला किया गया है। लेकिन, इजरायल को जो पश्चिम की कृपा से नाभिकीय हथियार लिए बैठा है, इसके नाम पर हमला करने का अधिकार किसने दिया है? फिर यह बहाना भी कितना झूठा है, इसका अंदाजा एक इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि यह हमला, ठीक ईरान के नाभिकीय कार्यक्रम के प्रश्न पर ही, अमेरिका और ईरान के बीच जारी वार्ताओं के बीच में किया गया है, जब दोनों के बीच पांच दौर की वार्ता हो चुकी थी और छठे दौर की वार्ता अगले ही दिन होनी थी। इस हमले में ईरानी पक्ष के वार्ताकारों की चुन-चुनकर हत्या कर दी गयी। हैरानी की बात नहीं है कि इस हमले की व्यापक रूप से निंदा हो रही है। लेकिन, शंघाई सहयोग संगठन ने, जिसका भारत पूर्ण सदस्य है, जब इस इजरायली हमले की निंदा के एक प्रस्ताव पर विचार करने के लिए बैठक बुलाई, मोदी के भारत ने इस बैठक से ही खुद को अलग कर लिया। इस सबके बाद, 'ग्लोबल साउथ' यानी विकासशील दुनिया का 'प्रवक्ता' होने के भारत के दावे, एक भद्दा मजाक ही लगते हैं। बेशक, यह महज इजरायल प्रेम का ही मामला नहीं है। मोदी राज के इजरायल प्रेम का सीधा संबंध, इजरायल की पीठ पर अमेरिका समेत समूची साम्राज्यवादी दुनिया का हाथ होने से है। मोदी राज की विदेश नीति की मुख्य पहचान, जो उसे भारत की स्वतंत्रता आंदोलन की विरासत और आजादी के बाद के पांच दशक से ज्यादा की भारत की विदेश नीति से बुनियादी तौर पर अलग करती है, उसका भारत को साम्राज्यवादी मंसूबों का जूनियर पार्टनर बना देना है। यह दूसरी बात है कि मोदी राज में इजरायल प्रेम में, अमेरिका समेत साम्राज्यवादी ताकतों के प्रेम के अलावा एक तत्व और भी शामिल है, जो इस विदेश नीति को उसकी घरेलू नीति का प्रत्यक्ष विस्तार बनाता है। यह तत्व है, मुस्लिमविरोध, जो संघ-भाजपा के मुस्लिम विरोध का दोस्ताना, इजरायली यहूदीवादियों के इस्लामविरोध से जोड़ता है। इसी सब के चलते, मोदी राज के 11 साल में, खासतौर पर विकासशील दुनिया में, भारत की नैतिक प्रतिष्ठा ध्वस्त हो गयी है। जो भारत कभी गुटनिरपेक्ष आंदोलन के माध्यम से विकाशील दुनिया की सबसे भरोसेमंद आवाज हुआ करता था, अब अपने मुंह से विकासशील दुनिया की ओर से बोलने के दावे भले ही करे, विकासशील देश उस पर रत्तीभर विश्वास नहीं करते हैं। दूसरी ओर, पश्चिम की पंगत में किसी तरह शामिल होने के लालच में विकासशील दुनिया के हितों की ओर से मुंह मोड़ने के ईनाम के तौर पर उसे निचली मेजों के न्यौते जरूर मिल रहे हैं, लेकिन वहीं तक, जहां तक सामराजी मंसूबों के लिए उसका उपयोग है। दूसरी ओर, मोदी राज में देश में जो कुछ हो रहा है और खासतौर पर धर्मनिरपेक्षता समेत सभी प्रमुख पहलुओं से जिस तरह जनतंत्र का त्याग किया जा रहा है, वह विकासशील दुनिया के साथ-साथ, पश्चिम की इस बारात में भी उसकी उपस्थिति को असहज और असामान्य बनाता है, और जिसका पता अनेकानेक सूचकांकों पर भारत के खराब प्रदर्शन से चलता है। नतीजा यह कि विश्व समुदाय में भारत का कद घटता जा रहा है और उसके मित्रों का दायरा तेजी से सिकुड़ता जा रहा है। जैसे-तैसे कर के जी-7 के आउटरीच कार्यक्रम का न्यौता हासिल करने और शर्तों पर न्यौता हासिल करने के बाद, नरेंद्र मोदी जिस तरह लपक कर कनाडा समेत तीन देशों की पांच दिन की यात्रा पर रवाना हुए हैं, वह यही दिखाता है कि वर्तमान शासन में विदेश नीति, विदेश में नरेंद्र मोदी की छवि चमकाने का औजार भर बनकर रह गयी है, ताकि विश्व नेता की इस छवि के प्रतिबिंबन से, देश के लोगों को चकाचौंध किया जा सके। ऐसी विदेश नीति से ज्यादा समय तक तो विदेश में राष्ट्रीय गोदी पूंजीपति के हितों तक को आगे नहीं बढ़ाया जा सकता है, भारत जैसे विशाल देश के हितों को आगे बढ़ाने का तो सवाल ही कहां उठता है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और साप्ताहिक पत्रिका 'लोकलहर' के संपादक हैं)

संपादकीय

उड़ान भरना सावधानी की मांग

नियमों की अनदेखी: उत्तराखंड में श्रद्धालुओं की संख्या बेहिसाब ढंग से बढ़ी है और इसी के साथ हेलिकॉप्टर सेवा भी। लेकिन, इसमें सुरक्षा मानकों की अनदेखी के आरोप भी खूब लगे हैं। चूंकि यात्रा सीजन सीमित होता है, ऐसे में ज्यादातर कंपनियों का जोर अधिक से अधिक उड़ान भरने और मुनाफा कमाने पर होता है। इसी वजह से कभी उत्तरकाशी जैसे हादसे होते हैं और कभी सड़क पर हार्ड लैंडिंग की तस्वीरें आती हैं। इसका एक पहलू पर्यावरण पर पड़ने वाला नकारात्मक असर भी है।

इंफ्रा की कमी: एविएशन एक्सपर्ट्स का मानना है कि चार धाम रूट, खासकर केदारनाथ रूट एक पायलट के लिहाज से सबसे चुनौतीपूर्ण है। यहां उड़ानें तो बढ़ी हैं, लेकिन रडार या एयर ट्रैफिक कंट्रोल जैसा जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं है। पायलटों को केवल अपनी आंख पर भरोसा करके आगे बढ़ना होता है, लेकिन उस ऊंचाई पर, जहां मौसम अचानक करवट ले लेता है, यह बहुत जोखिम भरा है। ऊपर से कंपनियों का लालच इस जोखिम को और बढ़ा देता है।

कंपनियों पर नियंत्रण जरूरी: कुछ दिनों पहले ही DGCA ने चार धाम कॉरिडोर में उड़ानों की संख्या आधी कर दी और उत्तराखंड सिविल एविएशन डिवेलपमेंट अथॉरिटी के कंट्रोल रूम में अपने ऑफिसर भी नियुक्त किए हैं। हालांकि इसके साथ हेलिकॉप्टर सर्विस देने वाली कंपनियों पर अंकुश की भी जरूरत है। मानकों को और कड़ा किया जाना चाहिए। देश के किसी और हिस्से की तुलना में हिमालय में उड़ान भरना अतिरिक्त सावधानी की मांग करता है।

मिलीभगत के खेल से बढ़ रहे अवैध खनन के मामले

पंकज श्रीवास्तव

देश भर में खनन माफिया की करतूत किसी से छिपी नहीं है। राजस्थान के भीलवाड़ा में कोठरी नदी के पास तो माफिया ने मिट्टी का ऐसा दोहन किया कि वहां से गुजर रही हाईटेंशन विद्युत लाइन को ही खतरा हो गया। दुस्साहस की हद यह कि टावर के नीचे से भी मिट्टी खोदी दी गई। मध्यप्रदेश में चंबल नदी के किनारे की तस्वीरें देख लीजिए, पता लग जाएगा कि किस तरह से खनन रोकने के आदेशों को माफिया छलनी करने में जुटे हैं। आदेश तो थे रेत के अवैध उत्खनन को रोकने के इसके उलट रेत के कारोबारियों ने परिवहन के लिए वाहनों की संख्या बढ़ा दी। पिछले दिनों ही छत्तीसगढ़ में तो रेत माफिया ने एक आरक्षक को ही ट्रॉली के नीचे कुचलकर मार दिया था। यहां बिलासपुर में अरपा नदी हो या छत्तीसगढ़ की लाइफलाइन महानदी जहां देखो वहां रेत माफिया नदी की कोख से रेत छानने में लगे हैं। ये तो महज बानगी है। एक दो नहीं हर राज्य में अवैध खनन की एक समान तस्वीरें सामने आ रही हैं। कहना न होगा कि खनन की रोकथाम को लेकर प्रशासनिक स्तर पर होने वाली ढिलाई इन सबके लिए जिम्मेदार है। जब-तब दिखावे की कार्रवाई होकर रह जाती है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि ऐसे दौर में जब आसमान पर बादल डेरा डाल चुके हैं तब भी रेत और मिट्टी का अवैध खनन आखिर किसकी अनुमति से होता दिख रहा है। बड़ी नदियों के आस-पास किसी भी शहर का दौरा कर लें वहां रेत के बड़े बड़े पहाड़ नजर आएंगे। जाहिर है ये स्टाक इकट्ठा इसलिए किया जा रहा है कि जब मानसून का समय हो तब रेत को मनमाने दामों पर बेचा जा सके। सवाल ये है आखिर मनमानी के ये मामले रुकते क्यों नहीं हैं। जवाब भी यही है कि ज्यादातर

एक्शन सतही नजर आते हैं। कभी सुरक्षा बलों की कमी का बहाना बनाया जाता है तो कभी कोई और। माफिया का सूचना तंत्र इतना मजबूत होता है कि कभी प्रशासनिक अमला कार्रवाई की तैयारी भी करता है तो उन्हें पहले से ही भनक लग जाती है। कागजी छापों में एकाध ऐसे लोगों को पकड़ लिया जाता है जिनका खनन से दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। इनमें ज्यादातर खनन कार्य में लगे श्रमिक होते हैं। अफसरों से मिलीभगत का ऐसा खेल चलता है कि असली किरदार पकड़ से बाहर होने में कामयाब हो जाते हैं। असल चेहरों के गिरेबान तक तो जिम्मेदारों के हाथ पहुंच ही नहीं पाते। ऐसे मामले भी सामने आ चुके हैं जिनमें रेत के अवैध खनन व परिवहन में नेताओं की प्रत्यक्ष व परोक्ष भूमिका सामने आती है। अवैध खनन मे कभी कोई हादसा हो जाए तब जाकर प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन कभी कोई यह विचार करने का प्रयास ही नहीं करता कि खनन को नियम-कायदों से बांधा जाए तो सरकारी राजस्व भी बढना़ तय है। लेकिन जब मिलीभगत का खेल हो तो इसकी चिंता भला कौन करे? अवैध खनन को शह देने वाले चाहे नेता हों या अफसर या फिर कोई और, समुचित सख्ती के बिना इस पर रोक असंभव तो नहीं लेकिन मुश्किल है।

बेटियां: विरासत नहीं, संवेदना का सच

विजय गर्ग

भारतीय समाज में सदियों से यह धारणा रही है कि बेटा ही वंश चलाता है, बेटा ही अर्थी को कंधा देगा, बेटा ही संपत्ति का उत्तराधिकारी होगा. यह सोच न सिर्फ बेटियों को दोयम दर्जे में धकेलती है, बल्कि मानवीय संवेदनाओं को भी ठेस पहुंचाती है. पर समय ने बार-बार यह सिद्ध किया है कि वंश केवल नाम का नहीं होता, वंश वह संवेदना है जिसे कोई भी आगे बढ़ा सकता है. कितनी ही बेटियाँ हैं जो अपने बूढ़े माँ-बाप की सेवा करती हैं, उन्हें सहारा देती हैं और उनकी अंतिम इच्छा तक निभाती हैं. आँसुओं की तासीर एक-सी क्यों होती है? जब किसी घर में दुख आता है, तो आँसू किसी रिश्ते, लिंग या वर्ग को नहीं देखते. माँ की ममता और बेटी का दुलार - दोनों में दर्द की वही भाषा होती है. मौत एक ऐसी सच्चाई है जो सबको एक छतरी के नीचे खड़ा कर देती है. उस क्षण न कोई बेटा बड़ा होता है न बेटी छोटी. उस क्षण सिर्फ़ इंसान होता है - समर्पित, भावुक, टूटता हुआ. हमारे समाज में मृत्यु के बाद का अनुष्ठान बेटे के जिम्मे होता है. बदलते सामाजिक समीकरण आज का भारत एक संक्रमण काल से गुजर रहा है, जहाँ बेटियों को पढ़ाया जा रहा है, आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है, पर मानसिकता का बदला जाना अभी अधूरा है. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा तो है, पर क्या हम बेटियों को जीवन के हर अधिकार में

समान दर्जा दे पा रहे हैं? क्या उन्हें संपत्ति, परंपरा और निर्णयों में बराबरी का स्थान मिल रहा है?

अनुभवों की कहानियाँ: बेटियाँ जिन्होंने समाज को बदला राजस्थान के छोटे गाँवों से लेकर महानगरों तक, हजारों बेटियाँ अपने माता-पिता के लिए वह संबल बनीं हैं जिसकी कल्पना समाज बेटों से करता था. एक उदाहरण महाराष्ट्र की प्रियंका का है, जिसने अपने पिता की मृत्यु पर विधिवत अंतिम संस्कार किया, गाँव ने विरोध किया, पर वह डटी रही. आज गाँव की अन्य लड़कियाँ उसे अपना आदर्श मानती हैं. क्या यह प्रेम, यह समर्पण विरासत का हिस्सा नहीं है ? कानून क्या कहता है ? भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 2005 के संशोधन के बाद बेटियों को संपत्ति में बराबरी का अधिकार मिला है. पर सामाजिक स्तर पर यह अधिकार कितनी बार स्वीकारा गया है? अदालतें भले ही बेटियों को बराबरी दें, पर समाज अब भी मानसिक तौर पर इस बदलाव को पूरी तरह आत्मसात नहीं कर पाया है. कई बार बेटियों को स्वेच्छा से 'हक छोड़ने' के लिए मजबूर किया जाता है ताकि बेटों का हिस्सा बना रहे. यह 'त्याग' नहीं, एक सुनियोजित सामाजिक दबाव है. बेटियों को कमजोर क्यों समझा जाता है ? संवेदनशील होना कमजोरी नहीं होती. सहनशीलता को ही हमने दुर्बलता मान लिया है. बेटियाँ घर की शांति होती हैं, स्नेह का प्रवाह होती हैं और दुख की सबसे पहली साथी होती हैं. अगर यही गुण बेटे में हों, तो उन्हें 'समझदार' कहा जाता है, फिर बेटियों को 'कमजोर' क्यों? बेटियाँ अक्सर परिवार की भावनात्मक रीढ़ होती हैं. वे संघर्षों को चुपचाप सहती हैं और फिर भी मुस्कुराती हैं. क्या यह शक्ति नहीं? पीढ़ियों की सोच में बदलाव की जरूरत - बेटा ज़रूरी है - यह सोच एक सामाजिक भ्रम है. वंश वही चलता है जहाँ संस्कार होते हैं, और संस्कार बेटा या बेटी में नहीं, पालन- पोषण और संबंध में होते हैं. जो बेटी पिता की चिता को अग्नि दे, क्या वह उससे कम है जो पिता की तस्वीर पर माला चढ़ाता है ? नयी पीढ़ी को यह समझना होगा कि परिवार की जिम्मेदारियाँ केवल बेटों की नहीं होतीं. बेटियाँ भी माँ-बाप की बुढ़ापे की लाठी हो सकती हैं, अगर समाज उन्हें वह अवसर और अधिकार दे. विरासत सिर्फ़ ज़मीन या नाम नहीं होती- विरासत वह भी होती है जो आँसुओं में झलकती है, जो संवेदनाओं में बहती है, जो संस्कारों में जीती है. बेटियाँ वह विरासत हैं जो सिर्फ़ खून का नहीं, प्रेम और सेवा का रिश्ता आगे बढ़ाती हैं. मीडिया और लोकप्रिय संस्कृति में बदलाव की जरूरत- हमारे टेलीविजन धारावाहिकों और फिल्मों में बेटियों को या तो बोझ के रूप में या फिर त्याग की देवी के रूप में दिखाया जाता है. यह चरम सीमाएँ हैं. हमें ज़रूरत है ऐसी कहानियों की जो बेटियों को वास्तविक, सशक्त और स्वाभाविक रूप में प्रस्तुत करें. हमारी जिम्मेदारी समाज को चाहिए कि वह बेटियों को केवल एक विकल्प के रूप में न देखे, बल्कि उन्हें एक पूर्ण, सक्षम उत्तराधिकारी माने. बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सम्मान सिर्फ़ नारे नहीं, एक गहरी सामाजिक क्रांति की शुरुआत है. स्कूलों में समानता की शिक्षा हो, पंचायतों में बेटियों की भागीदारी हो, और घरों में उनके फैसलों को सम्मान मिले- तभी यह बदलाव स्थायी होगा. बेटियों की परवरिश करते समय यह न सोचें कि "कल तो पराई हो जाएगी," बल्कि सोचें कि "यह मेरी आज की ताकत है." आज के दौर में जब परिवार, रिश्ते और मूल्यों की परिभाषाएं बदल रही हैं, तब बेटियों की भूमिका को एक बार फिर नए दृष्टिकोण से समझना जरूरी है. वे केवल सहारा नहीं, शक्ति हैं. वे सिर्फ़ संवेदना नहीं, उत्तराधिकार की हक़दार हैं. बेटियाँ सिर्फ रिश्तों की गारंटी नहीं हैं, वे समाज की रीढ़ भी हैं. उनकी आँखों में अपने पिता के लिए वही चिंता, वही अपनापन, वही असीम प्रेम है जो किसी भी बेटे में होता है-बल्कि कई बार उससे कहीं अधिक. उन्हें हाशिए से उठाकर केंद्र में लाना, उन्हें सिर्फ़ 'बेटी' नहीं, 'वारिस' मानना ही सच्ची सामाजिक प्रगति होगी।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक और प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा विजय प्रेस, नया टोला पटना से मुद्रित तथा 302, मां तारा कंपलेक्स, नारायण मूर्ति पथ, नागेश्वर कॉलोनी, बोरिंग रोड पटना से प्रकाशित! संपादक सरोज चौधरी, R.N.I. No:- BIHHIN/ 2016/72168

संक्षिप्त समाचार

जनक चमार ने दिघवारा राई पट्टी मे सड़क हादसे मे मरें हुए पीड़ित परिजन से मुलाकात कर सांत्वना दिया

भाजपा नेता राकेश सिंह ने भी पीड़ित के परिवारों से की

मुलाकात

पटना , ।

बिहार सरकार में मंत्री जनक चमार ने दिघवारा राई पट्टी मे सड़क हादसे मे मरें हुए पीड़ित परिजन से मुलाकात कर सांत्वना दिया और परिजन के प्रति गहरी सम्बेदना प्रकट की और माननीय मंत्री ने कहा की यह बहुत ही हिर्दय विदारक घटना है यह ऐसी घटना है जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती यह घटना से पूरी तरह मरमाहत हूँ और कहा की सरकार पीड़ित परिवार के साथ है और सभी लोगो को सरकारी सहायता राशि मिलेगी इस अवसर पर भाजपा नेता प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश सिंह पूर्व मुखिया हरी सहनी रमाकांत सिंह मंडल अध्यक्ष दीपक गुप्ता भाजपा नेता हेम नारायण सिंह उपेंद्र सिंह सहित सैकड़ो लोग उपस्थित थे उन्होंने पीड़ित अरुण राम भगवान पासवान जोगेन्दर भगत सुरेश पासवान के परिजन से मिले इस अवसर पर उन्होंने घायल लोगो के परिजन से मिलकर हाल चाल जाना और घायल लोगो का चल रहे पटना PMCH और IGIMS मे चल रहे इलाज मे कोई परेशानी नहीं हो इस्के लिए उन्होंने दोनों हॉस्पिटल के अधीक्षक से बात दिशा निर्देश दिया और कहा की इलाज मे किसी तरह की लापरवाही बर्दास्त नहीं होगा।

115वां टएरव खरफकैंप साहेबगंज के बरहेट में जारी है स्वास्थ्य सेवा का अभियान

साहिबगंज:

साहेबगंज जिला के +2 एस.एस.डी. हाई स्कूल, बरहेट में आयोजित टएरव खरफ(मोबाइल ईएनटी सर्जिकल यूनिट, जमशेदपुर) का 115वां शिविर जनसेवा के प्रति समर्पित भाव से जारी है। तीसरे दिन के ओपीडी रिपोर्ट के अनुसार कुल 75 मरीजों की जांच की गई, जिसमें से 12 मरीजों को शल्य चिकित्सा हेतु चयनित किया गया जबकि 5 मरीजों को उच्च चिकित्सा के लिए चेन्नई रेफर।कुल 327 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई है।इनमें से 53 मरीजों को ऑपरेशन हेतु चयनित किया गया है।जबकि 26 गंभीर मामलों को चेन्नई रेफर किया गया है।इस कैंप का उद्देश्य दूर-दराज के ग्रामीण क्षेत्रों में ENT संबंधी बीमारियों से पीड़ित लोगों को मुफ्त जांच, परामर्श और जरूरत अनुसार ऑपरेशन एवं रेफरल की सुविधा प्रदान करना है।यह कैम्प आगामी 22 जून, 2025 तक जारी रहेगा। कैम्प का समय प्रतिदिन सुबह 07:00 से दोपहर 01:00 बजे तक है।MESU की टीम, जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में जुटी हुई है। यह शिविर जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे सैकड़ों लोगों को राहत मिल रही है।

आदेश के चौथे दिन भी पीएचसी गोह में जमे रहे डॉअभिनव चंद्रा,

प्रभार नहीं मिला डॉ. शिव शंकर को

रिपोर्ट – अमरेन्द्र कुमार सिंह

गोह(औरंगाबाद)प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र (पीएचसी), गोह में स्वास्थ्य विभाग द्वारा नियुक्त किए गए नए प्रभारी-सह-निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी डॉ. शिव शंकर कुमार को अब तक प्रभार नहीं सौंपा गया है। जबकि मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, औरंगाबाद द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट निर्देश दिया गया था कि 24 घंटे के भीतर प्रभार का आदान-प्रदान किया जाए। जानकारी के अनुसार, आदेश जारी हुए चार दिन बीत चुके हैं, लेकिन पूर्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. अभिनव चंद्रा अब भी पीएचसी गोह में कार्यरत हैं और उन्होंने प्रभार हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी नहीं की है। इससे अस्पताल के प्रशासनिक कार्यों और वित्तीय संचालन में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। ज्ञात हो कि स्वास्थ्य विभाग, बिहार द्वारा डॉ. शिव शंकर कुमार को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र गोह में प्रभारी-सह-निकासी पदाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। विभागीय अधिसूचना और कोषागार संहिता के नियम 84 के तहत उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस देरी पर स्वास्थ्यकर्मियों में भी असंतोष देखा जा रहा है। अस्पताल में सेवाओं की नियमितता और बजट की प्रक्रिया भी इस अस्थिरता से प्रभावित हो रही है। संबंधित अधिकारियों से उम्मीद है कि जल्द ही स्थिति स्पष्ट कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं में बाधा न आए। जिम्मेदारों की चुप्पी पर भी उठ रहे सवाल स्वास्थ्य विभाग के उच्चाधिकारियों की चुप्पी और आदेश की अनदेखी को लेकर भी स्थानीय स्तर पर सवाल उठने लगे हैं। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए प्रशासनिक स्पष्टता आवश्यक है, जिसकी फिलहाल गंभीर कमी देखी जा रही है।

4 फरार अभियुक्त गिरफ्तार भेजे गए जेल

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

आपराधिक मामलों में फरार आरोपितों के विरुद्ध पुलिसिया कार्यवाई तेज की गई है। आगामी विधानसभा चुनाव के बाबत भी सक्रियता तेज हुई है। तारापुर थाना के विशेष छापेमारी अभियान में अपर थाना अध्यक्ष अभिनंदन कुमार के नेतृत्व में दरोगा अनिल सिंह, प्रशिक्षु दारोगा चन्द्रशेखर मिश्रा, राज कुमार राम एवं पुलिस बल की संयुक्त टीम ने चार गैर-जमानती वारंटी को गिरफ्तार किया गया। जानकारी देते हुए अपर थानाध्यक्ष अभिनंदन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने और लंबित कांडों में फरार गैर-जमानती वारंटी, लाल वारंटी और असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने साढ़ी गांव से राजा कुमार , फुलकित यादव , बिहारी यादव और उर्दू चौक निवासी साजन उर्फ सज्जाद को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फरार आरोपितों के गिरफ्तारी का अभियान लगातार चलता रहेगा।

कहलगांव थाने में महिला को एससी एसटी केस मे फसाने की धमकी

दिव्य दिनकर

कहलगांव:- दरोगा ने फरियादी महिला को थाने से भगाया, कुछ दिन पहले संघ के एक वरिष्ठ स्वयंसेवक को थाना प्रभारी ने एक मामले से हटने को लेकर दी थी झूठा एससी एसटी केश में फसाने की धमकी, वही थाना में कौन केस दर्ज होगा नहीं होगा यह थाना प्रभारी नहीं हम तय करते है यह बात संजीव कुमार ने कहाँ ककहलगांव थाना के दबंग दरोगा के रवैया को देखते हुए जनता में है काफी आक्रोश, कभी भी हो सकता है आंदोलन, कहलगांव थाना के अंदर से ही बहुत बड़ा मामला निकल कर सामने आया है जब एक पीड़ित महिला फरियादी न्याय मांगने के लिए आवेदन लेकर जब कहलगांव थाना पहुंची तो दबंग थाना प्रभारी अतुलेश सिंह नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार और मौजूद असामाजिक तत्व ने आए महिला फरियादी को बेइज्जत करते हुए मनकहा आपका आवेदन पर कोई कार्रवाई नहीं होगा ना ही एफ आई आर दर्ज होगा, आप यहां से चले जाइए तभी वहीं मौजूद नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा की थाना मेरे कहने पर उठता है मेरे कहने पर बैठता है तुमको जो समझ में आता है तुम करो? तुम जो सारा बात पत्रकार को बताई हो बहुत बड़ा गलती की हो तुम चुपचाप थाना से चले जाओ नहीं तो ऐसा एससी एसटी केस में उलझाएंगे की बर्बाद हो जाओगी थाना में कौन केस दर्ज होगा नहीं होगा यह थाना प्रभारी नहीं हम तय करते हैंक इतना कहकर संजीव कुमार और मौजूद लोगो ने और भी कई तरह की अभद्र बातें पीड़ित महिला को कहीं कतब पीड़ित महिला ने उक्त सभी बातें स्थानीय समाजसेवक मनोज यादव को बताइ साथ में स्थानीय पत्रकारो को जानकारी देने के साथ साथ महिला ने उक्त मामले की सूचना कहलगांव के डीएसपी कल्याण आनंद, कहलगांव एसडीएम अशोक कुमार मंडल सहित जिले के वरीय पदाधिकारी एसएसपी आईजी व महिला आयोग को देकर न्याय की गुहार लगाई है कज्ञात हो की इसके पहले भी कहलगांव थाना प्रभारी के द्वारा माफियाओं से मिलकर कहलगांव वार्ड नंबर 16 के रहने वाले श्याम यादव और पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल के ऊपर झूठा एससी एसटी केस दर्ज करवा दिया गया थाकजब फरियादी महिला के साथ थाने के अंदर हुए इस अभद्रता की जानकारी स्थानीय जनता को पता चली तो जनता के बीच तरह-तरह की चर्चा उठने शुरू हो गई और कहलगांव थाना प्रभारी तथा नगर पंचायत अध्यक्ष संजीव कुमार के रवैयों को लेकर काफी आक्रोश व्यक्त करने लगे क जनता ने कहा कि अगर महिला को न्याय नहीं मिला तो आंदोलन खड़ा किया जाएगाकवही गांधी युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं समाजसेवी मनोज यादव ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का रवैया जनहित में नहीं है इसे तुरंत हटाया जाए और महिला के आवेदन पर कार्यवाही की जाए कजनसूराज पार्टी के पदाधिकारी व पूर्व उप मुखिया निशिकांत मंडल ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का जो तरीका है यह काफी गलत और नींदनीय है, वरीय पदाधिकारी संज्ञान लेकर महिला और पत्रकार तथा कहलगांव की जनता के साथ न्याय करें क

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार काउंसिल के जिला अध्यक्ष ने बताया की कहलगांव थाना प्रभारी के द्वारा पहले भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश तथा पुलिस महानिदेशक के आदेश का अवमानना करने को लेकर भागलपुर सीजीएम में मामला भी दर्ज करवाया जा चुका है कथाना प्रभारी कहलगांव कई भ्रष्टाचार में शामिल हैं और माफियाओं से मिले हुए हैं इस थाना प्रभारी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए इन्होंने पत्रकार के साथ-साथ आम जनता के साथ काफी गलत कृत किया है जो कानूनंन अपराध है राष्ट्रीय स्वयं संघ के एक स्वयंसेवक ने बताया की कहलगांव थाना प्रभारी ने पहले भी संघ के एक वरिष्ठ कार्यकर्ता को भी एक मामले से पीछे हटने के लिए झूठा एससी एसटी केश में फंसा कर बर्बाद करने की धमकी दी थी क वहीं कहलगांव के समाजसेवी सह पत्रकार कन्हैया खंडेलवाल ने बताया कि कहलगांव के श्री कृष्ण गौशाला में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं शहर में बिकने वाले ब्राउन शुगर के कारण शहर में आए दिन युवक और किशोर आत्महत्या करने के मामले का लगातार उद्वेदन करने को लेकर गौशाला कमेटी और नशा माफियाओ के द्वारा झूठा एससी एसटी केस में फसाने की धमकी धमकी दी जा रही है जिसकी सूचना पत्रकार ने वरीय पदाधिकारी सहित कहलगांव थाना प्रभारी को दिया था परंतु थाना प्रभारी ने सूचना मिलने के बाद भी पत्रकार पर झूठा एससी एसटी केश बिना जांच के ही दर्ज कर लिया क्कहलगांव अधिवक्ता संघ के कई अधिवक्ताओं ने कहा कहलगांव थाना प्रभारी का जो कृत्य है वह कानून का सीधा- सीधी उल्लंघन है कपीड़ित महिला और पत्रकार के साथ जो गलत हुआ है उसे न्याय मिलेक

अतिक्रमणकारियों पर चला प्रशासन का बुलडोजर

दिव्य दिनकर संवाददाता संग्रामपुर।

अनुमंडल पदाधिकारी के आदेश अनुसार नगर पंचायत संग्रामपुर में अंबेडकर चौक से लेकर अस्पताल चौक तक व्यवसायियों द्वारा किए गए अतिक्रमण को जेसीवी के माध्यम से से मुक्त कराया गया। इस दौरान प्रशासन को कुछ जगह पर ग्रामीणों के विरोध का भी सामना करना पड़ा लेकिन प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण मुक्त कर लिया गया। वही अंचला अधिकारी निशीथ नंदन ने बताया कि अनुमंडल पदाधिकारी राकेश कुमार रंजन के निर्देश पर संग्रामपुर बीडीओ अनीश रंजन थानाध्यक्ष विनोद कुमार झा बीपीआरओ अमरजीत कुमार सावरी आदि के नेतृत्व में अभियान

चलाकर अंबेडकर चौक से अस्पताल चौक तक अतिक्रमण मुक्त कराया गया।साथ ही नदी किनारे सत्संग भवन के नाम पर सरकारी जमीन पर बनाए गए भवन को भी तोड़ा गया। प्रशासन के इस कारवाई से अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मच गया. वहीं आम लोग इस कारवाई से खुश नजर आ रहे थे। अंचल अधिकारी ने कहा गुरुवार को संग्रामपुर बाजार को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा। ताकि सावन में किसी प्रकार की कोई समस्या नही हो, मौके पर मौजूद बीडीओ अनीश रंजन ने बताया कि बाजार जाने वाली सड़कों व चौराहों को स्थानीय व फुटकर दुकानदार अतिक्रमण कर दुकान चलाते हैं,जिससे जाम की समस्या बना रहता है तथा आवागमन में लोगों को परेशानी होती है। उन्होंने सभी फुटपाथी दुकानदार को हिदायत देते हुए कहा कि सड़क को अतिक्रमण से हर हाल में मुक्त रखे। उन्होंने कहा कि व्यवस्था के उल्लंघन करने वालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी मौके पर संग्रामपुर थाना के पुअनि सत्यम कुमार,अंकित कुमार,एस आई धनंजय कुमार,संजय सिंह आदि काफी संख्या मे पुलिस बल और और आंचल के कर्मचारी मौजूद थे।

सोन नहर आधुनिकीकरण की माँग की गई है

रिपोर्ट – निशांत कुमार

हसपुरा(औरंगाबाद) :- सोन नदी से निकली इंद्रपुरी बराज से नौ जिलों का जमीन नहरों से सिंचित होता है।नहरों की जर्जर स्थिति होने से अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुँच पा रहा है।औरंगाबाद,अरवल ,जहानाबाद, गया,पटना,रोहतास,आरा,बक्सर एवं कैमूर जिला का क्षेत्र इन नहरों के पानी से सिंचित होता है। इन नहरों को अंग्रेज के शासनकाल में 1875 में इंजीनियर डिकेन्स के देख रेख में बना था।उस समय नहरों का जीवन काल 100 वर्ष तक निर्धारित किया गया था।आजादी के 78 वर्ष बीतते ही नहरों की स्थिति बद से बदत्तर हो गई है।अंग्रेजों के जमाने में नहरों का देख रेख और सुदृढ़ीकरण बेहतर था।आजाद भारत में इन नहरों की स्थिति खराब ही होते जा रही है।इस क्षेत्र की अस्सी प्रतिशत आबादी कृषि पर निर्भर है।सिचाई का मुख्य साधन यह नहर है। हर जिले के अंतिम छोर के किसान निराश हो गए हैं।उनके खेतों तक पानी नहीं पहुँच पा रहा है। समाजसेवी कामता प्रसाद कुशवाहा ने पत्र के माध्यम से बिहार के मुख्यमंत्री का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया लेकिन विभागीय पदाधिकारी द्वारा हमेशा सरकार को दिग्भर्मित किया गया। श्री कुशवाहा ने बिहार सरकार और केन्द्र सरकार से माँग की है कि सोन नहर का नए सिरे से आधुनिकीकरण कराया जाय ताकि बहुत बड़े आबादी को इसका लाभ मिल सके।

तारापुर में बाईपास, पर्यटन स्थल और व्यवहार न्यायालय निर्माण को लेकर प्रशासनिक पहल तेज

दिव्य दिनकर संवाददाता तारापुर

तारापुर अनुमंडल मुख्यालय और आसपास के क्षेत्रों में जनसुविधा बहाली को लेकर सरकारी योजनाएं अब धरातल पर उतरने लगी हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान स्वीकृत तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं–तारापुर रिंग रोड बाईपास, गोगाचक के पास पर्यटन स्थल विकास और सोनडीहा में व्यवहार न्यायालय निर्माण–के लिए बुधवार को पांच सदस्यीय जिला स्तरीय टीम ने स्थलीय निरीक्षण किया।अनुमंडल पदाधिकारी राकेश रंजन कुमार ने बताया कि रणगांव से धौनी और बंशीपुर से बिहमा तक जाने वाली प्रस्तावित रिंग रोड के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को लेकर स्थल का मूल्यांकन किया गया। इसके अलावा गोगाचक के पास तिलडीहा दुर्गास्थान और कांवरियों की यात्रा को

ध्यान में रखते हुए पर्यटन विभाग द्वारा भूमि अधिग्रहण कर वहां आधारभूत सुविधाएं विकसित करने की योजना पर भी रिपोर्ट तैयार की गई।सोनडीहा में व्यवहार न्यायालय निर्माण हेतु प्रस्तावित स्थल का भी निरीक्षण किया गया। अब टीम गुरुवार को जिलाधिकारी को प्रतिवेदन सौंपेगी, जिसके बाद भूमि अधिग्रहण और मुआवजा भुगतान की प्रक्रिया पूरी कर कार्य की निविदा निकाली जाएगी।इस टीम में मुंगेर के अपर समाहर्ता मनोज कुमार, उप विकास आयुक्त अजीत कुमार सिंह, जिला भू अर्जन पदाधिकारी भूमि सुधार उपसमाहर्ता दिलीप कुमार, अंचलाधिकारी संतोष कुमार तथा अवर निबंधन पदाधिकारी अमन कुमार नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी नितेश कुमार शामिल थे। इनके साथ राजस्व कर्मचारी भी मौजूद थे।बतादें कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री सम्राट चौधरी ने इन परियोजनाओं को स्वीकृति दिलाने में अहम भूमिका निभाई है। वे कई बार अधिकारियों संग स्थलीय निरीक्षण कर चुके हैं। प्रशासन का लक्ष्य आगामी विधानसभा चुनाव से पूर्व इन योजनाओं पर कार्य आरंभ करने का है। रिंग रोड निर्माण से तारापुर होते हुए भागलपुर, मुंगेर और जमुई की ओर जाने वाले यात्रियों को जाम से राहत मिलेगी और स्थानीय निवासियों को सुगम आवागमन का लाभ मिलेगा।

नौकरी का झांसा देकर युवती से गैंगरेप! पहले कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर दिया...फिर कमरे में ले जाकर किया घिनौना काम

मुजफ्फरपुर:

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले से दुष्कर्म का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां पर नौकरी दिलाने के नाम पर नशा पिलाकर एक महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया गया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने इसका वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया और उसे वायरल करने की धमकी दी। वहीं, अब परेशान होकर पीड़िता ने सारण के थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद जीरो एफआईआर के आधार पर मामला मुजफ्फरपुर स्थानांतरित कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक, मामला जिले के अहियापुर थाना क्षेत्र का है। 33 साल की पीड़िता सारण के भगवान बाजार थाना क्षेत्र में अपने मामा के साथ रहती है। पीड़िता के अनुसार, वह खरीदारी करने के लिए बस से मुजफ्फरपुर जा रही थी, तभी रास्ते में उसे एक युवक मिला। युवक नौकरी का झांसा देकर उसे अहियापुर स्थित एक विवाह भवन ले गया। वहां पर उसने पहले से मौजूद एक व्यक्ति को अपना जीजा बताया और कहा कि यह तुम्हें नौकरी दिलाएगा। इसी दौरान दोनों ने उसे नशीला पदार्थ मिलाकर मिठाई और कोल्ड ड्रिंक दी और फिर कमरे में ले गए। इसके बाद बारी-बारी महिला के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। इतना ही नहीं, आरोपियों ने इसका वीडियो भी रिकॉर्ड कर लिया और धमकी दी कि अगर किसी को बताया तो जान से मार देंगे और वीडियो को भी वायरल कर देंगे। बाद में महिला चुपचाप छपरा आ गई और काफी दिनों तक किसी को यह बात नहीं बताई। हालांकि, बार-बार पूछने पर पीड़िता ने मामा को आपबीती बताई। वहीं, इसके बाद पीड़िता ने परिजनों की मदद से सारण जिले के महिला थाने में बयान दर्ज कराया, जिसके बाद जीरो एफआईआर के आधार पर मामला अहियापुर थाने को स्थानांतरित कर दिया गया। थानाध्यक्ष रोहन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपित अहियापुर थाने के जीरोमाइल के हैं। दोनों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बेगूसराय में दर्दनाक हादसा: नदी में नहाने गए 4 युवकों की डूबने से मौत, गांव में पसरा मातम

खोदवंदपुर,

बेगूसराय: बिहार के बेगूसराय जिले में बुधवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा हो गया, जहां नुरूल्लाहपुर गांव के पास बूढ़ी गंडक नदी में नहाने गए आठ युवकों में से चार की डूबने से मौत हो गई। बाकी चार युवकों को स्थानीय लोगों ने समय रहते पानी से बाहर निकाल लिया। हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। नहाने के दौरान हुआ हादसा भीषण गर्मी से राहत पाने के लिए गांव के कई युवक दोपहर में नदी में नहाने गए थे। इस दौरान उन्हें नदी की गहराई का अंदाजा नहीं था। एक युवक के डूबने पर जब दूसरे उसे बचाने उतरे, तो एक-एक कर आठ लोग डूबने लगे। चार को तो किसी तरह बाहर निकाल लिया गया, लेकिन बाकी चार युवकों की मौत हो गई। चार की मौत, दो सगे भाई भी शामिल मृतकों की पहचान नुरूल्लाहपुर गांव के रहने वाले नीतीश कुमार (14), अभिषेक कुमार (18), अविनाश कुमार (19) और रोशन कुमार (12) के रूप में की गई है। इनमें अभिषेक और अविनाश सगे जुड़वां भाई थे। हादसे के बाद परिजनों में कोहराम मच गया है और पूरे गांव में सन्नाटा छा गया है। पुलिस मौके पर पहुंची, जांच शुरू घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और चारों शवों को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

अहीर रेजिमेंट की मांग को लेकर आगामी 29 जून को पटना के मिलन हाई स्कूल में यदुवंशी लगाएंगे हुंकार

पटना में आयोजित अहीर रेजिमेंट महारैला में जोरदार ढंग से उठाई जाएगी अहीर रेजिमेंट की मांग

अहीर रेजिमेंट हक है हमारा₹ के नारे के साथ पटना में यदुवंशियों का होगा महा जुटान

मुंगेर/पटना।

अहीर रेजिमेंट मोर्चा के गठन की मांग को लेकर श्री कृष्ण चेतना परिषद के तत्वावधान में दरोगा राय पथ पटना में एकदिवसीय सम्मेलन सह समीक्षात्मक बैठक का आयोजन किया गया। एक दिवसीय सम्मेलन सह समीक्षात्मक बैठक की अध्यक्षता डॉ विद्या शंकर यादव ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ बबन यादव तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व एसपी अभियान मनोज यादव मौजूद थे। सम्मेलन के दौरान बिहार एवं झारखंड के विभिन्न जिलों से यदुवंशी संगठन के पदाधिकारी तथा कार्यकताओं ने ₹अहीर रेजिमेंट हक है हमारा₹ विषय पर जोरदार ढंग से आवाज उठाया। अपने संबोधन में डॉ विद्या शंकर यादव, डॉ बबन यादव, पूर्व एसपी अभियान मनोज यादव,

अंतर्राष्ट्रीय यदुवंशी महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक कुमार यादव, रंजीत राय, बृजनंदन सिंह, नीलू यादव तथा फौजदारी सिंह ने भारत सरकार से मांग करते हुए कहा कि भारतीय सेना में गोरखा राइफल्स, राजपूत रेजीमेंट, राजपूताना राइफल्स, सिख रेजिमेंट, जाट रेजीमेंट, मराठा लाइट इन्फेंट्री, सिक्ख लाइट इन्फेंट्री, महर रेजिमेंट, डोगरा रेजिमेंट सरीखे रेजीमेंट अपनी विशेषता के आधार पर भारतीय सेना को मजबूती प्रदान करती आ रही है। भारतीय सेना में अहीर अथवा यदुवंशी समुदाय के जवानों का योगदान सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है। जिसके आधार पर यदुवंशी समुदाय की ओर से लंबे अरसे से भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट की स्थापना को लेकर मांग की जा रही है। अब वक्त आ गया है कि जब सरकार को इस दिशा में फैसला लेते हुए भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट का गठन करने की दिशा में ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है। सरकार के द्वारा भारतीय सेना में अहीर रेजिमेंट का गठन करने से भारत की सैन्य व्यवस्था और अधिक होगी तथा भारतीय सेना में यदुवंशी समुदाय के जवानों के साथ हो रहे भेदभाव के मामले में भी काफी हद तक लगाम लग सकेगा। समीक्षात्मक बैठक के दौरान आगामी 29 जून को पटना के मिलन हाई स्कूल मैदान में अहीर रेजिमेंट मोर्चा के तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय अहीर रेजिमेंट महारैला की तैयारी को लेकर चर्चा की गई। अंतरराष्ट्रीय यदुवंशी महासभा राष्ट्रीय प्रतिनिधि के रूप में शामिल चंदन यादव तथा पत्रकार पवन कुमार चौधरी ने कहा कि मोर्चा के संयोजक डॉ बबन यादव के नेतृत्व में आयोजित अहीर रेजिमेंट महारैला में बिहार और झारखंड से लाखों की संख्या में यदुवंशी हिस्सा लेंगे और इस महारैला को सफल बनाएंगे।

नौसेना में शामिल होने जा रहा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर युद्धपोत 'अर्नाला'

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना का पहला एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (युद्धपोत) 'अर्नाला' नौसेना में शामिल होने जा रहा है। बुधवार को यह युद्धपोत भारतीय नौसेना का हिस्सा बन जाएगा। भारतीय नौसेना की तटीय रक्षा क्षमताओं को और सुदृढ़ करते हुए, 16 स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट युद्धपोतों को नौसेना में शामिल किया जा रहा है। इस श्रृंखला का पहला युद्धपोत अर्नाला 8 मई को सौंपा गया था। अब चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान की अध्यक्षता में इसकी आधिकारिक कमीशनिंग की जाएगी। यह परियोजना आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत भारतीय समुद्री सुरक्षा क्षमताओं को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन युद्धपोतों का निर्माण गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स तथा कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा किया गया है। ये नए पोत पुरानी हो रही अभय-क्लास कॉर्वेट्स की जगह लेंगे। 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री के साथ निर्मित ये पोत भारत की बढ़ती हुई आत्मनिर्भरता और घरेलू रक्षा उद्योग की मजबूती का प्रतीक हैं। नौसेना के मुताबिक इन युद्धपोतों का मुख्य उद्देश्य तटीय और उथले समुद्री क्षेत्रों में दुश्मन की पनडुब्बियों की पहचान करना, उन्हें ट्रैक करना और नष्ट करना है।

लत सूचना फैलाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने कांग्रेस पार्टी पर कड़ा प्रहार करते हुए उस पर गलत सूचना फैलाने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने हाल ही में केंद्र सरकार द्वारा जारी जाति जनगणना अधिसूचना का हवाला देते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक न्याय पर मोदी सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ ने मंगलवार को समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए जाति आधारित जनगणना पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने इसे कराने का फैसला करके एक स्पष्ट और ऐतिहासिक÷ कदम उठाया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस कदम से पिछड़े समुदायों के लिए समान प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होगा। उन्होंने कांग्रेस पर भी तीखा हमला किया और उसे फर्जी खबरों की फैक्ट्री करार दिया। चुघ ने कहा, कांग्रेस लगातार झूठ फैला रही है और उसके दावे पूरी तरह से झूठे और निराधार हैं। पीएम मोदी ने स्पष्ट तौर पर बताया है कि आगामी जनगणना के साथ ही जाति जनगणना होगी।

जातिगत जनगणना पर सवाल उठाए जाने को लेकर कांग्रेस पर बिफरे शाहनवाज हुसैन, बोले- इनके पास अब कोई काम नहीं

नई दिल्ली । भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन ने मंगलवार को कहा कि एक तरफ जहां कांग्रेस जातिगत जनगणना की मांग करती है। वहीं दूसरी तरफ जब केंद्र सरकार जातिगत जनगणना कराने के लिए राजी हो जाती है, तो ये लोग उल्टे सीधे सवाल उठाने पर आमादा हो जाते हैं। आखिर यह लोग क्या चाहते हैं। इन लोगों को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने ये बातें समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कांग्रेस की तरफ से जातिगत जनगणना पर सवाल उठाए जाने के संबंध में कही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी के पास कोई काम नहीं है, इसलिए यह अब इधर-उधर की बातें कर रही है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस की इन्हीं उल्टी-सीधी बातों की वजह से अब कोई भी इनकी बातों को सुनने के लिए तैयार नहीं हो रहा है। कांग्रेस के पास मौजूदा समय में कोई काम नहीं रह गया है, इसलिए अब यह इधर-उधर की बातें कर रही है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने जातिगत जनगणना के संबंध में केंद्र सरकार की तरफ से जारी अधिसूचना को लेकर अपने सोशल मीडिया एक्स हैंडल पर पोस्ट किया। अपने पोस्ट में उन्होंने तेलंगाना सरकार की तरफ से जातिगत जनगणना के संबंध में जारी।

नीतीश कटारा हत्याकांडः सुप्रीम कोर्ट ने दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ाई

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने नीतीश कटारा हत्याकांड में विकास यादव को राहत दी है। मंगलवार को हत्याकांड के दोषी विकास यादव की अंतरिम जमानत बढ़ा दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने विकास की अंतरिम जमानत को दो हफ्ते के लिए बढ़ाया है। नीतीश कटारा हत्याकांड में विकास यादव को 25 साल की सजा हुई थी। विकास यादव की मां बीमार है। उसने मां के इलाज के लिए अंतरिम जमानत के लिए कोर्ट का रुख किया था। 24 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने उसे अंतरिम जमानत दी थी। 19 मई को सुप्रीम कोर्ट ने विकास यादव की अंतरिम जमानत को चार हफ्ते के लिए बढ़ाया। इसके बाद फिलहाल और दो हफ्ते के लिए अंतरिम जमानत बढ़ाई गई है।हालांकि सुप्रीम कोर्ट में इस दौरान पीड़ित नीलम कटारा के वकील ने विकास की अंतरिम जमानत का विरोध किया था। वकील ने कहा कि दोषी विकास यादव की मां की सर्जरी हो चुकी हो और अब वो हॉस्पिटल से डिस्चार्ज हो चुकी हैं। ऐसे में अंतरिम जमानत बढ़ाने का कोई आधार नहीं बनता। फरवरी 2002 में नीतीश कटारा की हत्या हुई थी।

जीवाश्मों से साबित हुआ एक समय पश्चिमी घाट की तरह गर्म और आर्द्र था पूर्वोत्तर

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में मिले जीवाश्मों से यह साबित हुआ है कि एक समय यह क्षेत्र पश्चिमी घाट की तरह गर्म और आर्द्र था। समय के साथ यहां के तापमान, वर्षा और हवाओं में बदलाव हुए, जिससे यह क्षेत्र उष्णकटिबंधीय पौधों के लिए अनुपयुक्त हो गया। यह जलवायु परिवर्तन आज भी जारी है। यह जानकारी बीरबल साहनी पैलियोसाइंसेज़ संस्थान, लखनऊ (बीएसआइपी) के शोधकर्ताओं द्वारा दी गई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के अधीन स्वायत्त इस संस्थान की टीम ने असम के माकुम कोलफील्ड से प्राप्त 24 लाख वर्ष पुराने पत्तों के जीवाश्मों का अध्ययन किया। इनकी बनावट की पहचान हर्बेरियम तुलना और क्लस्टर विश्लेषण के माध्यम से की गई। अध्ययन में यह स्पष्ट हुआ कि यह जीवाश्म वेस्टर्न घाट्स में

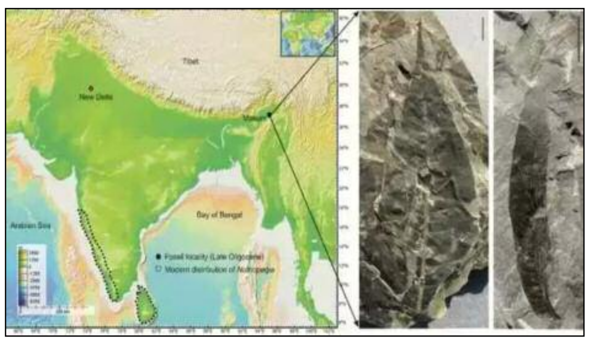

आज भी पाए जाने वाले 'नोथोपेगिया' वंश के पौधों से मेल खाते हैं।शोधकर्ताओं ने जलवायु पत्ती विश्लेषण बहुविषयी कार्यक्रम (सीएलएएमपी) की सहायता से यह भी स्पष्ट किया कि उस काल में पूर्वोत्तर भारत का वातावरण गर्म और आर्द्र था। लेकिन जैसे ही टेक्टोनिक गतिविधियों से हिमालय का उत्थान हुआ, तापमान, वर्षा और हवाओं में भारी परिवर्तन आए। इससे यह क्षेत्र ठंडा होता गया और 'नोथोपेगिया' जैसे उष्णकटिबंधीय पौधों के लिए अनुपयुक्त हो गया। दूसरी ओर, पश्चिमी घाट का जलवायु स्थिर बना रहा। इसी कारण 'नोथोपेगिया' वंश वहां अब भी जीवित है और यह एक प्राचीन पारिस्थितिकी का अवशेष माना जा सकता है। शोध पत्र 'रिव्यू ऑफ पैलियोबॉटनी और पैलिनोलॉजी' में प्रकाशित हुआ है। अध्ययन में यह भी दर्शाया गया है कि जैविक प्रवास और प्रजातियों के विलुप्त होने की घटनाएं प्राकृतिक जलवायु परिवर्तन से जुड़ी रही हैं। शोध की सहलेखिका हर्षिता भाटिया ने इसे अतीत की एक खिड़की कहा है, जो भविष्य को समझने में मदद कर सकती है। यह खोज दक्षिण एशिया की जैव विविधता के इतिहास को समझने में एक महत्वपूर्ण योगदान मानी जा रही है।

जातिगत जनगणना का अधिकार केवल केन्द्र के पासः भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी का कहना है कि राज्य सरकारें जातिगत जनगणना नहीं करा सकतीं, केवल सर्वे करा सकती हैं। कांग्रेस जनता को भ्रमित कर रही है, जबकि केंद्र सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जनगणना केंद्र स्तर पर ही की जाएगी। दिल्ली में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में राज्यसभा सदस्य और भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने इस मुद्दे पर आज कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वह बार-बार जानबूझकर तथ्यों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रही है। त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार जनता से जुड़ी सामाजिक, आर्थिक और जातिगत जानकारी एकत्र करायेगी। यह स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना में हो रहे सर्वे को जनगणना बताकर जनता को गुमराह कर रही है। सच्चाई यह है कि राज्य केवल सर्वेक्षण कर सकते हैं, जनगणना का अधिकार केंद्र सरकार के पास है। उन्होंने सवाल पूछा कि कांग्रेस की तेलंगाना सरकार में कितने ओबीसी मंत्री हैं। वहीं, आज देश में सबसे अधिक ओबीसी मंत्री केंद्र सरकार में हैं। त्रिवेदी ने कांग्रेस पर परिवारवाद और केवल सत्ता की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा और एनडीए का विचार है– 'सबका विश्वास, सबका प्रयास' है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन का उद्देश्य केवल जातियों में विभाजन पैदा करना है। उल्लेखनीय है कि भारत में 1931 में ब्रिटिश शासन के दौरान अंतिम जातिगत जनगणना हुई थी। स्वतंत्र भारत में 1951 के बाद जातिगत आंकड़े नहीं लिए गए। 2011 में सामाजिक-आर्थिक और जातिगत सर्वेक्षण हुआ लेकिन उसे औपचारिक जनगणना के रूप में मान्यता नहीं मिली थी।

केरल के कासरगोड में हादसे के बाद एनएचएआई ने ठोस कदम उठाए, विशेषज्ञ समिति करेगी जांच

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार की अधीनस्थ संस्था राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने केरल के कासरगोड जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (एनएच-66) के चेरक्कला क्षेत्र में ढलान सुरक्षा कार्य के ढहने की घटना को गंभीरता से लिया है। यह हादसा 16 जून को चेंगला-नीलेश्वरम सेक्शन में घटित हुआ था। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि शुरुआती जांच में पाया गया कि दुर्घटना का मुख्य कारण अनुचित डिज़ाइन, अपर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और खराब ड्रेनेज सिस्टम था। इस लापरवाही के लिए एनएचएआई ने ठेकेदार कंपनी मेघा इंजीनियरिंग एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड और इसके प्रमोटर को भविष्य की सभी परियोजनाओं की निविदाओं (बोली) से बाहर कर दिया है। इसके अतिरिक्त कंपनी को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक साल के लिए डिबार करने और 9 करोड़ रुपये तक के जुर्माने की चेतावनी भी दी गई है। इस परियोजना को हाइब्रिड एन्युइटी मोड के तहत विकसित किया जा रहा है, जिसमें ठेकेदार को न केवल निर्माण करना होता है बल्कि 15 वर्षों तक राजमार्ग का रखरखाव भी करना होता है। अब कंपनी को अपने खर्च पर ढलान सुरक्षा कार्य दोबारा करने होंगे। एनएचएआई ने इस घटना की गहन जांच के लिए उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित की है, जिसमें केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीआरआरआई) के वरिष्ठ वैज्ञानिक, आईआईटी पालक्काड़ के सेवानिवृत्त प्रोफेसर और भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के विशेषज्ञ

शामिल हैं। यह समिति घटनास्थल का दौरा कर डिजाइन और निर्माण की समीक्षा करेगी तथा इस परियोजना के लिए आवश्यक सुधारात्मक सुझाव देगी। एनएचएआई ने स्पष्ट किया है कि वह भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि सड़क सुरक्षा और ढांचागत गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्गों के निर्माण और रखरखाव के मानकों पर एक बार फिर सवाल खड़े करती है। स्थानीय नागरिकों और यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार की कड़ी कार्रवाई को साहसिक और आवश्यक कदम माना जा रहा है।

ईरान में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए शिया धर्म गुरु ने विदेश मंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भारत से ईरान-इराक गए तीर्थ यात्रियों और दोनों देशों के विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सकुशल भारत वापस लाने के लिए प्रयास तेज हो गए हैं। शिया धर्म गुरु मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने विदेश मंत्री एस जयशंकर को पत्र लिखकर ईरान, इराक में फंसे तीर्थ यात्रियों और छात्रों को भारत वापस लाने की अपील की है। उन्होंने पत्र लिखकर विदेश मंत्री को सारे हालात से आगाह किया है।

मौलाना सैफ अब्बास नकवी ने हिन्दुस्थान समाचार से बात करते हुए बताया कि ईरान-इजरायल युद्ध के बीच भारत से ईरान और इराक गए तीर्थ यात्रियों के वहां पर फंसे रहने की वजह से भारत में उनके परिजनों को काफी चिंता है। उन्होंने बताया कि भारत में रहने वाले यह सभी लोग ईरान, इराक में स्थित धार्मिक स्थलों का दर्शन करने के लिए गए हुए थे। इस बीच वहां युद्ध छिड़ने की वजह से दोनों देशों में हवाई जहाज की उड़ानों पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने बताया कि इस समय 1500 के

लगभग भारत के छात्र ईरान में मौजूद है जो वहां के विभिन्न विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। यह सभी वहां पर फंसे हुए हैं। इसके अलावा 800 के करीब तीर्थ यात्री भी ईरान में फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि इराक में भी 800 के लगभग छात्र और 850 के लगभग तीर्थ यात्री फंसे हुए हैं। इन सभी लोगों को सकुशल भारत लाने के लिए विदेश मंत्री से गुहार लगाई गई है। उन्होंने बताया कि उनके अलावा जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह भी ईरान और इराक में फंसे तीर्थ यात्रियों और छात्रों के लिए काफी चिंतित है और उन्होंने भी भारत सरकार से इस दिशा में उचित कदम उठाने की मांग की है।

मौलाना ने बताया कि विदेश मंत्रालय कुछ सुझाव दिए गए हैं, जिसमें कहा गया है कि ईरान से बाई रोड आर्मेनिया आने के बाद उन्हें हवाई जहाज से भारत लाया जा सकता है। हालांकि, यह कदम काफी खतरनाक हो सकता है, क्योंकि युद्ध के दौरान दोनों देशों के जरिए एक दूसरे पर मिसाइलों और फाइटर जहाज से बमों की बारिश की जा रही है। इसकी चपेट में आकर कोई बड़ी घटना भी घट सकती है। इसलिए जब तक सुरक्षित रास्ता उपलब्ध नहीं कराया जाता है, तब तक भारतीय तीर्थ यात्रियों और छात्रों को भारत लाने के लिए इस तरह का कोई कदम नहीं उठाना चाहिए।

एयर इंडिया की दिल्ली-पेरिस सहित कई उड़ानें रद्द, मौसम ने भी बढ़ाई मुश्किलें

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस ने दिल्ली-पेरिस फ्लाइट संख?या एआई-143 और अहमदाबाद-लंदन रूट सहित कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी हैं। वहीं, नई दिल्ली में खराब मौसम की वजह से एयर इंडिया के उड़ानों का परिचालन भी प्रभावित हुआ है, जिससे कुछ उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। दिल्ली एयरपोर्ट ने खराब मौसम के चलते उड़ाने प्रभावित होने की एडवाइजरी भी जारी की है। एयर इंडिया ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि दिल्ली में खराब मौसम की वजह से हमारी उड़ानों का परिचालन प्रभावित हो रहा है। एयरलाइन ने परिचालन कारणों और भारत के विमानन नियामक, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा शुरू किए गए एहतियाती विमान निरीक्षण का हवाला देते हुए 6 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दीं। कुछ

उड़ानों का मार्ग परिवर्तित किया गया है। ऐसे में यात्रियों से हवाई अड्डे पर जाने से पहले उड़ानों की स्थिति की जांच करने की अपील की गई है। इससे पहले एयर इंडिया ने अपनी 5 अंतरराष्ट्रीय उड़ानों को रद्द कर दिया है। एयर इंडिया ने कहा कि विमान की अनुपलब्धता के कारण अहमदाबाद से लंदन की उसकी उड़ान रद्द कर दी गई है। एयरलाइंस ने दिल्ली से पेरिस की उड़ान संख?या एआई-143 को भी रद्द कर दिया है। इसके साथ ही पेरिस से दिल्ली वापसी उड़ान संख?या एआई-142 और अमृतसर की उड़ान भी शामिल है। एयरलाइन ने रद्दीकरण के कारणों के रूप में पेरिस के चार्ल्स डी गॉल हवाई अड्डे पर रात के संचालन पर मुद्दों और प्रतिबंधों की पहचान करने वाली अनिवार्य प्री-फ्लाइट जांच का हवाला दिया। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने जारी एक बयान में बताया कि अहमदाबाद से लंदन के गैटविक के लिए उसकी उड़ान को विमान की अनुपलब्धता की वजह से रद्द कर दी गई है, जिसके परिणामस्वरूप हवाई क्षेत्र प्रतिबंध और अतिरिक्त एहतियाती जांच हुई है। एयरलाइन ने इस दावे से इनकार किया कि किसी तकनीकी खराबी के कारण उड़ान रद्द की गई है। कंपनी ने यात्रियों को हुई असुविधा पर खेद जताते हुए कहा कि यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। इसके साथ ही होटल में ठहरने की व्यवस्था की जा रही है और यात्रियों द्वारा विकल्प चुनने पर रद्दीकरण या मानार्थ पुनर्निर्धारण पर रिफंड की पेशकश भी की जा रही है। उल्लेखनीय है कि एयर इंडिया का लंदन जाने वाला बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर विमान 12 जून को अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने के तुरंत बाद एक छात्रावास परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, जिसमें 242 में से 241 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई थी।

इस वर्ष सिख श्रद्धालुओं का जत्था नहीं जाएगा पाकिस्तान

एजेंसी

चंडीगढ़। शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) ने फैसला किया है कि इस बार सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान में गुरूधामों की यात्रा पर नहीं जाएगा। यह जानकारी एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने दी। दरअसल, शेरे पंजाब महाराजा रणजीत सिंह की बरसी के अवसर पर जून माह के अंतिम सप्ताह में पाकिस्तान में हर साल कार्यक्रम होते हैं। हर साल की तरह इस साल भी पाकिस्तान की तरफ से कार्यक्रमों का ब्यौरा एसजीपीसी को भेजा गया था। जिसके तहत 29 जून को भारतीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे को पाकिस्तान रवाना होना था। एसजीपीसी के सचिव प्रताप सिंह ने बताया कि सिख श्रद्धालुओं की तरफ से पाकिस्तान जाने के लिए अपने पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज एसजीपीसी के पास जमा करवा दिए गए थे।

दोनों देशों के बीच तनाव तथा अभी तक लगाई गई पाबंदियों के मद्देनजर एसजीपीसी ने इस बार सिख श्रद्धालुओं को पाकिस्तान नहीं भेजने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि सिख श्रद्धालुओं को उनके पासपोर्ट तथा अन्य दस्तावेज वापस किए जाएंगे।

कांग्रेस के दबाव के चलते सरकार जाति जनगणना कराने पर मजबूर हुई : सप्तगिरि उलाका

नई दिल्ली । केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित वार्षिक राहत आयुक्त एवं राज्य आपदा मोचन बल सम्मेलन 2025 का समापन हो गया। इस दो दिवसीय सम्मेलन में देशभर के राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों से आए 1000 से अधिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। दो दिवसीय सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव डॉ. पी. के. मिश्रा ने की। उन्होंने आपदा प्रबंधन के बदलते स्वरूप के अनुसार राज्यों को तत्परता और सामूहिक प्रयास बढ़ाने पर बल दिया। दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. पी. के. मिश्रा ने कहा कि यह सम्मेलन औपचारिकता भर नहीं, बल्कि संयुक्त सोच, समीक्षा और सुधार का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज खतरे आपस में जुड़े हुए हैं, उनके प्रभाव कई गुना बढ़ रहे हैं और जोखिम तेजी से बदल रहे हैं। इसके लिए सभी संस्थाओं को अपनी तैयारियों को नए सिरे से मजबूत करना होगा। डॉ. मिश्रा ने कहा कि राज्यों को राहत और मोचन से आगे बढ़कर तैयारी और न्यूनीकरण के लिए स्थायी संस्थागत ढांचा विकसित करना चाहिए। पुरानी

आपदाओं से सीखी गई बातों को संरक्षित कर क्रियान्वयन में लाना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि भारत के आपदा जोखिम न्यूनीकरण वित्तीय मॉडल को हाल ही में जिनेवा में वैश्विक मंच पर मान्यता मिली है। राज्यों को पुनर्निर्माण एवं न्यूनीकरण कोष का उपयुक्त उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए।उन्होंने कहा कि समय पर चेतावनी और तेज गति से राहत संचालन अब मिनटों का खेल बन चुका है। सूखा और बिजली गिरने जैसी आपदाओं के नुकसान अनुमान से अधिक होते हैं। स्थानीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए शहरी बाढ़ समाधान अपनाने चाहिए। 'आपदा मित्र' जैसे कार्यक्रमों से जनभागीदारी को बढ़ावा देना जरूरी है। 'माय भारत' पहल युवाओं को आपदा मोचन में जोड़ने में सहायक हो सकती है। सम्मेलन में अर्ली वार्निंग, पोस्ट डिजास्टर असेसमेंट, शहरी बाढ़ प्रबंधन, तकनीकी नवाचार, मॉक ड्रिल, नागरिक रक्षा बलों और वालंटियर भागीदारी जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई। विभिन्न विशेषज्ञों ने अपने अनुभव साझा किए और भावी आपदा प्रबंधन की रूपरेखा पर विचार रखे। उल्लेखनीय है कि भारत में 1950 के दशक से आपदा प्रबंधन नीति का विकास होता आया है। वर्तमान में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण और राज्यस्तरीय एसडीआरएफ इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुख्यमंत्री ने की मुलाकात

एजेंसी

नई दिल्ली। नई दिल्ली में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री रानीखेत और लैंसडाउन छावनी क्षेत्र को नगर पालिकाओं के साथ विलय करने का अनुरोध किया।

जिससे इन क्षेत्रों में पर्यटन व जनसुविधाओं के समग्र विकास में

ने रानीखेत और लैंसडाउन छावनी क्षेत्र को नगर पालिकाओं के साथ विलय करने और ग्वालदम से नंदकेसरी मार्ग के रख-रखाव व अनुरक्षण कार्य, आपदा कार्यों के लिए वायुसेना देय शुल्क को माफ सहित राज्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय रक्षा मंत्री से सहयोग मिलेगा। धारचूला और जोशीमठ के सैन्य हेलीपैड को आरसीएस हवाई सेवा के अंतर्गत उपयोग करने के लिए अनुमति प्रदान करने का आग्रह किया। राज्य के आपदा एवं राहत कार्यों के लिए भारतीय वायुसेना की सेवाओं के लिए देय शुल्क को माफ किये जाने का भी अनुरोध किया।

एआईसीटीई ने उद्योग-अकादमिक सहयोग को मजबूत करने के लिए उद्योग फेलोशिप कार्यक्रम शुरू किया

एजेंसी

नई दिल्ली। शिक्षा और उद्योग जगत के बीच की खाई को पाटने के लिए अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) ने एआईसीटीई इंडस्ट्री फेलोशिप प्रोग्राम शुरू किया है। इसके माध्यम से देशभर के तकनीकी संस्थानों के चयनित संकाय सदस्यों को अग्रणी उद्योगों के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने मंगलवार को योजना को लांच किया। एआईसीटीई के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के विजन के हिस्से के रूप में फेलोशिप को शुरू में बतौर पायलट प्रोजेक्ट लागू किया जाएगा जिसमें शैक्षणिक वर्ष 2025-26 में 350 संकाय सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आने वाले वर्षों में इसे सालाना 1,500 फेलोशिप तक बढ़ाने का लक्ष्य है। यह अनूठी फेलोशिप सभी हितधारकों, संकाय, शैक्षणिक संस्थानों, उद्योग भागीदारों और छात्रों के लिए फायदेमंद है। संकाय सदस्यों को उद्योग का व्यावहारिक अनुभव, वर्तमान तकनीकों के बारे में बेहतर जानकारी और वास्तविक समय में समस्या-समाधान में प्रत्यक्ष भागीदारी प्राप्त होगी। वहीं, उद्योग जगत को

प्रशिक्षित शिक्षकों के बौद्धिक इनपुट से लाभ होगा और सहयोग के माध्यम से भविष्य के लिए तैयार कार्यबल की पाइपलाइन तैयार होगी। इस दौरान एआईसीटीई के अध्यक्ष प्रो. टी.जी. सीताराम ने कहा कि इस कार्यक्रम को उद्योग और शिक्षा जगत के बीच के अंतर को पाटने के लिए तैयार किया गया है। यह एक सामूहिक प्रयास है जो सभी हितधारकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। संकाय सदस्यों को उद्योग का मूल्यवान अनुभव प्राप्त होगा जिससे वे अपने करियर में उन्नति कर सकेंगे। जबकि उद्योग जगत तकनीकी शिक्षा को आकार देने में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकेंगे। उन्होंने कहा कि परिसरों तक सीमित रहने से इस तरह के सहयोग विकसित नहीं हो सकते हैं। हमारे संकाय को आगे बढ़कर उद्योग में जाना होगा।

दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिलों का आगाज़, कुलपति ने लॉन्च किया नया एडमिशन पोर्टल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए दाखिलों का बिगुल बज चुका है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. योगेश सिंह ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में स्नातक व स्नातकोत्तर कोर्सों के लिए नया एडमिशन पोर्टल लॉन्च किया। इसके साथ ही 5 वर्षीय लॉ व बी.टेक प्रोग्रामों, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) व पीएचडी दाखिलों की प्रक्रिया भी औपचारिक रूप से शुरू हो गई। इस वर्ष डीयू ने पीजी स्तर पर दो नए पाठ्यक्रम एमए हिंदी पत्रकारिता और एमए इन टूरिज्म मैनेजमेंट की भी शुरुआत की है। प्रो. सिंह ने बताया कि जल्द ही अंग्रेज़ी विभाग में एमए जर्नलिज़्म कोर्स भी शुरू किया जाएगा। साथ ही, प्रत्येक पीजी कोर्स में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक अतिरिक्त आरक्षित सीट जोड़ी गई है। कुलपति ने बताया कि दाखिला पोर्टल को अपग्रेड किया गया है, जिसमें अब 'ऑटो-एक्सेप्ट' मोड लागू है जिससे आवंटित सीट अपने आप स्वीकृत हो जाती है। इस वर्ष स्नातकोत्तर स्तर पर 82 प्रोग्रामों के लिए कुल 13,432 सीटों पर 53,609 विद्यार्थियों ने पंजीकरण किया है, जिसमें 30,490 छात्राएं, 23,117 छात्र और 2 ट्रांसजेंडर अभ्यर्थी शामिल हैं। सिंगल गर्ल चाइल्ड कोटा के लिए 1,131 और अनाथ कोटे के लिए 90 आवेदन प्राप्त हुए हैं। एलएलबी प्रोग्राम सबसे लोकप्रिय रहा जिसमें 9,270 पंजीकरण हुए। स्नातक कार्यक्रमों में दाखिला कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी) के स्कोर के आधार पर होगा। डीयू के 69 कॉलेजों में 79 स्नातक कार्यक्रमों के लिए कुल 71,624 सीटें उपलब्ध कराई गई हैं। डीयू इस बार बीएससी (ऑनर्स) कोर्सों के लिए अनिवार्य 30 प्रतिशत न्यूनतम भाषा स्कोर की शर्त हटा चुका है डीयू के बी.टेक प्रोग्रामों में भी बड़ी रुचि देखने को मिली, जहां कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग कोर्सों के लिए 6,030 छात्रों ने पंजीकरण किया। इनमें से 195 ने सिंगल गर्ल चाइल्ड और 4 ने अनाथ श्रेणी के तहत आवेदन किया है।

रुपया 29 पैसे लुढ़का

एजेंसी

मुंबई। इजराइल और ईरान में तनाव बढ़ने के बीच कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 29 पैसे लुढ़ककर दो महीने के निचले स्तर 86.34 रुपये प्रति डॉलर पर आ गया।वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 86.04 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। कारोबार की शुरुआत में रुपया सात पैसे की बढ़त लेकर 85.97 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली बढ़ने से 85.89 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, लिवाली होने से यह 86.34 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया और इसी स्तर पर बंद भी हुआ।

भारत में बने खिलौनों की वैश्विक बाजार में जबरदस्त मांग

नई दिल्ली। भारत अब खिलौनों का आयात करने के बजाय निर्यात कर रहा है। छोटा भीम से लेकर मोटू-पतलू तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे। यहां बने खिलौनों की गुणवत्ता दुनियाभर के मानकों से बेहतर है। शून्य से 16 साल तक के बच्चों के खिलौने बनाने वाली कंपनियां अपने उत्पादों के विदेशी बाजारों में पहुंचाने से उत्साहित हैं। यह स्थिति सिर्फ दो साल में बदली है। यहां के खिलौने स्वास्थ की दृष्टि से भी बड़े पैमाने पर परखे हुए हैं। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), मुंबई के पश्चिमी क्षेत्रीय कार्यालय प्रयोगशाला (डब्ल्यूआरओएल) के वैज्ञानिक और निदेशक अद्भुत सिंह ने कहा, बीआईएस मानकों ने घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों में भारतीय खिलौनों की बिक्री बढ़ाने में सहायता की है। उन्होंने कहा, भारतीय मानक हमारी मौसम स्थितियों और अन्य घरेलू जरूरतों के अनुसार बनाए गए हैं। जीटीआरआई की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का खिलौना निर्यात 2023-24 में मामूली रूप से घटकर 15.23 करोड़ से ज्यादा अमेरिकी डॉलर रह गया, जो पिछले वर्ष 15.38 करोड़ अमेरिकी डॉलर था। नए आंकड़ों के अनुसार भारत में 1,640 बीआईएस-प्रमाणित खिलौना उद्योग हैं, जिनमें से 1,165 लाइसेंस गैर-इलेक्ट्रॉनिक खिलौनों और 475 इलेक्ट्रिक खिलौनों के लिए हैं।

सेबी ने शेयर विश्लेषक संजीव भसीन और 11 अन्य पर लगाए प्रतिबंध

नई दिल्ली। सेबी ने आईआईएफएल सिक्योरिटीज के पूर्व निदेशक संजीव भसीन और 11 अन्य लोगों को मंगलवार को प्रतिभूति बाजारों से प्रतिबंधित कर दिया। यह कार्रवाई?टीवी चैनलों और सोशल मीडिया मंचों पर स्टॉक संबंधी सुझाव देने से जुड़े मामले में शेयरों की हेराफेरी में शामिल होने पर की गई है। 11.37 करोड़ की अवैध ढंग से अर्जित आय भी लौटाने का निर्देश दिया गया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 149 पन्नों के आदेश में कहा, भसीन टीवी चैनलों पर नजर आने वाले मशहूर अतिथि विशेषज्ञ थे।?सोशल मीडिया पर भी बड़ी संख्या में फॉलोअर हैं। आईआईएफएल के साथ एक निदेशक या सलाहकार के रूप में भसीन ने मीडिया चैनलों, टेलीग्राम और आईआईएफएल मंचों के जरिये शेयरों के बारे में सिफारिशें कीं। सेबी की ओर से 13-14 जून, 2024 को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई स्थानों पर तलाशी से वॉट्सएप चैट और ऑडियो रिकॉर्डिंग सहित महत्वपूर्ण सबूत मिले थे। इनसे पता चला कि मीडिया चैनलों पर आने से पहले भसीन ट्रेडिंग सदस्य आरआरबी मास्टर सिक्योरिटीज दिल्ली के डीलरों के जरिये जेमिनी पोर्टफोलियो, वीनस पोर्टफोलियो और एचबी स्टॉक होल्डिंग्स के ट्रेडिंग खातों में अपनी पोजिशन ले लेते थे, जो खरीद ऑर्डर होते थे।

रिकॉर्ड कीमतों के बावजूद दुनियाभर के केंद्रीय बैंक बढ़ाते रहेंगे स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली। आर्थिक अनिश्चितताओं और कई देशों में तनाव के बीच दुनियाभर के केंद्रीय बैंक सोने की खरीदारी आगे भी जारी रखेंगे। इसके साथ ही, वे अमेरिकी डॉलर से दूरी बनाने की भी तैयारी कर रहे हैं। विश्व स्वर्ण परिषद (डब्ल्यूजीसी) की ओर से जारी 2025 सेंट्रल बैंक्स गोल्ड रिजर्व सर्वे के मुताबिक, रिकॉर्ड कीमतों और लगातार 15 वर्षों से खरीद के बावजूद केंद्रीय बैंकों का सोने के प्रति आकर्षण अब भी बरकरार है। सर्वे के मुताबिक, आर्थिक

अनिश्चितता और कई देशों में संघर्ष केंद्रीय बैंकों को भारी पड़ रहा है। इसलिए, वे जोखिम से बचने के लिए स्वर्ण भंडार और बढ़ाना चाहते हैं। सर्वे में शामिल 95 फीसदी केंद्रीय बैंकों का कहना है कि वे अगले 12 महीने में स्वर्ण भंडार में वृद्धि जारी रखेंगे। उभरते बाजारों एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के 48 फीसदी केंद्रीय बैंक 12 महीनों में स्वर्ण भंडार बढ़ाना चाहते हैं। उन्नत अर्थव्यवस्थाओं के 21 फीसदी केंद्रीय बैंकों की भी खरीद जारी रखने की योजना है। सर्वे में एक और अहम ट्रेंड सामने आया है कि आने वाले वर्षों में वैश्विक रिजर्व में अमेरिकी डॉलर का हिस्सा घट सकता है। 73 फीसदी केंद्रीय बैंकों ने पांच वर्षों में डॉलर होल्डिंग में बड़ी गिरावट का अनुमान जताया है। यूरो, रेनमिन्बी (चीनी मुद्रा) और सोने में निवेश बढ़ने की उम्मीद है।

श्रम मंत्रालय की योजनाओं से 50 लाख से अधिक असंगठित श्रमिकों को मिली राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। श्रम मंत्रालय की कल्याणकारी योजनाओं से 50 लाख से अधिक बीड़ी, सिनेमा और खान श्रमिकों को राहत मिली है। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के जरिए कार्यान्वित की जाने वाली इस योजना के तहत हर साल एक लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त होते हैं, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) पारदर्शी और समय पर संवितरण सुनिश्चित करता है।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी बयान में बताया कि मंत्रालय की कई कल्याणकारी योजनाओं ने 50 लाख से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान की है। श्रम और रोजगार मंत्रालय की श्रम कल्याण महानिदेशालय (डीजीएलडब्ल्यू) के माध्यम से भारत में असंगठित श्रमिकों, विशेष रूप से बीड़ी, सिनेमा और खनन क्षेत्रों में जीवन को बेहतर बनाने के लिए समर्पित कल्याणकारी योजनाओं की एक श्रृंखला को लागू करना जारी

रखा है। मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, 50 लाख से अधिक श्रमिकों और उनके परिवारों पर सीधे प्रभाव डालने वाली ये योजनाएं सरकार की समावेशी और श्रम कल्याण रणनीति की आधारशिला हैं। इसके तहत कल्याण ढांचे के प्रमुख घटकों में से एक शिक्षा सहायता योजना है, जो बीड़ी, सिनेमा और गैर-कोयला खदान श्रमिकों के बच्चों के लिए एक हजार रुपये से 25,000 रुपये तक की वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान करती है। मंत्रालय के मुताबिक ये लक्षित योजनाएं न केवल असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के जीवन की गुणवत्ता और सामाजिक सुरक्षा में सुधार लाती हैं, बल्कि सरकार के सबका साथ, सबका विकास के दृष्टिकोण को भी साकार करती हैं। राष्ट्रीय छात्रवृत्ति पोर्टल (एनएसपी) के जरिए कार्यान्वित की जाने वाली इस योजना में हर साल एक लाख से ज्यादा आवेदन प्राप्त होते हैं, जिसमें प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) पारदर्शी और समय पर उसका वितरण सुनिश्चित करता है। स्वास्थ्य योजना के तहत हृदय रोग, किडनी प्रत्यारोपण, कैंसर, टीबी और छोटी सर्जरी जैसी गंभीर बीमारियों के लिए बतौर आर्थिक सहायता छोटी सर्जरी के लिए 30,000 रुपये से लेकर कैंसर के इलाज के लिए 7.5 लाख रुपये तक दिए जाते हैं, जिससे कम आय वाले श्रमिकों के लिए जीवन रक्षक स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच सुनिश्चित होती है।

ईरान-इजराइल संघर्ष से तेल बाजार में उथल-पुथल, कच्चे तेल और पेट्रोल की कीमतों में उछाल

एजेंसी

वाशिंगटन/तेहरान। ईरान और इज़राइल के बीच जारी तनावपूर्ण हालात का असर अब वैश्विक ऊर्जा बाजार पर साफ दिखने लगा है। तेल और पेट्रोल की कीमतों में तेज उछाल दर्ज किया गया है, जिससे आम उपभोक्ताओं की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका बढ़ गई है। अमेरिकी कच्चे तेल की कीमतों में 2.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई, जो अब 73.90 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गई है। यह कीमत जनवरी के अंत के बाद सबसे ऊंचा स्तर है। सोमवार को इसमें 1.7 प्रतिशत की गिरावट देखी गई थी, लेकिन ताजा तनाव के बाद फिर से इसमें तेजी आ गई। पिछले सप्ताह इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए अभूतपूर्व हवाई हमलों के बाद कच्चे तेल की कीमतों में 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी, जो अक्टूबर 2022 के बाद का सबसे बड़ा साप्ताहिक उछाल था। तेल की कीमतों में आई तेजी का असर पेट्रोल पंपों पर भी दिखने लगा है। अमेरिका में रेगुलर गैसोलिन का औसत मूल्य तीन सेंट की छलांग लगाकर 3.17 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गया है, जो आम नागरिकों के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है।

हिंदुस्तान जिंक की 12,000 करोड़ के निवेश से उत्पादन दोगुना करने की योजना

मुंबई। देश की प्रमुख जिंक उत्पादक वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक ने राजस्थान के देबारी में एक नया 250 किलोटन वार्षिक (केटीपीए) उत्पादन वाला एकीकृत जिंक धातु परिसर स्थापित करने के लिए 12,000 करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी निवेश योजना की घोषणा की है। कंपनी ने शेयर बाजार की नियामक फाइलिंग में यह जानकारी देते हुये निदेशक मंडल ने अगले कुछ वर्षों में जिंक, सीसा और चांदी में अपनी उत्पादन क्षमता को दोगुना करने की कंपनी की व्यापक 'दो गुना विकास' रणनीति के तहत इस परियोजना को मंजूरी दी है। नये संयंत्र को अतिरिक्त खनन और मिलिंग क्षमताओं द्वारा समर्थित किया जाएगा और इसके 36 महीनों के भीतर पूरा होने की उम्मीद है। निवेश को आंतरिक स्रोतों और ऋण के संयोजन के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा। कंपनी के सीईओ अरुण मिश्रा ने कहा, हम इस दो गुना विकास परियोजना की घोषणा करते हुए उत्साहित हैं, जो भारत की आर्थिक प्रगति और बढ़ती बुनियादी

ढांचे की मांग के अनुरूप है। यह कदम हितधारकों के लिए दीर्घकालिक मूल्य बनाते हुए जिंक उत्पादन में हमारी आत्मनिर्भरता को बढ़ाता है। भारत के औद्योगिक विकास के अनुरूप विस्तार 2030 तक घरेलू इस्पात उत्पादन 30 करोड़ टन प्रति वर्ष तक पहुंचने की उम्मीद है और बुनियादी ढांचे में निवेश में अनुमानित वृद्धि के साथ, भारत में जिंक की मांग अगले 5-10 वर्षों में दोगुनी हो जाएगी। हिंदुस्तान जिंक की पहले से ही भारत के प्राथमिक जिंक बाजार में 77 प्रतिशत हिस्सेदारी है और शीर्ष-5 वैश्विक चांदी उत्पादकों में से एक है।

सेल्सफोर्स की जैक्वार ग्रुप के साथ साझेदारी

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) सीआरएम कंपनी सेल्सफोर्स ने बाथरूम और लाइटिंग सॉल्यूशंस कंपनी जैक्वार ग्रुप के साथ साझेदारी की घोषणा की जिसका उद्देश्य जैक्वार ग्रुप के डिजिटल बदलाव में तेजी लाना है। सेल्सफोर्स की दक्षिण एशिया की अध्यक्ष एवं सीईओ अरुंधति भट्टाचार्य और जैक्वार ग्रुप के प्रवर्तक एवं निदेशक राजेश मेहरा ने संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। श्रीमती भट्टाचार्य ने कहा कि इस साझेदारी का उद्देश्य एक एआई-पावर्ड प्लेटफॉर्म के ज़रिए ग्राहक से जुड़ा सारा डेटा एक जगह लाने, फील्ड में काम करने वालों की उत्पादकता बढ़ाने तथा सारे कामकाज को आसान व बेहतर बनाना है। इस सहयोग से कंपनी को अपने अलग-अलग कारोबार में ग्राहकों से जुड़ाव को एक साथ लाने, कमाई बढ़ाने, उत्पादकता बेहतर करने और पूरे संचालन को ज्यादा स्मार्ट और असरदार बनाने में मदद मिलेगी और ये सब कुछ एक एआई-पावर्ड और मोबाइल-फर्स्ट प्लेटफॉर्म के ज़रिए होगा। उन्होंने कहा कि अपने डिजिटल बदलाव के तहत जैक्वार ग्रुप अब सेल्सफोर्स के कई सॉल्यूशंस का इस्तेमाल करेगा, जिससे कंपनी की टीम और ठेकेदारों की फील्ड में बेहतर सेवा देने में मदद मिलेगी। यह सब मिलकर जैक्वार ग्रुप को स्मार्ट, तेज़ और ग्राहकों के लिए बेहतर अनुभव देने में मदद करेंगे। श्री मेहरा ने कहा कि दुनिया के 55

से ज़्यादा देशों में मौजूदगी और 12,000 से भी ज़्यादा कर्मचारियों वाली जैक्वार ग्रुप अब सेल्सफोर्स को अपने ग्राहकों से जुड़े सभी कामों के लिए अपनाने जा रहा है। जिससे उसके अलग-अलग कामों की कार्यक्षमता बेहतर हो सके। इसके लिए कंपनी के कंज्यूमर गुड्स क्लाउड का उपयोग शामिल है जिससे बिक्री की प्रक्रिया और तेज़ व असरदार होगी। इसके साथ ही सीपीक्यू और पार्टनर कम्युनिटी क्लाउड का उपयोग भी किया जायेगा जो प्राइसिंग को आसान बनाएंगे और कंपनी के पार्टनरों के साथ तालमेल को मज़बूत करेंगे तथा फील्ड सर्विस यह समाधान कंपनी के मुख्य सेक्टरों जैसे बाथ और लाइट डिविज़न में पूरी तरह से इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि सभी ग्राहक सेवाएं एक ही प्लेटफॉर्म से बेहतर तरीके से चलाई जा सकें।

गूगल ने ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचने के लिये जारी किया सेफ्टी चार्टर

एजेंसी

नई दिल्ली। गूगल ने अपने उपभोक्ताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाने के लिये यहां सेफ्टी चार्टर की शुरुआत की। गूगल इंडिया की कंट्री मैनेजर प्रीति लोबाना ने यहां सेफर विद गूगल इंडिया समिट में सेफ्टी चार्टर की शुरुआत की घोषणा करते हुए कहा, ÷ भारत को विकसित बनाने के लिये, हमें इंटरनेट और अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे में विश्वास बनाना और उसे बनाये रखना होगा। हमारे कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) सिस्टम लगातार नये खतरों और घोटालों का पता लगाने के लिए विकसित होते रहते हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल ऑनलाइन धोखाधड़ी से निपटना, साइबर सुरक्षा को मजबूत करना और जिम्मेदार कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को बढ़ावा देना है। गूगल की ये पहल भारत में अपने इकोसिस्टम को और अधिक सुरक्षित करने के लिए की गयी है।सेफ्टी चार्टर के तीन प्रमुख स्तंभ हैं, जिनमें पहला उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाना है, दूसरा उद्यम और सरकारी साइबर सुरक्षा को मजबूत करना है और तीसरा प्लेटफॉर्म डिजाइन और परिनियोजन में जिम्मेदार एआई को शामिल करना है। इसी के साथ गूगल ने अपने डिजीकवच के माध्यम से 17.7 करोड़ से ज्यादा भारतीयों को सुरक्षा प्रदान की है, इसके लिए कंपनी ने एआई संचालित सिस्टम का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि गूगल प्ले

प्रोटेक्ट के माध्यम से कंपनी ने लगभग छह करोड़ फ्रॉड ऐप्स को ब्लॉक किया है, इसके अतिरिक्त गूगल प्ले की सहायता से लगभग 4.1 करोड़ स्कैम ट्रांजेक्शन अलर्ट को जारी किया गया है।

साल 2024 में ही लगभग 13,000 करोड़ रुपयों की धोखाधड़ी रोकने में सहायता की है। जीमेल पर भी एडवांस्ड एआई सिस्टम का उपयोग करके हर महीने करोड़ों स्पैम ई-मेल को ब्लॉक किया जाता है।

गूगल सिक्योरिटी में इंजीनियरिंग की उपाध्यक्ष हीदर एडकिंस ने कहा,÷ एआई बचाव पक्ष की दुविधा को दूर कर रहा हैज हमने साइबर अपराधियों द्वारा उनका फायदा उठाने से पहले कमजोरियों का पता लगाने के लिए एआई का उपयोग किया है।

कौशल विकास के पांच में से दो उत्कृष्टता केंद्र हैदराबाद, चेन्नई में खुलेंगे : जयंत चौधरी

एजेंसी

हैदराबाद। कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने हैदराबाद और चेन्नई में राष्ट्रीय कौशल प्रशिक्षण संस्थानों (एनएसटीआई) में दो नए उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना की घोषणा की है। श्री चौधरी ने कहा कि ये दोनों केंद्र देश में ऐसे पांच केंद्र विकसित करने की योजना के तहत स्थापित किए जाएंगे। श्री चौधरी सोमवार शाम हैदराबाद के कान्हा शांति वनम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) द्वारा आयोजित कौशल मंथन क्षेत्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे जिसमें दक्षिण के राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि ये केंद्र उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षक प्रशिक्षण और उभरते क्षेत्रों के साथ जुड़े विशेष कौशल के लिए राष्ट्रीय संदर्भ बिंदु के रूप में काम करेंगे। मंत्री ने कौशल विकास में कठोर, एक ही तरह के दृष्टिकोण से दूर जाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, कौशल विकास में निर्धारित नियम नहीं हो सकते। हमें राज्यों को ऐसे समाधान तैयार करने के लिए सशक्त बनाना चाहिए जो उनके स्थानीय आर्थिक संदर्भों में निहित हों और उनके युवाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप हों। तभी हम सार्थक प्रभाव और निरंतर परिवर्तन ला सकते हैं। श्री चौधरी ने राज्यों के लिए कौशल विकास के लिए अधिक रणनीतिक, परिणामोन्मुखी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया - जो भारत के युवाओं की आकांक्षाओं और अर्थव्यवस्था की उभरती मांगों के साथ गहराई से जुड़ा हो। उन्होंने राज्यों से आग्रह किया कि वे विश्व बैंक जैसे विशेषज्ञ निकायों के सहयोग से किए गए बारीक कौशल अंतर आकलन से सूचित स्थानीय कौशल योजनाओं को विकसित करने के लिए जिलाधिकारियों के साथ मिलकर काम करके एक विकेन्द्रीकृत और डेटा-संचालित नियोजन ढांचा अपनाएं।

अधिकांश लोग पांच वर्ष में वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने को लेकर आश्वस्तः रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। देश के अधिकांश व्यक्ति अगले पांच वर्ष में अपने वित्तीय लक्ष्यों को हासिल करने के प्रति आश्वस्त है क्योंकि उनका मानना है कि डिजिटल उपकरणों ने उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान बना दिया है।

वित्तीय क्षेत्र की कंपनी होम क्रेडिट इंडिया द्वारा आज जारी 'मैपिंग इंडियाज एस्पिरेशन्स- द ड्रीम्स इन एवरी वॉलेट' की थीम पर जारी द ग्रेट इंडियन वॉलेट 2025 रिपोर्ट में यह बात की गयी है। यह रिपोर्ट देश के दो-तिहाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है और एक लचीले, आशावादी और तेजी से डिजिटल हो रही आबादी की तस्वीर पेश करता है, जो न केवल जीवंत है, बल्कि अपनी

आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए फल-फूल रहा है। इस सर्वेक्षण में शामिल लोगों से 73 प्रतिशत लोग 5 साल में वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करने को लेकर आश्वस्त हैं जबकि 65 प्रतिशत का मानना है कि किफायती क्रेडिट वित्तीय आकांक्षाओं को गति दे रहा है। इसी तरह से 63 प्रतिशत लोगों का मानना है कि डिजिटल उपकरणों ने उनके वित्तीय लक्ष्यों को प्राप्त करना आसान बना दिया है।रिपोर्ट के अनुसार इस साल 57 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने आय में वृद्धि दर्ज की जबकि 50 प्रतिशत ने बचत की बात कही है जो पिछले वर्ष के 60 प्रतिशत से कम है। इसमें शामिल लोगों में से मात्र 12 प्रतिशत ने माना कि वे अपनी बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए उधार लेते हैं।

इसमें शामिल 26प्रतिशत जेन जेड ने अपनी आकांक्षाओं को तेजी से प्राप्त करने के लिए बेहतर नौकरी के अवसरों पर अधिक जोर दिया।

गोयल ने की आंध प्रदेश में तीन औद्योगिक नोड परियोजनाओं के विकास की समीक्षा

एजेंसी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने विभिन्न औद्योगिक गलियारों की परियोजनाओं के अंतर्गत आंध्र प्रदेश में राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारा विकास निगम (एनआईसीडीसी) के नेतृत्व वाले औद्योगिक नोड्स(केंद्रों) के विकास की प्रगति का आकलन किया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार श्री गोयल ने गुंटूर में तंबाकू बोर्ड के मुख्यायल पर हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में चेन्नई-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे (सीबीआईसी) के अंतर्गत कृष्णापटनम औद्योगिक क्षेत्र, हैदराबाद-बेंगलुरु औद्योगिक गलियारे (एचबीआईसी) के अंतर्गत ओर्वाकल औद्योगिक क्षेत्र और विशाखापत्तनम-चेन्नई औद्योगिक गलियारे (वीसीआईसी) के अंतर्गत कोप्पर्थी औद्योगिक क्षेत्र के विकास के कामों की समीक्षा की। आंध्र प्रदेश देश का एकमात्र राज्य है, जहां तीन अलग-अलग अंतरराज्यीय औद्योगिक गलियारों के तहत औद्योगिक नोड विकसित किये जा रहे हैं। इनमें कृष्णापटनम नोड का विविकास 2,006 एकड़ क्षेत्र में किया जा रहा है, जहां लगभग 10,500 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। इस नोड में एक लाख नौकरियों के अवसर मिलने का अनुमान है।इसी तरह राज्य में ओरवाकल नोड (2,621 एकड़) में 12,000 करोड़ रुपये का निवेश होने और लगभग 45,000 लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। राज्य में तीसरा औद्योगिक नोड कोप्पार्थी नोड (2,596 एकड़) है, जिसमें लगभग 8,800 करोड़ रुपये का निवेश अनुमानित है, और इसमें 54,000 व्यक्तियों को रोजगार मिल सकता है। विज्ञप्ति के अनुसार रविवार को आयोजित समीक्षा बैठक में श्री गोयल ने अधिकारियों को प्रत्येक औद्योगिक नोड के भीतर नवाचार-अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करके प्रमुख निवेशकों और स्टार्टअप को आकर्षित करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने शुरुआती चरण के उद्यमों को पोषित करने और एक मजबूत स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र की सुविधा प्रदान करने के लिए समर्पित इनक्यूबेटर स्थापित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

आर्थिक वृद्धि के चलते 2030 तक वैश्विक तेल मांग का अगुवाई करेगा भारत

एजेंसी

नई दिल्ली। वैश्विक तेल मांग इस दशक के अंत तक तेजी से बढ़ती रहेगी। अमेरिका में सस्ता पेट्रोल और धीमी गति से इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने से खपत को समर्थन मिलने से शीर्ष आयातक चीन में यह 2027 में चरम पर होगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने अपने पूर्वानुमान में कोई परिवर्तन नहीं किया है। आईईए ने कहा, मांग 2029 तक चरम पर होगी, लेकिन अनुमान है कि इलेक्ट्रिक वाहनों में वृद्धि के कारण चीन में मांग पहले ही चरम पर पहुंच जाएगी। वैश्विक मांग कुछ वर्षों में चरम पर होगी। हालांकि, उत्पादक समूह पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का मानना है कि खपत बढ़ती रहेगी, लेकिन खपत चरम पर पहुंचने का कोई पूर्वानुमान नहीं लगाया है। आईईए की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, तेल की मांग 2029 तक 10.5 करोड़ बैरल प्रति दिन (बीपीडी) के उच्च स्तर पर पहुंच जाएगी। फिर 2030 में थोड़ी गिरावट आएगी। वैश्विक उत्पादन क्षमता 2030 तक 50 लाख बीपीडी से अधिक बढ़कर 11.47 करोड़ बीपीडी होने का अनुमान है। इस्राइल और ईरान के बीच संघर्ष ने मध्य पूर्व की आपूर्ति के लिए जोखिम को उजागर किया है। इससे शुक्रवार को तेल की कीमतें 5 फीसदी बढ़कर 74 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गईं।

साल 2050 तक देश में हो जाएंगे 50 करोड़ वाहन : सीईईडब्ल्यू का दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में वाहनों की संख्या वर्ष 2023 की 22.6 करोड़ से दोगुनी होकर साल 2050 तक लगभग 50 करोड़ हो जाएगी। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) के अध्ययन में यह दावा किया गया है। इस रिपोर्ट के मुताबिक इसमें दोपहिया वाहनों की हिस्सेदारी 70 फीसदी होगी, जो 35 करोड़ से अधिक पहुंच जाएगी। वहीं, निजी कारें लगभग 3 गुना बढ़कर 9 करोड़ तक पहुंच सकती हैं। सीईईडब्ल्यू की ओर से जारी की गई रिपोर्ट के मुताबिक वाहनों की संख्या में वृद्धि भीड़-भाड़, प्रदूषण और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे से जूझ रहे शहरों पर अतिरिक्त दबाव डालेगी। सीईईडब्ल्यू का अध्ययन भारत की वाहन संख्या, कुल स्वामित्व लागत और परिवहन ईंधन मांग के बारे में अपनी तरह का पहला जिला-स्तरीय अनुमान उपलब्ध कराते हैं।

सीईईडब्ल्यू की शोध के अनुमान के मुताबिक उत्तर प्रदेश में 9 करोड़ से अधिक वाहन होंगे, जबकि बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में वृद्धि देखने को मिलेगी। दूसरी तरफ जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट के कारण दक्षिणी राज्यों में स्थिरता नजर आएगी। दिल्ली, बेंगलुरु, पुणे, थाने और अहमदाबाद जैसे शहरी और अर्ध-शहरी इलाके प्रमुख वाहन केंद्र बने रहेंगे, जिनका अनुमानित कुल वाहन स्टॉक में सामूहिक रूप से लगभग 10 फीसदी हिस्सा होगा। सीईईडब्ल्यू के इन अध्ययनों में पाया गया है कि इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की पहले से ही कुछ प्रमुख श्रेणियां, विशेष रूप से दोपहिया और तिपहिया वाहन, टैक्सी और निजी कारें लागत प्रतिस्पर्धी हैं, जिन राज्यों में ईवी पॉलिसी का समर्थन पहले से मौजूद है। यह शोध भारत के वाहन स्टॉक, स्वामित्व लागत और परिवहन ईंधन मांग के जिला स्तरीय अनुमान को प्रदान करता है। अध्ययन रिपोर्ट में पाया गया है कि इलेक्ट्रिक दोपहिया और तिपहिया वाहन पेट्रोल मॉडल्स की तुलना में बहुत कम परिचालन लागत प्रदान करते हैं। इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन के लिए स्वामित्व की कुल लागत (टीसीओ) पहले से ही बहुत कम है। पेट्रोल मॉडल के लिए टीसीओ 2.46 रुपये प्रति किलोमीटर है, जबकि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के लिए टीसीओ 1.48 रुपये प्रति किमी है। तिपहिया वाहन श्रेणी में ईवी आगे है, जिसका टीसीओ 1.28 रुपये प्रति किमी है, जबकि पेट्रोल तिपहिया वाहनों के लिए टीसीओ 3.21 रुपये प्रति किमी है। सीईईडब्ल्यू के फेलो हेमंत मल्या ने कहा, भारत का सड़क परिवहन सिस्टम निर्णायक दौर में प्रवेश कर रहा है। उन्?होंने कहा कि परिवहन क्षेत्र में बदलाव से जुड़े फैसले सीधे तौर पर ईंधन आपूर्तिकर्ताओं और वाहन निर्माताओं को प्रभावित करते हैं। माल?या ने बताया कि जिलास्तरीय दृष्टिकोण के साथ कुल लागत विश्लेषण और ईंधन की मांग का अनुमान, नीति निर्माताओं और औद्योगिक नेतृत्व को स्वच्छ ईंधन, ज्यादा कुशल बुनियादी ढांचे, त्वरित इलेक्ट्रिफिकेशन और सतत परिवहन की दिशा में बदलाव की योजना बनाने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराता है। वहीं, डॉ. हिमानी जैन सीनियर प्रोग्राम लीड सीईईडब्ल्यू ने कहा, भारत का परिवहन क्षेत्र त्रिकोणीय समस्याओं ऊर्जा सुरक्षा, भीड़-भाड़ और उत्सर्जन का सामना कर रहा है। जनसंख्या विस्तार और उपभोग के तरीके में बदलाव के साथ यात्री परिवहन और माल ढुलाई की मांग में वृद्धि होगी। सीईईडब्ल्यू के अध्ययन बताते हैं कि सामान्य परिस्थिति परिदृश्य में भारत को वाहनों की संख्या, ईंधन उपयोग और उत्सर्जन में गैर-सतत वृद्धि का सामना करना पड़ेगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में जीत को रबाडा ने जीवन का सबसे यादगार पल बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के स्टार तेज़ गेंदबाज़ कगिसो रबाडा ने आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 में ऑस्ट्रेलिया पर मिली ऐतिहासिक जीत को अपने जीवन का सबसे यादगार पल बताया है। हालांकि, यह उपलब्धि व्यक्तिगत रूप से बेहद खास थी, लेकिन रबाडा ने इसे पूरी टीम की जीत बताया और साथी खिलाड़ियों के समर्पण की खुलकर तारीफ की। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर खेले गए इस फाइनल मुकाबले में रबाडा ने कुल 9 विकेट चटकाए और एक बार फिर यह साबित किया कि वह टीम के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज़ों में से हैं। इस प्रदर्शन के साथ वह साउथ अफ्रीका के टेस्ट इतिहास में चौथे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं, उन्होंने महान एलन डोनाल्ड को पीछे छोड़ दिया। रबाडा अब तक 150 से अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों में सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट (38.9) रखने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने आईसीसी के हवाले से कहा, मैं खुद को सितारा नहीं मानता। मैं खुद को एक ऐसा खिलाड़ी मानता हूं जो मेहनत करता है, टीम के लिए खून-पसीना बहाता है और लगातार बेहतर बनने की कोशिश करता है।

सुपर-60 अमेरिका लीजेंड टूर्नामेंट में जलवा दिखाने को तैयार भारतीय दिग्गज

नई दिल्ली। इस साल अगस्त में आयोजित होने वाले सुपर-60 अमेरिका लीजेंड टूर्नामेंट में भारतीय क्रिकेट के चार पूर्व सितारे हरभजन सिंह, शिखर धवन, सुरेश रैना और रॉबिन उथप्पा एक बार फिर मैदान पर अपने जौहर दिखाने को तैयार हैं। यह प्रतियोगिता 5 अगस्त से 16 अगस्त तक अमेरिका में चलेगी, जिसका उद्देश्य वहां क्रिकेट को लोकप्रिय बनाना है। 2011 में एकदिवसीय विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य हरभजन सिंह और सुरेश रैना, 2007 में टी-20 विश्व कप जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे रॉबिन उथप्पा और 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले शिखर धवन ने इस प्रतियोगिता में भाग लेने पर उत्साह जताया।हरभजन सिंह ने कहा, सुपर-60 अमेरिका दिग्गजों के टूर्नामेंट का हिस्सा बनना मेरे लिए गर्व की बात है। यह एक अनोखा और प्रतिष्ठित प्रारूप है जो क्रिकेट को एक नई दिशा देगा। अंतरराष्ट्रीय स्तर के पूर्व खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं, जो अमेरिका में क्रिकेट को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सुरेश रैना ने कहा, मैं इस प्रतियोगिता का हिस्सा बनकर रोमांचित हूं। यह दुनिया भर के शानदार खिलाड़ियों को एक मंच पर लाता है। ऐसे आयोजनों से अमेरिका में क्रिकेट का दायरा बढ़ेगा और मुझे इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस हो रहा है।

यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने कोच को दिया 25 लाख रुपये का सम्मान

नई दिल्ली। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के स्टार डिफेंडर और यू मुंबा के कप्तान सुनील कुमार ने ऐसा भावुक कदम उठाया है, जिसने खेल जगत में सभी का दिल जीत लिया है। पीकेएल ऑक्शन के बाद सुनील कुमार ने अपने बचपन के कोच भूपेंदर मलिक को बतौर सम्मान 25 लाख रुपये का चेक सौंपा। यह महज एक आर्थिक मदद नहीं, बल्कि गुरु के प्रति सच्ची श्रद्धा और कृतज्ञता का प्रतीक था। सुनील कुमार ने एक बयान में कहा, भूपेंदर मलिक मेरे बचपन के कोच हैं। उन्होंने ही मुझे पहली बार कबड्डी से जोड़ा और मेरी नींव रखी। कोच भूपेंदर मलिक पिछले 20-25 सालों से खिलाड़ियों को बिना किसी शुल्क के ट्रेनिंग देते आ रहे हैं और अब तक कई पीकेएल स्टार्स को तैयार कर चुके हैं।यह क्षण तब और भी भावुक हो गया जब भूपेंदर मलिक ने शुरुआत में यह उपहार लेने से इनकार कर दिया, लेकिन सुनील कुमार ने विनम्र लेकिन दृढ़ स्वर में कहा कि यह केवल पैसे का लेन-देन नहीं, बल्कि सम्मान और आभार की अभिव्यक्ति है। सुनील ने कहा, जो कुछ भी मैंने प्रो कबड्डी लीग में हासिल किया है, वह सब उनके प्रशिक्षण की वजह से है। उन्होंने मुझे न केवल डिफेंस सिखाया, बल्कि कवर पोजिशन में खेलने से लेकर नेतृत्व करना भी सिखाया।

पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने बिग बैश लीग के लिए कराया रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल ने बिग बैश लीग (बीबीएल) के आगामी सीज़न के लिए पंजीकृत कराया है। बिग बैश लीग का ड्राफ्ट इस आयोजित किया जाएगा। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को पुष्टि की है कि कौल पुरुष वर्ग में रजिस्ट्रेशन कराने वाले इकलौते भारतीय खिलाड़ी हैं। उन्होंने पिछले साल नवंबर में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। भारत के लिए उन्होंने तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले थे। इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन भी पुरुष बीबीएल ड्राफ्ट में शामिल हुए हैं। यदि उन्हें चुना जाता है तो वह लीग के इतिहास में 43 साल की उम्र में सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे। एंडरसन के साथ दुनिया भर से 600 से अधिक खिलाड़ियों ने भी अपना नाम दर्ज कराया है। इस बीच, महिला बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) के लिए भारत की 15 महिला खिलाड़ियों ने भी ड्राफ्ट में अपना नाम दर्ज कराया है। इनमें कनिका आहूजा (रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर, डब्ल्यूपीएल) शामिल हैं, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में भारत के लिए टी20 डेब्यू किया था।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम जर्मनी रवाना, 4 देशों के टूर्नामेंट में लेगी हिस्सा

एजेंसी

बेंगलुरु। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम आज सुबह जर्मनी के बर्लिन के लिए रवाना हो गई, जहां वह 21 जून से 25 जून तक आयोजित होने वाले 4 देशों के अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट में भाग लेगी। टीम की कमान कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल के हाथों में है, जो टूर्नामेंट के पहले पूल मैच में 21 जून को मेज़बान जर्मनी के खिलाफ मैदान में उतरेंगे। इसके बाद भारतीय टीम का सामना 22 जून को ऑस्ट्रेलिया और 24 जून को स्पेन से होगा। पूल चरण के बाद शीर्ष दो टीमें फाइनल में भिड़ेंगी, जबकि निचली दो टीमें तीसरे स्थान के लिए 25 जून को मुकाबला करेंगी। सभी मैच टीसी 1899 ब्लाउ वीस़, बर्लिन में खेले जाएंगे। कप्तान अरिजीत सिंह हुंदल ने टूर्नामेंट को लेकर कहा, यह

टूर्नामेंट हमारे लिए बेहद अहम है क्योंकि एफआईएच जूनियर वर्ल्ड कप 2025 अब ज्यादा दूर नहीं है। यह हमारे लिए अपनी रणनीतियों को परखने, नए संयोजन आज़माने और कमजोरियों को पहचानने का बेहतरीन मौका होगा। यहां हमें दुनिया की कुछ बेहतरीन टीमों के खिलाफ खेलने का अनुभव मिलेगा। उपकप्तान आमिर अली ने भी टूर्नामेंट को अहम बताते हुए कहा, हमारी कोशिश है कि वर्ल्ड कप से पहले हर छोटी-बड़ी कमी को दूर किया जाए। यह टूर्नामेंट सिर्फ टीम के लिए ही नहीं, बल्कि हर खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत रूप से भी खुद को आंकने और सुधारने का मौका है। गौरतलब है कि एफआईएच जूनियर पुरुष हॉकी वर्ल्ड कप 2025 का आयोजन 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में किया जाएगा। ऐसे में भारतीय जूनियर टीम के लिए यह टूर्नामेंट वर्ल्ड कप की तैयारियों का एक अहम पड़ाव साबित होगा।

टीएसएच में पीयूष चावला का विशेष क्रिकेट प्रशिक्षण 19 से 25 जून तक : शशिकांत खांडेकर

एजेंसी

कानपुर। शहर के क्रिकेट प्रेमियों और उभरते खिलाड़ियों के लिए यह गर्मी का मौसम एक सुनहरा अवसर लेकर आया है। आर्य नगर स्थित द स्पोर्ट्स हब में आयोजित सात दिवसीय समर क्रिकेट कैम्प में भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्टार गेंदबाज़ पीयूष चावला प्रशिक्षण देने आ रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार को द स्पोर्ट्स हब के मुख्य क्रिकेट कोच शशिकांत खांडेकर ने दी। शशिकांत खांडेकर ने बताया कि 19 से 25 जून तक चलने वाले इस कैम्प में पहले तीन दिन तक खुद पीयूष चावला मौजूद रहकर खिलाड़ियों को क्रिकेट की बारीकियों का विशेष प्रशिक्षण देंगे। उन्होंने कहा कि पीयूष चावला का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। वे उन चुनिंदा खिलाड़ियों में से हैं जो टी 20 वर्ल्ड कप (2007) और वनडे वर्ल्ड कप (2011) जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे हैं। उनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंटों में वर्षों का अनुभव है। जिसमें उन्होंने चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स, किंग्स इलेवन पंजाब और गुजरात टाइटंस जैसी टीमों का प्रतिनिधित्व करते हुए कई यादगार प्रदर्शन किए। उन्होंने कहा कि ऐसे अनुभवी खिलाड़ी से प्रशिक्षण पाना निश्चित ही किसी भी युवा के लिए प्रेरणादायक और परिवर्तनकारी अनुभव होगा। प्रशिक्षण कैम्प में तीन दिन बादअंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी और टीम इंडिया के सदस्य रहे और टीएसएच के मुख्य क्रिकेट कोच शशिकांत खांडेकर और पूर्व रणजी ट्राफी प्लेयर एवं टीएसएच के कोच मो0 आमिर द्वारा खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा को तराशेगें।

ब्री इलिंग और बेला जेम्स को न्यूजीलैंड महिला टीम का केंद्रीय अनुबंध मिला

एजेंसी

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग और बल्लेबाज बेला जेम्स को पहली बार न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम के लिए केंद्रीय अनुबंध मिला है। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने को 2025-26 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध सूची जारी की, जिसमें इन दोनों युवा खिलाड़ियों को जगह दी गई है। यह स्थान हेली जेनसेन के संन्यास और कप्तान सोफी डिवाइन के कैजुअल प्लेइंग एग्रीमेंट पर जाने के बाद खाली हुआ था। बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग ने 2022 में घरेलू क्रिकेट में पदार्पण किया था और अब तक अपनी टीम की प्रमुख विकेट टेकर बन चुकी हैं। 21 वर्षीय इलिंग ने इस सत्र में सभी प्रारूपों में कुल 29 विकेट लिए हैं। इस शानदार प्रदर्शन के दम पर उन्होंने इसी साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ वनडे और टी20 दोनों प्रारूपों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया, जहां उन्होंने छह मैचों में छह विकेट झटके। वहीं, बेला जेम्स ने पिछले साल दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। उन्होंने मार्च में एक और

मुकाबला इसी टीम के खिलाफ खेला। हालांकि, जेम्स ने महज 16 साल की उम्र में घरेलू क्रिकेट में कदम रखा था और उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। न्यूजीलैंड महिला टीम के कोच बेन सॉयर ने कहा, ब्री ने श्रीलंका के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया। एक विश्वस्तरीय बल्लेबाज जैसे चमारी अटापट्टू के खिलाफ उसका प्रदर्शन यह दिखाता है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार है। वहीं, बेला ने घरेलू स्तर पर निरंतर अच्छा खेल दिखाया है और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डेब्यू श्रृंखला में भी शानदार रही थी।सूज़ी बेट्स, ईडन कार्सन, लॉरेन डाउन, इज़्ज़ी गेज़, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, बेला जेम्स, फ्रैन जोनास, जेस केर, एमेलिया केर, रोसमेरी मेयर, मॉली पेनफोल्ड, जॉर्जिया प्लिमर, हन्ना रोवे, लिया ताहुहु।

रग्बी अफ्रीका मेन्स 7ह्य टूर्नामेंट के लिए युगांडा की टीम घोषित

एजेंसी

कम्पाला। युगांडा ने मॉरिशस में 21 से 22 जून तक होने वाले रग्बी अफ्रीका मेन्स 7जी टूर्नामेंट के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा कर दी है। टीम की कमान एलेक्स अतुरिंडा को सौंपी गई है। मुख्य कोच टोल्बर्ट ओन्यांगो ने 12 सदस्यीय टीम का ऐलान करते हुए कहा, हम बेहद उत्साहित हैं क्योंकि टीम ने अच्छी तैयारी की है। हमें अपना खिताब बचाने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। यह टूर्नामेंट मापो के लाबोर्दोने स्पोर्ट्स क्लब में खेला जाएगा, जिसमें कुल 12 टीमें हिस्सा लेंगी।

खिताबी मुकाबले के अलावा, टीमें वर्ल्ड रग्बी 7जी सीरीज़ के नवप्रस्तावित डिवीजन 3 में जगह बनाने के लिए भी प्रतिस्पर्धा करेंगी। युगांडा की रग्बी क्रेन्स टीम को ग्रुप ए में कोट डी आइवोर, घाना और चिर प्रतिद्वंद्वी केन्या के साथ रखा गया है। कोच ओन्यांगो ने कहा, हम अपने ग्रुप में किसी भी टीम को हल्के में नहीं ले सकते, क्योंकि हर टीम मौजूदा चैंपियन को हराने की कोशिश करेगी। लेकिन हम हर मैच के लिए खास रणनीति के साथ तैयार हैं।

अन्य भाग लेने वाली टीमें हैं: दक्षिण अफ्रीका, बुर्किना फासो, जाम्बिया, नाइजीरिया, मेडागास्कर, जिम्बाब्वे, ट्यूनीशिया और मेज़बान मॉरिशस।

युगांडा टीमः एलेक्स अतुरिंडा (कप्तान), एलन ओलैंगो, मुबारक वांडेरा, मार्क ओसुना, अर्नोल्ड ओसेन, रॉय किज़िटो, करीम अरिनाइत्वे, मैल्कम ओकेलो, आरोन टुकेई, डेनिस एत्वाउ, जोन्स कामिजा और नोबर्ट ओकेनी।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में हर्षित राणा बतौर बैकअप शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा को इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की टेस्ट टीम में बैकअप खिलाड़ी के रूप में शामिल किया गया है। वह मुख्य टीम के साथ इंग्लैंड पहुंच चुके हैं और 20 जून से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार देर रात उक्त जानकारी दी। 23 वर्षीय राणा ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ के लिए घोषित 18 सदस्यीय मूल टीम में उनका नाम नहीं था। हालांकि, वह इंडिया ए टीम का हिस्सा थे और कैंटरबरी में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में

खेले थे। हर्षित राणा अब तक दो टेस्ट, पांच वनडे और एक टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला खेल चुके हैं। टीम के अन्य सदस्यों के साथ वह लंदन से ट्रेन के जरिए लीड्स पहुंचे, जहां उन्हें टीम के साथ देखा गया। वहीं केएल राहुल, करुण नायर, यशस्वी जायसवाल, शार्दुल ठाकुर, ध्रुव जुरेल और नितीश रेड्डी जैसे खिलाड़ी पहले से ही इंडिया ए टीम के साथ यूके में मौजूद थे और उन्हें वहां मैच अभ्यास का अच्छा मौका मिला। भारत ने इंग्लैंड दौरे की तैयारी के तहत बेकनहम में इंडिया ए के खिलाफ एकमात्र अभ्यास मैच खेला था टीम इस प्रकार है: शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान एवं विकेटकीपर), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव और हर्षित राणा (बैकअप)।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंची

एजेंसी

दुबई। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाए जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं। उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।

मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी। भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

एफआईएच महिला प्रो लीग : अर्जेंटीना के खिलाफ भारत को मिली 1-4 की हार, दीपिका ने दागा एकमात्र गोल

एजेंसी

लंदन। एफआईएच महिला हॉकी प्रो लीग 2024-25 के मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम को अर्जेंटीना के खिलाफ 1-4 से शिकस्त झेलनी पड़ी। लंदन के ली वैली हॉकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए इस मुकाबले में दीपिका (30%) ने भारत के लिए एकमात्र गोल दागा, लेकिन अर्जेंटीना की अनुभवी खिलाड़ी अगस्टिना गोरजेलानी ने हैट्रिक (42%, 54%, 55%) लगाकर मुकाबले को भारत की पहुंच से बाहर कर दिया।

पहला क्वार्टर गोलरहित रहा, लेकिन भारत की शुरुआत उत्साहजनक रही। सलीमा टेटे और लालरेमसियामी ने गोल के करीब मौके बनाए। भारतीय टीम ने तेज़-तर्रार खेल दिखाते हुए अर्जेंटीना की रक्षापंक्ति को चौंकाने की कोशिश की, जबकि अर्जेंटीना ने शांतचित्त,

संगठित और ऊंचा प्रेसिंग गेम अपनाया। दूसरे क्वार्टर में खेल की रफ्तार बढ़ी। भारत की नवनीत कौर ने गोल लाइन पर शानदार बचाव किया, जबकि सलीमा की तेज़ दौड़ और पास के बाद बलजीत कौर गोल से चूक गईं। 29वें मिनट में अर्जेंटीना की विक्टोरिया फालास्को ने गोल कर बढ़त दिलाई। लेकिन भारत ने तुरंत जवाब दिया। 30वें मिनट में भारत को पहला पेनल्टी कॉर्नर मिला जिसे दीपिका ने दमदार ड्रैग-फ्लिक से गोल में तब्दील कर स्कोर 1-1 कर दिया।

तीसरे क्वार्टर में भारत ने दो पेनल्टी कॉर्नर और एक ओपन प्ले में मौके बनाए, लेकिन गोल में तब्दील नहीं कर पाए। इस बीच अर्जेंटीना को पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिसे गोरजेलानी ने 42वें मिनट में गोल में बदला। 47वें मिनट में सलीमा फिर एक मौके पर करीब पहुंचीं लेकिन गोलकीपर ने रोक दिया। भारत को एक और पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सफलता नहीं मिली। अंततः गोरजेलानी ने दो और गोल (54 पेनल्टी स्ट्रोक, 55 पेनल्टी कॉर्नर) कर अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत की वापसी की उम्मीदों को खत्म कर दिया।

अब तक का सबसे अच्छा खिलाड़ी : दिग्गज प्लेयर 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी से हुआ प्रभावित

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 सीजन में 14 साल की उम्र में कदम रखते हुए हैरान कर दिया और इसके बाद सबसे तेज शतक लगाकर बड़े-बड़े खिलाड़ियों को अपने कोशल से मुरीद बना लिया। सूर्यवंशी ने 206 के अविश्वसनीय स्ट्राइक रेट से सिर्फ सात पारियों में 252 रन बनाए। जिसमें गुजरात टाइटन्स (जीटी) के खिलाफ 35 गेंदों में शतक भी शामिल था। सूर्यवंशी की इस प्रतिभा से इंग्लैंड के दिग्गज खिलाड़ी जोस बटलर प्रभावित हुए हैं जोकि उस दिन गुजरात के विकेटकीपर थे। बटलर ने स्टुअर्ट ब्रॉड के साथ पॉडकास्ट पर बात करते हुए कहा, हमारे खिलाफ 35 गेंदों में शतक जड़ने वाली पारी बहुत ही शानदार थी। हमारी (जीटी) गेंदबाजी में मोहम्मद सिराज, शानदार अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, प्रसिद्ध कृष्णा, अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज, राशिद खान, सर्वश्रेष्ठ टी20 गेंदबाज शामिल हैं ।

हैदराबाद हीरोज की प्रतियोगिता में अबतक की सबसे बड़ी जीत, चेन्नई बुल्स जीएमआर आरपीएल में अंक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी

मुंबई। चेन्नई बुल्स और हैदराबाद हीरोज ने शहाजी राजे भोसले स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (अंधेरी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में जीएमआर आरपीएल के सीज़न 1 में प्रभावशाली प्रदर्शन किया जबकि चेन्नई बुल्स ने दिल्ली रेडज़ के खिलाफ 21-7 के स्कोरलाइन से जीत हासिल की, हैदराबाद हीरोज ने बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स को 43-7 से हराया, जो जीएमआर आरपीएल के सीज़न 1 में अब तक की सबसे बड़ी जीत का अंतर है। दिन के पहले मैच में चेन्नई बुल्स एक बार फिर अपना शानदार फॉर्म दिखा रहे थे और उन्होंने मैच की शुरुआत से ही पूरी तरह से दबदबा बनाया। दिल्ली रेडज़ ने शुरुआती आदान-प्रदान में लगभग हमला नहीं किया, और वाफ़ाउसे मालिको के दो प्रयासों और जोकिन पेलैंडिनी के परिणामी रूपांतरण से और पीछे धकेल दिया गया। पहले हाफ के अंत से पहले, टेरी केनेडी लगभग पूरे मैदान में दौड़कर चेन्नई बुल्स के लिए तीसरा प्रयास जोड़ने के लिए गया, जिसके बाद जोकिन पेलैंडिनी ने शांति से अपने किक को परिवर्तित कर दिया। हाफ-टाइम पर, बुल्स 21-0 की बढ़त के साथ आसानी से जीत रहे थे। इसके बाद बुल्स की यूनिट ने पीछे से चीजों को ठोस रखा और तीसरी तिमाही में रेडज़ को कुछ नहीं दिया। हालांकि, चौथी तिमाही में खेल के अंतिम प्ले में, मातियास ओसाड्ज़ुक ने रेडज़ के लिए एक प्रयास किया और फिर अपने किक को परिवर्तित किया, जिससे स्कोरलाइन को एक अलग रूप मिला। बुल्स ने दिन में अपने प्रतिद्वंद्वी को पूरी तरह से दबा दिया था और 21-7 की जीत के साथ चले गए। दिन के दूसरे मैच में हैदराबाद हीरोज ने बेंगलुरु ब्रेवहार्ट्स को एक उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ हराया। हीरोज ने शुरू से ही बढ़त बना ली और उनके विदेशी खिलाड़ियों ने विपक्ष को पीछे छोड़ दिया। हैदराबाद हीरोज ने 43-7 से जीत हासिल की और अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गए। हैदराबाद हीरोज ने बिजली की गति से शुरुआत की जोजी नासोवा और केविन वेकेसा ने पहली तिमाही में प्रयास किए। टेरियो तमानी एक किक को परिवर्तित करने में भी सक्षम थे।

फॉर्मूला 1 : कनाडाई ग्रां प्री अब 2035 तक, मॉन्ट्रियल में जारी रहेगी रेसिंग

एजेंसी

मॉन्ट्रियल। मोटरस्पोर्ट प्रेमियों के लिए बड़ी खुशखबरी है। फॉर्मूला 1 ने आज, घोषणा की है कि कनाडाई ग्रां प्री अब 2035 तक हर साल कैलेंडर में बनी रहेगी। यह घोषणा ओक्टेन रेसिंग ग्रुप, कनाडा और क्यूबेक की सरकारों के साथ हुए चार साल के नए समझौते के तहत की गई है। साथ ही, बेल मीडिया के साथ मीडिया अधिकारों के समझौते को भी दीर्घकालिक रूप से बढ़ा दिया गया है।

इतिहास और गौरव का प्रतीक है कनाडाई ग्रां प्री

कनाडा की यह रेस यूरोप के बाहर आयोजित होने वाली सबसे पुरानी फॉर्मूला 1 ग्रां प्री है, जिसकी शुरुआत 1967 में हुई थी। 1978 से यह रेस सर्किट गिल विलेनुव पर आयोजित होती आ रही है, जो कनाडा के दिग्गज ड्राइवर गिल विलेनुव के नाम पर है। यह ट्रैक अपने हार्ड-ब्रेकिंग चिकेन्स, हेयरपिन कॉर्नर, और वॉल ऑफ चैंपियंस के लिए प्रसिद्ध है।

हैमिल्टन और शूमाकर के नाम सबसे ज्यादा जीत

फिलहाल चार मौजूदा ड्राइवर मैक्स वर्सटैपेन, लुईस हैमिल्टन, जॉर्ज रसेल और फर्नांडो अलोंसो इस सर्किट पर जीत दर्ज कर चुके हैं। लुईस हैमिल्टन और माइकल

शूमाकर दोनों के नाम यहां 7-7 जीत हैं, जो एक रिकॉर्ड है।

अधिकारियों ने कहा-

फॉर्मूला 1 के सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा, हमारी 75वीं वर्षगांठ के मौके पर इस ऐतिहासिक रेस के साथ साझेदारी बढ़ाना बेहद खास है। मॉन्ट्रियल की रेस फैंस और ड्राइवरों दोनों के दिल के करीब है।

बेल मीडिया के एसवीपी ज्यां-फिलिप पारादी ने कहा कि 2035 तक इस प्रतिष्ठित आयोजन को मॉन्ट्रियल में लाना हमारे लिए गर्व की बात है। यह साझेदारी कनाडा की वैश्विक साख को और मजबूती देगी। वहीं, स्थानीय अधिकारियों ने साझा बयान में कहा कि यह रेस ना सिर्फ हमारी संस्कृति और पर्यटन का प्रतीक है, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी देश का सबसे बड़ा आयोजन है। हम मॉन्ट्रियल को वैश्विक मंच पर चमकता देखना जारी रखेंगे।

नए बदलाव

2026 से रेस की तारीख कैलेंडर में पहले लाई जाएगी ताकि वैश्विक कार्यक्रमों का तालमेल बेहतर हो सके। ओक्टेन रेसिंग ग्रुप ने हाल के वर्षों में ट्रैक और सुविधाओं को अत्याधुनिक बनाने में निवेश किया है, और आने वाले वर्षों में और सुधार किए जाएंगे।

किट्स की मदद से कलाकारी

डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को देखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं। आर्ट एंड क्राफ्ट की फील्ड में जितनी वैरायटी आ गई है, अब उतने ही वेरिएशन उनके किट्स में भी आ चुके हैं। डिफरेंट आर्ट वर्क के लिए अब अलग-अलग तरह के किट मार्केट में मौजूद हैं, बच्चे अपने आर्ट वर्क को ध्यान में रखते हुए इन्हें सिलेक्ट कर सकते हैं।

इको क्राफ्ट किट

यदि बच्चे कुछ पॉजिटिव आर्ट वर्क करना चाहते हैं, तो उनके लिए इको क्राफ्ट जैसे ऑप्शन बेहतर होंगे। इसमें रीसाइकल पेपर से लेकर वुडन बटन्स तक रहते हैं, जिसकी मदद से अर्थ फ्रेंडली क्राफ्ट बच्चे तैयार कर सकते हैं।

कलाइडोस्कोप के लिए मटेरियल

कलाइडोस्कोप बनाने के लिए अब तुम्हें अलग-अलग चीजें ढूंढने की जरूरत नहीं। इसके लिए भी किट मौजूद है, जिसकी मदद से तुम अपना मनपसंद कलाइडोस्कोप तैयार कर सकते हो। कुछ किट्स में तो 12 कलाइडोस्कोप बनाने तक के मटेरियल रहते हैं।

क्राफ्ट के लिए और भी जरूरी हैं कई चीजें

पेंट : इन्हें तुम पेंटब्रश, स्टिक्स, मार्बल, बबल या फिंगर की मदद से यूज कर सकते हो।

वुडन स्टिक : पपेट्स, स्टिक बिल्डिंग और आर्टिफिशियल फ्लावर्स बनाने में बड़े काम के साबित होते हैं।

बीड्स : होममेड ज्वैलरी के लिए या डेकोरेशन के लिए बीड्स का इस्तेमाल कर सकते हो।

किड्स फ्रेंडली सीजर : अब ऐसे सीजर्स अवेलेबल हैं, जिससे बच्चों को चोट लगने का खतरा कम रहता है।

कुछ चीजें हैं आस-पास

आर्ट एंड क्राफ्ट में यूज होने वाली कुछ ऐसी चीजें भी होती हैं जो तुम्हारे घर में वेस्ट के रूप में रहती हैं लेकिन तुम इन्हें अपने आर्ट वर्क को और बेहतर बनाने के लिए प्रयोग में ला सकते हो, जैसे:

- खाली टॉयलेट पेपर रोल
- खाली टिशू बॉक्स
- शूज बॉक्सेस
- प्लास्टिक कप्स
- दवाइयों की खाली शीशी
- बेकार बटन्स
- बबल रैप
- पेपर बैग
- किचन स्पोंज

यह है डॉल हॉस्पिटल!

बड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है। 1913 में हैरॉल्ड चैपमैन ने अपने जनरल स्टोर के साथ ही एक डॉल हॉस्पिटल भी खोला था। उस समय हैरॉल्ड के भाई सेल्युलॉयड डॉल्स जापान से इम्पोर्ट करने का काम करते थे। डॉल्स को लाने के दौरान कई बार उनमें टूट-फूट हो जाया करती थी और उसे देखकर ही हैरॉल्ड को उन्हें रिपेयर करने का आइडिया आया।

जब लोगों को पता चला कि हैरॉल्ड डॉल्स को रिपेयर करने का काम करते हैं तो वो लोग अपनी टूटी डॉल, सॉफ्ट एनिमल टॉय लेकर पहुंचने लगे और इस तरह डॉल हॉस्पिटल का जन्म हुआ। अब इस डॉल हॉस्पिटल को देखने का काम हैरॉल्ड के पोते करते हैं। अपने दादाजी और पिताजी के पैशन को आगे बढ़ाते हुए ज्यॉफ चैपमैन उसी लगन से काम कर रहे हैं। सबसे अच्छी बात यह है कि जेनरेशन के साथ-साथ डॉल हॉस्पिटल और भी एडवांस हो गया है।

इस हॉस्पिटल में आने वाली डॉल्स की रेंज काफी बड़ी है जिसमें मॉडर्न डॉल से लेकर एंटीक डॉल्स भी रिपेयर होने के लिए आती हैं। यहां तक कि सूटकेस, हैंडबैग, छाते जैसी चीजों को भी लोग रिपेयर करवाने पहुंचते हैं। अभी तक इस हॉस्पिटल में 30 लाख डॉल्स बीमार होकर आईं और ठीक होकर गई हैं। ब ड़े चाव से तुमने कोई डॉल खरीदी और उसमें कुछ समय बाद ही टूट-फूट हो जाए तो तुम्हारा दिल भी टूट जाता है लेकिन यह जानकर तुम्हें खुशी भी होगी कि सिडनी में 101 साल पुराना एक ऐसा हॉस्पिटल है, जो सिर्फ डॉल्स के इलाज के लिए है।

असली अस्पतालों जैसा

यह डॉल हॉस्पिटल सामान्य हॉस्पिटल की तरह ही रियल दिखता है। इसमें डॉल को रिपेयर करने का काम उसकी जरूरत और उस समय जो स्पेशलिस्ट मौजूद होता है उसके अनुसार किया जाता है। यहां 12 लोगों का स्टाफ है और हरेक डॉक्टर के पास अलग-अलग स्पेशलाइजेशन है।

इस कुएं में मौजूद है 30 किलोमीटर लंबी खुफिया सुरंग

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया.इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद है जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं.बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे.जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो.उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे.जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं.आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफियाय सुरंग बनाई गई थी.

इस कुएं को 'रानी की बावड़ी' के नाम से जाना जाता है.दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है.'रानी की बावड़ी' का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है.अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं.साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था. ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है. कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था.रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं.

रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है.यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है. इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है.इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं.ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है.यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी. नन्हे गजराज को पकड़ने के लिए गन्ने का लालच दे रहा था युवक, वीडियो में देखें जब बच्चे को आया गुस्सा तो हुआ क्या

इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई.उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया.कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है.यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है.ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे. लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है.

रहस्यमयी पेड़, छूते ही करता है इंसानों जैसी हरकत, गुदगुदी करने पर हंसता है

ऐसा माना जाता है कि इंसानों की तरह पेड़-पौधों में भी जीवन होता है। भारत में कई पेड़-पोधों की पूजा भी की जाती है और उन्हें ईश्वर को दर्जा दिया जाता है। वहीं हमारे देश के जंगलों में कई रहस्य भी भरे पड़े हैं। उत्तराखंड के नैनीताल में के एक जंगल में भी एक ऐसा ही रहस्य छिपा हुआ है, जो वाकई अपने आप में हैरान करने वाला है। ये रहस्य है एक पेड़ का जो इंसानों जैसी हरकत करता है। लेकिन इसके लिए आपके इंसानों की तरह ही इसके साथ गुदगुदी करनी होगी।

दरअसल, कालाढूंगी के जंगलों में एक ऐसा पेड़ है जो बिल्कुल इंसानों की तरह ही हरकते करता है। इस पेड़ को इंसानों की तरह गुदगुदी होती है। जब कोई इस पेड़ को हाथ लगता है तो उस पेड़ को गुदगुदी शुरू हो जाती है। उसकी टहनियां और पत्तियां हंसने लगती है। इस पेड़ के तने में अगर अंगुलियां रगड़ी जाएं तो इसकी शाखाएं हिलने लगती है। इसी वजह से इस पेड को हंसने वाला पेड़ भी कहा जाता है। दूर दूर से लोग इस जंगल में इस पेड़ को देखने आते हैं। इस हंसने वाले पेड़ का वानस्पतिक नाम 'रेंडिया डूमिटोरम' है। इस पेड़ को हाथ लगाने पर इसे गुदगुदी क्यों होती है, इस पर कई शोध किए जा रहे हैं। इस पेड़ की गुदगुदी को देखने के लिए पर्यटक दूर दूर से आते हैं। कई लोगों खुद इस पेड़ को गुदगुदी करते हैं लोगों ने पाया कि इस पेड़ के सारे तने जोर जोर से हिलने लगते हैं। यही वजह है कि लोग इस पेड़ को देखने जंगल की गहराइयों तक पहुंचे जाते हैं।

समाधान

कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

राजा विक्रमसिंह अत्यंत चिंतित थे, कुछ ही दिनों पूर्व राज्य के एक हिस्सें में उनके खिलाफ विद्रोह करने का प्रयत्न किया गया था, जिसे राजा विक्रमसिंह ने वक्त रहते अपनी सूझबूझ तथा सेना के द्वारा नियंत्रण में कर लिया था। लेकिन इस विद्रोह ने उन्हें प्रजा में अपने प्रति बढ़ते आक्रोश का संकेत दे दिया था और यही राजा विक्रमसिंह की चिंता का मुख्य कारण था।

मंत्रीगण आप सभी का विचार है, प्रजा पुन: विद्रोह न करे इसके लिए हमें क्या करना चाहिए। राजा विक्रमसिंह ने मंत्रियों तथा सेनापति से पूछा।

महाराज, मेरा विचार है कि जिस स्थान पर आपके विरुद्ध विद्रोह हुआ है वहां के समस्त नागरिकों को राज्य से निकाल देना चाहिए। एक मंत्री ने कहा।

महाराज, मेरे विचार में हमें उस स्थान पर अत्यधिक संख्या में सेना नियुक्त कर देनी चाहिए जिससे दोबारा ऐसी स्थिति उत्पन्न होने पर वो तत्काल कार्यवाही कर सके और विद्रोह को उग्र रूप लने से पूर्व ही समाप्त किया जा सके। सेनापति ने सुझाव प्रस्तुत किया।

महाराज, हम भी सेनापति जी के सुझाव से सहमत हैं। कुछ मंत्रियों ने सेनापति के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा।

सेनापति जी आपके द्वारा दिया गया सुझाव निश्चित रूप से विचार योग्य है, किंतु यह भी इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। ऐसा करने से उस क्षेत्र की प्रजा में यह गलत संदेश जाएगा कि हम उन पर अविश्वास करते हैं। इससे भी वहां के नागरिकों में रोष बढ़ेगा। राजा विक्रमसिंह ने कहा तो दरबार में सन्नाटा छा गया।

तत्पश्चात इस संबंध में अलग-अलग सुझाव प्रस्तुत करने लगे किंतु राजा विक्रमसिंह को कोई भी सुझाव उचित नहीं लगा।

महामंत्री जी, सभा में उपस्थित सभी मंत्रियों ने हमारे समक्ष अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए, किंतु आपने अभी तक हमें अपनी राय से अवगत नहीं कराया। हम जानना चाहते हैं कि आपकी राय में इस समस्या का क्या समाधान है।-राजा विक्रमसिंह ने महामंत्री ज्ञानसेन से पूछा।महाराज, यह अत्यंत गंभीर विषय है। अत: इस बारे में विचार करने हेतु मुझे कुछ समय की आवश्यकता है। महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीर स्वर में कहा।

ठीक है, महामंत्री जी। हम आपको इस विषय पर विचार करने हेतु तीन दिन का समय देते हैं। हमें पूर्ण विश्वास है कि आप इस समस्या का कोई उचित समाधान तलाश कर सकेंगे। राजा विक्रमसिंह ने कहा और सभा समाप्त हो गई।

उसी शाम राजा विक्रमसिंह, महामंत्री ज्ञानसेन के साथ शाही उद्यान में घूम रहे थे। चलते-चलते उनकी निगाह उद्यान में लगे कुछ पौधों पर पड़ी। इन पौधों के कारण पूरे उद्यान का सौंदर्य नष्ट हो रहा है! राजा विक्रमसिंह बोले तो उन्होंने एक सेवक को उन पौधों को उखाड़ने का आदेश दिया।

राजा विक्रमसिंह का आदेश पाकर सेवक उन पौधों को उखाड़ने लगा। कुछ पौधों को तो सेवक ने बेहद सरलतापूर्वक उखाड़ दिया, किंतु अन्य पौधों को उखाड़ने में उसे अत्यधिक परिश्रम करना पड़ा।

महाराज, मुझे आपकी समस्या का समाधान प्राप्त हो गया। एकाएक महामंत्री ज्ञानसेन ने कहा।

कैसा समाधान मंत्री जी?

महाराज, इन पौधों को देखिए। इनमें से कुछ पौधे तो सरलतापूर्वक भूमि से अलग हो गए, लेकिन कुछ को उखाड़ने में बहुत मुश्किल हुई। ऐसा इसलिए, क्योंकि इन पौधों की जड़ें भूमि में अन्य पौधों की अपेक्षा अधिक गहरी तथा मजबूती से जुड़ी हुई थीं।

महामंत्री जी हम आपके कथन का अर्थ नहीं समझे?

महाराज, जिस प्रकार इन पौधों की जड़ें भूमि में गहराई तक जुड़ी हुई हैं इसलिए इन्हें भूमि से अलग करना कठिन है। उसी प्रकार यदि आपकी लोकप्रियता रूपी जड़ें भी प्रजा में काफी गहराई तक समा जाएं तो फिर जो भी आपको प्रजा से अलग करने का अर्थात विद्रोह करवाने का प्रयास करेगी उसके लिए यह कार्य अत्यंत कठिन होगा। इसके लिए आपको प्रजा के हित में विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करनी चाहिए।

किंतु समस्त प्रजा के लिए हमने तो पहले से ही अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ की हुई हैं!

महाराज, आपका कथन ठीक है। लेकिन उन योजनाओं का लाभ प्रजा को प्राप्त हो रहा है अथवा नहीं; आपके इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए। राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार भी प्रजा में असंतोष का मुख्य कारण है।-महामंत्री ज्ञानसेन ने गंभीरतापूर्वक कहा।

राजा विक्रमसिंह ने ध्यानपूर्वक महामंत्री ज्ञानसेन की बातें सुनीं और फिर उस पर अमल करना आरंभ कर दिया। कुछ ही दिनों में राजा विक्रमसिंह ने न केवल संपूर्ण राज्य में अनेक कल्याणकारी योजनाएं आरंभ करवा दीं, बल्कि उनके समुचित रूप से क्रियान्वित होने का भी ध्यान रखा जिससे संपूर्ण राज्य की प्रजा में खुशहाली छा गई।

कुछ दिनों पश्चात राजा विक्रमसिंह को ज्ञात हुआ कि राज्य के एक हिस्से में पुन: विद्रोह करने का प्रयास किया गया है किंतु इस बार राजा विक्रमसिंह को कोई भी कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं पड़ी, क्योंकि प्रजा ने स्वयं बगावत के लिए उन्हें भड़काने वाले नागरिकों को पकड़कर राजा विक्रमसिंह के समक्ष प्रस्तुत कर दिया।

महाराज, यह सभी तो हमारे शत्रु राज्य ज्वालागढ़ के गुप्तचर हैं।सेनापति ने नागरिकों द्वारा पकड़कर दरबार में लाये गये व्यक्तियों को देखकर कहा।

महाराज, यही हमें आपके विरुद्ध भड़काते थे और विद्रोह करने के लिए प्रेरित करते थे। हमें बेहद अफसोस है कि इनकी बातों में आकर एक बार हमने विद्रोह करने का अपराध किया। उन गुप्तचरों को दरबार में उपस्तिथ करने वाले नागरिकों ने खेदपूर्वक कहा।

जो हुआ उसे भूल जाइए। हमें प्रसन्नता है कि इस बार आप सब शत्रु राज्य के गुप्तचरों के बहकावे में नहीं आए। हमें पर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप सब शत्रु राज्यों के गुप्तचरों के बहकावे में आकर कोई भी ऐसा कार्य नहीं करेंगे जिससे राज्य का अहित हो।

जी महाराज। राजा विक्रमसिंह की बात सुनकर दरबार में उपस्थित नागरिकों ने कहा।

तत्पश्चात राजा विक्रमसिंह ने दरबार में उपस्थित सभी नागरिकों को पुरस्कृत करके दरबार से विदा किया और महामंत्री ज्ञानसेन को भी विशेष रूप से पुरस्कृत किया, जिनकी सलाह द्वारा एक विकट समस्या का समाधान हो गया था और राज्य में अमन तथा शांति स्थापित हुई थी।

मन्नारा चोपड़ा पर टूटा दुखों का पहाड़, पिता का निधन, दो दिनों से बीमार थे

हमेशा अपने चेहरे पर मुस्कान रखने वाली फिल्म एक्ट्रेस और बिग बॉस फेम मन्नारा चोपड़ा पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. मन्नारा के पिता रमन राय हांडा का निधन हो गया है. वो कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे. उनका इलाज चल रहा था लेकिन उन्हें बचाया नहीं जा सका.

बॉलीवुड और टीवी की दुनिया में नाम कमा चुकीं एक्ट्रेस मन्नारा चोपड़ा के घर में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है. मन्नारा के पिता का निधन हो गया है. उनके पिता रमन राय हांडा अब इस दुनिया में नहीं रहे. खुद बिग बॉस फेम एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए इस बात की जानकारी शेयर की है. उनके पिता 71 साल के थे और पिछले 2 दिन से उनकी तबीयत ठीक नहीं चल रही थी.

रमन हांडा एक नामी वकील थे और वे दिल्ली हाई कोर्ट में काम करते थे.मन्नारा चोपड़ा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर इस बात की जानकारी साझा की है. उन्होंने पिता की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा– 'बहुत गहरे दुख और उदासी के साथ हमें ये सूचित करना पड़ रहा है कि 16 जून 2025 को हमारे प्यारे पिता का स्वर्गवास हो गया. वे हमारे परिवार का एक मजबूत स्तंभ थे.' मन्नारा ने आगे कहा अंतिम संस्कार की जानकारी शेयर की है. 18 जून 2025 को मुंबई के अंधेरी वेस्ट में अंबोली स्थित क्रीमेटोरिअम ग्राउंड में मन्नारा के पिता का अंतिम संस्कार हो गया .

प्रियंका और मन्नारा का रिश्ता क्या ?

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा मन्नारा चोपड़ा की कजिन हैं. मन्नारा भी अपना सरनेम चोपड़ा ही लगाती हैं क्योंकि उनकी मां चोपड़ा हैं. मन्नारा की मां कामिनी चोपड़ा प्रियंका के पिता अशोक चोपड़ा की बहन हैं. ऐसे में रिश्ते में प्रियंका और मन्नारा कजिन हैं. बिग बॉस में जब मन्नारा आई थीं तो प्रियंका ने इंस्टा पर स्टोरी लगाकर अपनी कजिन सिस्टर को सपोर्ट भी किया था. हालांकि दोनों बहने कम मौके पर ही साथ देखी गई हैं.

बॉलीवुड में काम कर चुकी हैं मन्नारा चोपड़ा

मन्नारा चोपड़ा की बात करें तो उन्होंने साल 2014 में विवेक अग्निहोत्री की फिल्म जिद से अपने करियर की शुरुआत की थी. अपने 10 साल के करियर में उन्होंने तेलुगू, पंजाबी, तमिल, कन्नड़ और हिंदी फिल्मों में काम किया है. वहीं छोटे पर्दे की बात करें तो वे बिग बॉस 17 में नजर आई थीं और सेकंड रनरअप भी रही थीं. वर्क फ्रंट की बात करें तो वे ओही चन्न ओही रातां नाम की फिल्म में नजर आएंगी.

पूजा बनर्जी

कुणाल वर्मा पर लगा किडनैपिंग का आरोप! मारपीट कर फिल्ममेकर से ऐंठे 23 लाख रुपये

कुछ दिनों पहले टीवी के जाने-माने कपल पूजा बनर्जी और कुणाल वर्मा ने दावा किया था कि उनके कुछ करीबी दोस्तों ने ही उनके साथ धोखाधड़ी की है. उन्होंने सोशल मीडिया पर अपना दर्द भी शेयर किया था. लेकिन अब इस कपल पर ही एक बंगाली फिल्ममेकर ने बेहद संगीन आरोप लगाए हैं. फिल्ममेकर श्याम सुंदर डे का कहना है कि गोवा में पूजा और कुणाल ने उनका अपहरण किया, उन्हें एक विला में कैद करके रखा और उनसे लाखों रुपये की वसूली भी की. इस मामले में डे की पत्नी मालबिका ने गोवा पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है.

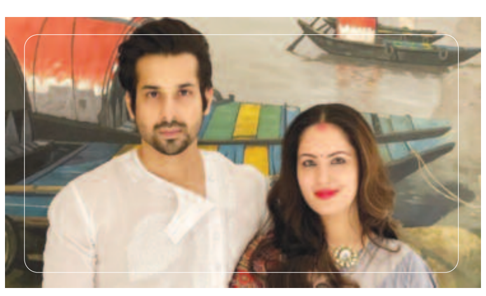

टाइम्स ऑफ इंडिया को श्याम सुंदर डे ने दिए बयान के मुताबिक जब वे गोवा में छुट्टियां मना रहे थे, तब एक दिन उनकी गाड़ी को सड़क पर एक काली जैगुआर ने घेर लिया. उसमें से दो लोग निकले और उन्हें गाड़ी से बाहर आने को कहा. डे को विश्वास है कि ये सारा मामला वहां की सीसीटीवी में रिकॉर्ड हुआ होगा. शुरुआत में उन्होंने मना किया, लेकिन जब उन्होंने वहां पूजा बनर्जी को देखा, जिन्हें वो बहन मानते थे, तो उनका डर थोड़ा काम हो गया.

बहन जैसी दोस्त ने किया किडनैप

श्याम सुंदर डे का दावा है कि पूजा और कुणाल ने उन्हें अपनी कार में बिठाया और वहीं गोवा के अंबर विला ले गए. वहां उन्हें 1 जून से 4 जून तक जबरन कैद रखा गया. डे ने आरोप लगाया कि उन्हें उस विला से कहीं जाने नहीं दिया गया. वे हर दिन पूजा और कुणाल को समझाने की कोशिश करते रहे, उन्हें परिवार का हवाला देते रहे, लेकिन बदले में सिर्फ धमकियां मिलती रहीं.

मारपीट और जबरन कागजात पर साइन करवाने का आरोप

फिल्ममेकर श्याम सुंदर डे का कहना है कि कुणाल वर्मा और कुछ अन्य अज्ञात लोगों ने उनके साथ मारपीट की और ये सब कुणाल की पत्नी और फिल्म मेकर की दोस्त पूजा बनर्जी के सामने हुआ. उन्होंने ये भी बताया कि उनके दोनों मोबाइल फोन छीन लिए गए थे, हालांकि एक फोन उनके पास छोड़ा गया ताकि वे पैसों का इंतजाम कर सकें. डे के मुताबिक, इस दौरान उन पर कुछ संपत्ति के कागजात पर दस्तखत करने का भी दबाव डाला गया, जिसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि मामला हाथ से निकल चुका है.

बाथरूम से वीडियो बनाकर मांगी मदद

श्याम सुंदर डे ने पूजा और कुणाल की नजरों से बचकर किसी तरह विला के बाथरूम से चुपके से एक वीडियो बनाया और अपनी पत्नी मालबिका को पूरी घटना की जानकारी दी. मालबिका ने तुरंत गोवा पुलिस को सूचना दी. पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए 4 जून को श्याम सुंदर डे को सुरक्षित विला से बाहर निकाला.

पायरेसी से सलमान खान की 'सिकंदर' को लगा 90 करोड़ का चूना, इंश्योरेंस कंपनी से वसूलने की तैयारी में मेकर्स

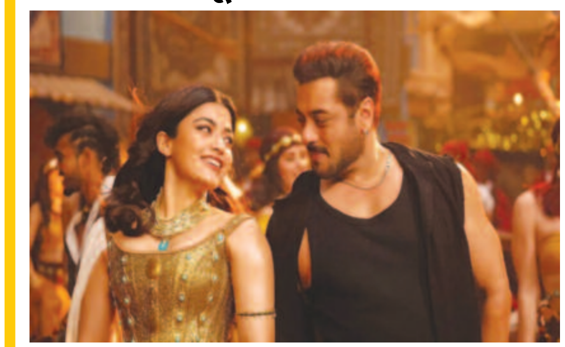

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई और ये बात किसी से छिपी नहीं है. 200 करोड़ के बजट में बनी 'सिकंदर' के मेकर्स को करोड़ों का नुकसान हुआ है. 'सिकंदर' के मेकर्स ने अब एक बड़ा कदम उठाया है. साजिद नाडियाडवाला की नाडियाडवाला ग्रैंडसन एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड (एनजीईपीएल) कंपनी सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' को पायरेसी से हुए नुकसान के लिए 91 करोड़ रुपये का भारी बीमा दावा दायर करने का प्रोसेस जारी कर चुकी है.

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक प्रोडक्शन हाउस ने डिटेल्ड नुकसान आकलन के बाद, अपने डिजिटल पायरेसी बीमा कवर को लागू करने के बारे में चर्चा शुरू कर दी है. रिपोर्ट की मानें तो फिल्म के लीक होने के बाद क्या इम्पैक्ट पड़ा और इससे कितना नुकसान हुआ इसका अंदाजा लगाने के लिए ऑडिट को आदेश दिया गया था. अर्न्स्ट एंड यंग (ईएनवाई) ने एक डिटेल रिपोर्ट पेश की, जिसमें नुकसान लगभग 91 करोड़ रुपये आंका गया है.

'सिकंदर' को पायरेसी से हुआ 91 करोड़ का नुकसान

रिपोर्ट के अनुसार 91 करोड़ रुपये का आंकड़ा मॉडलिंग और मार्केट बेंचमार्किंग के बीच तुलना करने के बाद निकाला गया था. आमतौर पर ऑडिट लीक के बाद प्री-रिलीज़ बॉक्स ऑफ़िस प्रोजेक्शन, थिएटर-वार ऑक्यूपेंसी ट्रेंड और रिजन-वाइज कमाई में गिरावट को एनालाइस करता है. प्लेटफ़ॉर्म पर इललीगल डाउनलोड और स्ट्रीम की मात्रा को ट्रैक करने के लिए डिजिटल फ़ुटप्रिंट ट्रेसिंग टूल का भी इस्तेमाल किया गया था.

कैसे निकाला जाता है पायरेसी से होने वाला नुकसान ?

इन आंकड़ों को अनुमानित बॉक्स ऑफिस नुकसान में कंवर्ट किया जाता है. ऐसे ऑडिट में अक्सर टिकटिंग प्लेटफ़ॉर्म, डिस्ट्रीब्यूटर्स रिपोर्ट और पायरेसी प्रसार के फ़ोरेंसिक ट्रेसिंग से डेटा का मिश्रण शामिल होता है.

91 करोड़ रुपये का आंकड़ा खुद से बनाया हुआ नहीं था. यह संभावित थियेटर और डिजिटल रेवन्यू के नुकसान में निहित है, रिपोर्ट की मानें तो ऑडिट में पाया गया कि 'सिकंदर' की पायरेटेड रिएक्शन सिनेमाघरों में रिलीज होने के कुछ ही घंटों बाद एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग प्लेटफॉर्म और अनऑथराइज्ड स्ट्रीमिंग साइट्स पर सरक्यूलेट की जा रही थीं.

जब गोविंदा के पास थी 70 फिल्में, एक दिन में इतनी पिक्चर की करते थे शूटिंग

हिंदी सिनेमा में गोविंदा ने जो शोहरत और मुकाम हासिल किया है वहां तक बहुत कम ही कलाकार पहुंच पाए हैं. बात एक्टिंग की हो, डांस की या फिर कॉमेडी कीज्हर मामले में गोविंदा नंबर 1 रहे हैं. 90 के दशक तक गोविंदा सिनेमा की दुनिया में सिक्का चलता था. उस दौर में अक्षय कुमार, अजय देवगन, आमिर खान, सलमान खान, सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ जैसे स्टार्स भी थे, लेकिन गोविंदा की बात ही अलग थी. उनका एक अलग चार्म और स्टारडम था.गोविंदा आज चाहे फिल्मी दुनिया में एक्टिव न हों पर उन्होंने सफल होने के बाद वो दौर भी देखा जब उनके पास काम की कमी आई. हालांकि जब वो अपने करियर में पीक पर थे तब उनके पास एक बार तो 70 फिल्में थीं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि तब एक दिन में 'हीरो नंबर 1' कितनी फिल्मों की शूटिंग करते थे ?

जब गोविंदा के पास थीं 70 फिल्में

अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्में देने वाले गोविंदा के मेकर्स भी दीवाने थे. गोविंदा को अपनी फिल्मों में लेने के लिए मेकर्स में होड़ लगी रहती थी. ऐसे में एक बार तो उनके पास 70 फिल्में थीं. ये खुलासा खुद उन्होंने अपने एक इंटरव्यू में किया था. उनसे सवाल किया गया था, 'सुना है कि आपके पास इस समय 50 से 60 फिल्में हैं ? क्या ये बात सही हैं ? इस पर अभिनेता ने कहा था, जी हां. मेरे पास 70 फिल्में थी बीच में.

एक दिन में कितनी फिल्मों की शूटिंग करते थे ?

गोविंदा ने आगे कहा था, आठ-दस पिक्चर अपने आप बंद हो गईं. चार-पांच पिक्चर मुझे डेट्स की कमी की वजह से छोड़नी पड़ीं. इसके बाद उनसे पूछा गया था, आप एक दिन में कितनी फिल्मों की शूटिंग करते है ? इस पर उन्होंने कहा था, ये सिचुएशन पर डिपेंड करता है. कभी दो कर लेता हूं, कभी तीन, कभी चार तो कभी एक दिन में 5 फिल्में भी शूट करता हूं.

गोविंदा की बेहतरीन फिल्में

गोविंदा ने बॉलीवुड में अपनी शुरुआत साल 1986 की फिल्म 'इल्जाम' से की थी. अपने करियर में उन्होंने 'कुली नंबर 1', 'हीरो नंबर वन', 'राजा बाबू', 'साजन चले ससुराल' 'पार्टनर', 'बड़े मियां छोटे मियां', 'स्वर्ग' 'भागम भाग', 'जोड़ी नंबर 1', 'दूल्हे राजा', 'दीवाना मस्ताना' जैसी कई बेहतरीन फिल्में दी हैं.